তৃতীয় খণ্ড

স্বরবিতান

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ
কলিকাতা

স্বরবিতান

তৃতীয় খণ্ড

১

আমার ঢালা গানের ধারা সেই তো তুমি পিয়েছিলে,
আমার গাঁথা স্বপন-মালা কখন চেয়ে নিয়েছিলে ॥
মন যবে মোর দূরে দূরে   ফিরেছিল আকাশ ঘুরে
তখন আমার ব্যথার সুরে আভাস দিয়ে গিয়েছিলে ॥
যবে   বিদায় নিয়ে যাব চলে   মিলন-পালা সাঙ্গ হলে
শরৎ-আলোয় বাদল-মেঘে   এই কথাটি রইবে লেগে—
এই শ্যামলে এই নীলিমায় আমায় দেখা দিয়েছিলে ॥

II পা -র্সা | র্সণা -া ধা -া I পা -া | -া -া -ধা -পা I
আ • মা র্ ঢা • লা • • • • •

I মা -পা | পমা -জ্ঞা রা -জ্ঞা I রা -জ্ঞা | -মা -পা -া -দা I
গা • নে র্ ধা • রা • • • • •

I মা -পা | পমা -া জ্ঞা -রা I মজ্ঞা -া | রা -া সা -রা I
সে ই তো • তু • মি • পি • য়ে •

I ন্া -া | সা -া -া -া I ॥ মা -পা | পা -া পা -া I
ছি • লে • • • আ • মা র্ গাঁ •

I পা -া | পা -ধা ধমা -া I পা -া | -ধা ণা -া -া I
থা • স্ব • প ন্ মা • • লা • •

I ধা -র্সা | র্সণা -া ধা -া I পা -া | পা -ধা ধপা -া I
ক • থ ন্ চে • য়ে • নি • য়ে •

I মগা -া | মা -া -া -া II
ছি• • লে • • •

II পা -া | পা -া পা -া I পমা -পা | -মা জ্ঞা -া -মা I
ম ন্ ব • বে • যো • • • • ব্

I পা -না | না -া না -র্সা I র্সা -া | -া -া -া -া I
দূ • রে • দূ • রে • • • • •

I র্সা -না | র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা -র্ঋা I র্মর্জ্ঞা -া | র্ঋা -া র্সা -র্ঋা I
ফি • রে • ছি • ল• • আ • কা শ্

I না -া | র্সা -া -া -া I না -র্ঋা | র্ঋর্সা -া ণা -ধা I
ঘু • রে • • • ত • থ ন্ আ •

I ণা -া | -া -া -া -া I ধা -র্সা | র্সণা -া ধা -া I
মা • • • • র্ ব্য • থা র্ স্থ •

I পা -া | -া -া -া -া I পা -র্সা | র্সণা -া ধা -া I
রে • • • • • আ • ভা স্ দি •

I পা -া | পা -ধা ধপা -া I মগা -া | মা -া -া -া I
য়ে • গি • য়ে • • ছি• • লে • • •

I মা -পা | পমা -া জ্ঞা -া I জ্ঞা -া | জ্ঞা -ঋা সা -া I
আ ০ মা র্ গাঁ • থা • ম • প ন্

I ঋা -া | পা -া -া -া I পমা -পা | মা -া জ্ঞা -ঋা I
মা • লা • • • ক • থ ন্ চে •

I মজ্ঞা -া | ঋা -া সা -ঋা I ণ্া -া | সা -া -া -া I
য়ে• • নি • য়ে • ছি • লে • • •

II -া -া | -া সা সা -ন্‌া I সা -জ্ঞা | জ্ঞা -া জ্ঞা -রা I
॰ ॰ ॰ য বে ॰ বি. • দা য়্‌ নি •

I মজ্ঞা -া | -রা সা -রজ্ঞরা -সরা I সা -া | -া সা সা -ন্‌া I
য়ে ॰ • ॰ যা • • • • • ব ॰ • য বে ॰

I সা -জ্ঞা | জ্ঞা -া জ্ঞা -রা I মজ্ঞা -া | রা -া সা -া I
বি • দা য়্‌ নি • য়ে • • যা ॰ ব •

I রা -া | পা -া -া -া I পা -া | -র্সা র্সণা -া -া I
চ • লে • • • মি • ॰ ল • ন্‌

I ধা -া | -া পা -া -ধা I মা -া | -পা পমা -া -জ্ঞরা I
পা • ॰ লা • • সা • ঙ্‌ গ ॰ • •

I মজ্ঞা -া | -রা সা -া -া I পা -া | পা -া মা -পা I
হ • • • লে • • শ • র ৎ আ ॰

I মজ্ঞা -া | -া -া -া -মা I পা -না | না -া না -র্সা I
লো• • • • • য়্‌ বা • দ ল্‌ মে •

I র্সা -া | -া -া -া -া I র্সা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞা -া র্জ্ঞা -র্রা I
ঘে • • • • • এ ই ক ॰ থা •

I র্মজ্ঞা -া | র্রা -া র্সা -র্রা I না -া | -া র্সা -া -া I
টি • • র ই বে • লে • • গে • •

I না -র্রা | র্সা -া ণা -ধা I ণা -া | -া -া -া -া I
এ ই ভা • ম • লে • • ॰ • •

খ ৩।২

I ধা -র্সা | ণা -া ধা -া I পা -া | -া -া -া -া I

এ ই নী • লি • মা • • • • য়্

I পা -র্সা | র্সণা -া ধা -া I পা -া | পা -ধা ধপা -া I

আ • মা য়্ দে • খা • দি • য়ে •

I মগা -া | -া মা -া -া I মা -পা | পমা -া জ্ঞা -রা I

ছি• • • লে • • আ • মা র্ গাঁ •

I মজ্ঞা -া | জ্ঞা -রা সা -া I রা -া | -া পা -া -া I

থা • • স্ব • প ন্ মা • • লা • •

I মা -পা | পমা -া জ্ঞা -রা I মজ্ঞা -া | রা -া সা -রা I

ক • খ ন্ চে • য়ে• • নি • য়ে •

I ন্া -া | সা -া -া -া II II

ছি • লে • • •

২

এবার দুঃখ আমার অসীম পাথার পার হল যে, পার হল।
তোমার পায়ে এসে ঠেকল শেষে, সকল সুখের সার হল ॥
এত দিন নয়নধারা বয়েছে বাঁধনহারা,
কেন বয় পাই নি যে তার কূলকিনারা—
আজ গাঁথল কে সেই অশ্রুমালা, তোমার গলার হার হল ॥
তোমার সাঁঝের তারা ডাকল আমায় যখন অন্ধকার হল।
বিরহের ব্যথাখানি খুঁজে তো পায় নি বাণী,
এত দিন নীরব ছিল শরম মানি—
আজ পরশ পেয়ে উঠল গেয়ে, তোমার বীণার তার হল ॥

[না -া না ধা]
পা পা -া II মা -া ধা | পা পা -া I মা পা -া | মা গা -মা I
এ বা র্ দু ক্ খ আ মা র্ অ সী ম্ পা থা র্

I রগা -রা গা | মা পা -া I পা -না না | ধপা -া -া I
পা৹ র্ হ ল যে ৹ পা র্ হ ল৹ ৹ ৹

I -া -া -া | -া পা ধা I ধর্সা র্সা -া | র্সা র্সা -র্রা I
৹ ৹ ৹ ৹ তো মার্ পা৹ য়ে ৹ এ সে ৹

I না -া র্সা | র্সনা নধা -পা I পা পা -ধা | পা পা -মা I
ঠে ক্ ল শে ষে ৹ স ক ল্ সু খে র্

I পা -না ধা | না -া -র্সা I [ ] I
সা র্ হ ল ৹ ৹

II { -া -া পা | ধা ধা -র্সা I র্সা না -র্রা | র্রা র্সা -া I
• • এ ত দি ন্ ন য় ন্ ধা রা •

I . -া -া না | র্সা না -ধা I পা পা -না | ধা না -া } I
• • ব য়ে ছে • বাঁ ধ ন্ হা রা •

I -া -া পা | ধা ধা -না I পা -না না | ধা পা -মা I
• • কে ন ব য়্ পা ই নি যে তা র্

I গা -া মা | মা পা -া I -া -া -া | -া পা -ধা I
কূ ল্ কি না রা • • • • • আ জ্

I ধর্সা -া র্সা | র্সা র্সা -া I র্সা -া র্সা | র্সর্রা র্রর্সা -া I
গাঁ• থ্ ল কে সে ই অ শ্ রু মা • লা •

I না না -র্সা | না ধা -না I পা -না নধা | না -া -র্সা I [ ] I
তো মা র্ গ লা র্ হা র্ হ ল • •

II { -া -া -া | -া সা সা I সা সা -রা | রা রা -া I
• • • • তো মার্ সাঁ ঝে র্ তা রা •

I রা -া গা | মা গা -া I মা মা -ধা | ধপা -া মগা I
ডা ক ল আ মা য়্ য খ ন্ অ ন্ ধ•

I রা -পা পমা | গা -া -া } I { -া -া পা | ধা র্সা -া I
কা র্ হ ল • • • • বি র হে র্

I র্সা র্সনা -র্রা | র্রা র্সা -া I -া -া না | র্সা না -র্সা I
ব্য থা • থা নি • • • খুঁ জে তো •

I ধা -র্সা র্সা | র্সনা ধপা -া } I -া -া পা | ধা ধা -না I
পা র্ নি বা ণী • • • • এ ত দি ন্

I পা পা -না | ধা পা -মা I গা গা -মা | মা পা -া I
নী র ব্ ছি ল • শ র ম্ মা নি •

I -া -া -া | -া পা -ধা I ধর্সা র্সা -া | র্সা র্সা -া I
• • • • আ জ্ প • র শ্ পে য়ে •

I র্সা -া র্সা | র্সর্রা র্রর্সা -া I না না -র্সা | না ধা -না I
উ ঠ্ ল গে • য়ে • তো মা র্ বী ণা র্

I পা -না নধা | না -া -র্সা II [ ] II
তা র্ হ ল • •

৩

আমার আঁধার ভালো, আলোর কাছে বিকিয়ে দেবে আপনাকে সে
আলোরে যে লোপ ক'রে খায় সেই কুয়াশা সর্বনেশে ॥
অবুঝ শিশু মায়ের ঘরে   সহজ মনে বিহার করে,
অভিমানী জ্ঞানী তোমার বাহির দ্বারে ঠেকে এসে ॥
তোমার পথ আপনায় আপনি দেখায়, তাই বেয়ে, মা, চলব সোজা।
যারা পথ দেখাবার ভিড় করে গো তারা কেবল বাড়ায় খোঁজা।
ওরা ডাকে আমায় পূজার ছলে,   এসে দেখি দেউল-তলে—
আপন মনের বিকারটারে সাজিয়ে রাখে ছদ্মবেশে ॥

[জ্ঞা মা -জ্ঞা]
জ্ঞা জ্ঞা II { সা জ্ঞা -া | ঋা সা -া I সা -দা -া | পা মা -া I
আ মার্ আঁ ধা র্ ভা লো • ও ∘ • আ মা র্

॥
I জ্ঞমা জ্ঞা -রজ্ঞা | ঋা সা -া I (র্সা র্সা -া | ঋ্র্া র্সা -া I
আঁ• ধা •র্ ভা লো . • আ লো র্ কা ছে •

I ণা ণর্সা দণা | দা পা -দা I মপা -মা জ্ঞা | রা জ্ঞা -া) } I
বি কি য়ে দে বে ∘ আ প্ না কে সে •

I -া -া সা | ঋা জ্ঞা মা I পা -া দা | ণা র্সা -া I
• • আ লো রে যে লো প্ ক' রে খা য়্

I ণা -জ্ঞ্া জ্ঞ্া | ঋ্া র্সা -া I -া -া -া | -া দা ণা I
সে ই কু য়া শা • • ∘ • • ও গো

I র্সা -জ্ঞ্া জ্ঞ্া | ঋ্া র্সা -া I ণা -া দা | পা মজ্ঞা -া I [ ] I
সে ই কু য়া শা • স র্ ব নে শে• •

[মা ণদা -া দা দা -ণা ণা র্সা -া জ্ঝর্ঋা]
II { সা সা -ঋা | জ্ঞা মা -া I পা পদা -া | ণা র্সা -া I
অ বু ঝ্ শি শু • মা য়ে র্ ঘ রে •

I ণা র্সণা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞর্ঋা র্সা -র্ঋা I ণা ণা -র্সর্ঋা | ণর্সা ণদা -পা } I
স হ• জ্ ম নে • বি হা •র্ ক• রে• ••

I র্সা র্সা -া | র্সর্ঋা র্সা -া I ণর্সা ণা -ধণা | দা পা -মা I
অ ভি • মা নী • জ্ঞা নী • তো মা র্

I পর্সা র্সা -া | ণা দা -পা I মা জ্ঞা -রজ্ঞা | ঋা সা -ঋা I [ ] I
বা• হি র্ দ্বা রে • ঠে কে •• এ সে •

II { -া -া -া | -া সা সা I সা -দা দা | পা পা -া I
• • • • তো মার্ প থ্ আ প না য়্

I পাঃ -দঃ র্সা | ণা পদা -পা I মা -া মা | মা মপা -দা I
আ প্ নি দে খা য়্ তা ই বে য়ে মা• •

I মপা -া পমা | জ্ঞরা মজ্ঞা -া I -া -া -ঋসা | -া সা ঋা I
চ ন্ ব• সো• জা • • • •• • যা রা

I জ্ঞা -মা মা | মা মা -া I মা -পদা দা | পা মা -পা I
প থ্ দে খা বা র্ ভি •ড়্ ক রে গো •

I মা জ্ঞাঃ -রঃ | জ্ঞরা জ্ঞা -া I জ্ঞমা জ্ঞরা -জ্ঞা | ঋা সা -া } I
তা রা • কে• ব ন্ বা• ড়া• য়্ খোঁ জা •

I -া -া -া | -া দা পা I { মা ণদা -া | দা দা -ণা I
• • • • ও রা ডা কে• • আ মা য়্

I ণা র্সা -া | ঋর্া র্সা -া I ণা র্সা -ঋর্জ্ঞা | জ্ঞর্ঋা র্সা -া I
পূ জা র্ ছ লে • এ লে •• দে খি •

I ,ণা ণা -র্সঋা | ণর্সা ণদা -পা } I পর্সা র্সা -া | র্সঋা র্সা -া I
ঢে উ •ল্ ত লে• • আ• প ন্ ম নে র্

I ণর্সা ণা -া | দা পা -মা I পা পর্সা র্সা | ণা দা -পা I
বি• কা র্ টা রে • সা জি য়ে রা খে •

I মা -া জ্ঞা | ঋা সা -ঋা II [ ] II
ছ দ্ ম বে শে •

৪

হার মানালে গো, ভাঙিলে অভিমান   হায় হায়।
ক্ষীণ হাতে জ্বালা   ম্লান দীপের থালা   হল খান্ খান্   হায় হায়॥
এবার তবে জ্বালো   আপন তারার আলো,
রঙিন ছায়ার   এই গোধূলি   হোক অবসান   হায় হায়॥
এসো পারের সাথি—
বইল পথের হাওয়া,   নিবল ঘরের বাতি।
আজি বিজন বাটে,   অন্ধকারের ঘাটে
সব-হারানো নাটে   এনেছি এই গান   হায় হায়॥

II { সা -া -া ঋা | ঋসা -পা পা -জ্ঞা I গা -া -া -া | া -া গা -মা I
হা • র্ মা   না • লে •   গো • • •   • • ভা •

॥
I ঋগা গা ঋা ঋা | সা -া -া -া I (সা -ন্‌া -ঋা -া | -া -া -া -া I
ঙি• লে অ ভি   মা • • ন্   হা • • •   • • • য়্

I ঋা -সা -গা -া | -া -া -া -া) } I গা -া -পা -া | পা -া পা -া I
হা • • •   • • • য়্   ক্ষী • • ণ্   হা • তে •

I পা -জ্ঞা ধপা -া | -া -া -া -া I পা -জ্ঞা পা -া | পা -ধা ধপা -জ্ঞা I
জ্বা • লা •   • • • •   ম্লা • ন •   দী • পে র্

I গা -মা মগা -া | -া -া -া -া I গা -সা গা -া | গা -ঋা সা -া I
থা • লা •   • • • •   হ • ল •   খা ন্ খা ন্

I সা -ন্‌া -ঋা -া | -া -া ঋা -সা I -গা -া -া -া | -া -া -া -া II
হা • • •   • য়্ হা •   • • • •   • • • য়্

II { পা -া গা -া | পা -ক্ষা ধা -পা I ধা -র্সা র্সা -া | -া -া -া -া I
এ • বা র্ ত • বে • আ • লো • • • • •

I র্সা. -া র্সা -র্গা | র্গর্রা -া -া -না I র্রর্সা -া -া -া | -া -া -া -না I
আ • প ন্ তা • • • রা • • • • • • • র্

I ধা -র্সা র্গনা -া | -া -া -া -া } I পা -ক্ষা পা -না | নধা -া পা -া I
আ • লো • • • • • র • ভি ন্ ছা • য়া র্

I পা -ক্ষা -ধা ধপা | পা -ক্ষা ধপা -ক্ষা I গা -া মা মা | গা -া সা -ন্‌া I
এ • ই গো ধূ • লি • • হো ক্ অ ব সা ন্ হা •

I -রা -া -া -া | -া -া রা -সা I -গা -া -া -া | -া -া -া -া II
• • • • • য়্ হা • • • • • • • • য়্

II { সপা -া পা -া | ক্ষা -া গা সা I গা -রা সা -া | -া -া -া -া I
এ • সো • পা • রে র সা • থি • • • • •

I সা -ন্‌া -রা রা | রা -া রা রা I রা -সা সগা -া | -া -া -া -মা I
ব • ই ল প • থে র হা ও য়া • • • • • •

I মগা -া -া গা | গা -া রা ন্‌া I ন্‌রা -া সা -া | -া -া -া -া } I
নি • ব্ ল ঘ • রে র বা • • তি • • • • •

I { পা া গা -া | পা -ক্ষা ধা পা I ধা -র্সা র্সা -া | -া -া -া -া I
আ • জি • বি • জ ন বা • টে • • • • •

I র্সা -া -া র্গা | র্গর্রা -া -া -না I র্রর্সা -া -া -া | -া -া -া -না I
অ • ন্ ধ কা • • • রে • • • • • • • র্

I ধা -র্সা র্সনা -া | -া -া -া -া } I পা -হ্মা -না ধা | পা -হ্মা ধপা -হ্মা I
ঘা • টে • • • • • স • ব্ হা রা • নো• •

I গা -মা মগা -া | -া -া -া -া I গা -হ্মা পা -না | নধা -া পা -হ্মা I
না • টে • • • • • এ • নে • ছি • এ ই

I গা -া সা -ন্া | -র‍া -া -া -া I -া -া রা -সা | -গা -া -া -া II II
গা ন্ হা • • • • • • য়্ হা • • • • য়্

৫

শিউলি ফুল, শিউলি ফুল, কেমন ভুল, এমন ভুল ॥
রাতের বায় কোন্‌ মায়ায় আনিল হায় বনছায়ায়,
ভোরবেলায় বারে বারেই ফিরিবারে হলি ব্যাকুল ॥
কেন রে তুই উন্মনা! নয়নে তোর হিমকণা।
কোন্‌ ভাষায় চাস বিদায়, গন্ধ তোর কী জানায়—
সঙ্গে হায় পলে পলেই দলে দলে যায় বকুল ॥

II সা -পা পা | পমা -া -া I রা -মা জ্ঞরা | সা -া -া I
শি উ লি ফু ০ ল্‌ শি উ লি০ ফু ০ ল্‌

I গা গা গা | মা -া -া I মপা পা মা | পা -জ্ঞা -া I
কে ম ন ভু ০ ল্‌ এ০ ম ন ভু ০ ল্‌

I সা -পা পা | পমা -া -া I রা -মা জ্ঞরা | সা -া -া I
শি উ লি ফু ০ ল্‌ শি উ লি০ ফু ০ ল্‌

I { সগা গা গা | গা -া -া I গা -মা মগা | মা -া -া I
রা০ তে র বা ০ য়্‌ কো ন্‌ মা য়া ০ য়্‌

I মা পা পমা | পা -জ্ঞা -া I রমা মজ্ঞা রা | সা -া -া } I
আ নি ল হা ০ য়্‌ ব০ ন ছা য়া ০ য়্‌

I সা -জ্ঞা রা | জ্ঞা -া -া I রা জ্ঞা রা | জ্ঞা -া -া I
ভো র্‌ বে লা ০ য়্‌ বা রে বা রে ০ ই

I মজ্ঞা মজ্ঞা রা | সা -া -া I রা সা ন্‌া | সা -া -া II
ফি০ রি বা রে ০ ০ হ লি ব্যা কু ০ ল্‌

II { ন্া ন্া ন্া | ন্া -প্া -না I ন্া -সা ন্া | সা -া -া I

কে ন য়ে তু • ই উ ন্ ম না • •

I সজ্ঞা জ্ঞা রা | জ্ঞা -া -া I মা জ্ঞা রা | সা -া -া } I

ন ◦ য় নে তো • র্ হি ম ক ণা • •

I { সা -পা পা | পা -া -া I পা -া পা | পা -ধা -ণা I

কো ন্ ভা ষা • য়্ চা স্ বি দা • য়্

I পা -ধা ধপা | মা -গা -া I রগা -া পা | মা -া -া } I

গ ন্ ধ তো • র্ কী◦ • জা না • য়্

I মা -পা মা | পা -জ্ঞা -া I রা জ্ঞা রা | জ্ঞা -া -ঋা I

স ঙ্ গে হা • য়্ প লে প লে • ই

I সা ঋা ঋা | ঋা -া -া I সা -ঋা ন্া | সা -া -া II II

দ লে দ লে • ◦ যা য়্ ব কু • ল্

৬

রঙ লাগালে বনে বনে কে।
ঢেউ জাগালে সমীরণে কে॥
আজ ভুবনের দুয়ার খোলা দোল দিয়েছে বনের দোলা—
দে দোল! দে দোল! দে দোল!
কোন্ ভোলা সে ভাবে-ভোলা খেলায় প্রাঙ্গণে কে॥
আন্ বাঁশি— আন্ রে তোর আন্ রে বাঁশি, উঠল সুর উচ্ছ্বাসি ফাগুন-বাতাসে।
আজ দে ছড়িয়ে ছড়িয়ে শেষ বেলাকার কান্না হাসি—
সন্ধ্যাকাশের বুক-ফাটা সুর বিদায়-রাতি করবে মধুর,
মাতল আজি অস্তসাগর সুরের প্লাবনে কে॥

II { পা -র্রা | রর্সা -া ণা -া I ধপা -ধপা | মগা -রা গা -া I
র ঙ্ লা ০ গা ০ লে ০০ ব০ ০ নে ০

I মা -া | পা -া -া (-ধা I ধপা -র্সা | -পা -া -া -ধা) } I -া I
ব ০ নে ০ ০ ০ কে ০ ০ ০ ০ ০ ০

I পা -না | না -া না -া I না -া | না -া র্সা -া I
ঢে উ জা ০ গা ০ লে ০ স ০ মী ০

I র্সনা -া | রর্সা -া -া -পা I পা -া | -র্সা -া -পা -ধা II
র ০ ণে০ ০ ০ ০ কে ০ ০ ০ ০ ০

-া II { মা -ধা | ধা -া ধা -া I ধা -া | -া -া -া -না I
০ আ জ্ ভু ০ ব ০ নে ০ ০ ০ ০ র্

I না -া | র্সা -া র্সনা -া I র্সা -া | -া -া -া -া I
দু ০ য়া র্ খো ০ লা ০ ০ ০ ০ ০

I র্সা -র্মা | র্মা -া র্গা -র্মা I র্গর্রা -র্জ্ঞা | র্রা -া র্সা -র্রা I
দো ল্ দি ০ য়ে ০ ছে ০ ব ০ নে র্

I র্না -া | র্সা -া র্গা -া I ধা -া | -া -া পা -া I
দো • লা • দে • দো • • • ল্ দে •

I মা -া | -া -া গা -া I মা -া | -া -া -া -া } I
দো • • ল্ দে • দো • • • • ল্

I গা -া | মা -া গা -া I মা -া | মগা -া মা -া I
কো ন্ ভো • লা • সে • ভা • বে •

I পা -া | ধা -া না -া I নর্সা -া | -া -া -া -া I
ভো • লা • খে • লা• • • • • র্

I র্সা -র্মা | র্মা -া র্গা -র্মা I র্রা -া | র্জ্ঞা -া র্সা -া I
প্রা ঙ্ গ • ণে • প্রা ঙ্ গ • ণে •

I র্সনা -া | র্সা -া পা -া I পা -র্সা | -পা -া -ধা -া II
প্রা ঙ্ গ • ণে • কে • • • • •

-া II { সা -া | সা -া রা -া I রা -া | গা -রা গা -া I
• আ ন্ বাঁ • শি • আ ন্ রে • তো র্

I মা -া | পা -া জ্ঞা -া I পা -া | মা -া গা -া I
আ ন্ রে • বাঁ • শি • উ ঠ্ ল •

I মা -া | ধা -া ধপা -া I ধা -া | ধা -া না -া I
সু র্ উ চ্ ছা • সি • ফা • গু ন্

I না -া | নর্সা -া না -া I না -া | না -া র্সা -র্রা I
বা • ভা• • সে • আ জ্ দে • ছ •

I র্রর্সা -া | র্সা -া না -া I না -া | র্সা -া -া -া I
ড়ি • য়ে • ছ • ড়ি • য়ে • • •

I না -র্রা | র্র্সা -া ণা -ধা I পধা -ধপা | মগা -রা গা -া I
শে ষ্ বে • লা • কাং র্ কাং ন্ না •

I মা -া | পা -া গা -া I মা -া | পা -া -া -া } I
হা • সি • আ ন্ বাঁ • শি • • •

I { মা -ধা | ধা -া ধা -া I ধা -া | -া -া -া -না I
স ন্ ধা • কা • শে • • • • র্

I না -া | র্সা -র্রা র্না -া I র্সা -া | -া -া -া -া I
বু ক্ ফা • টা • সু • • • • র্

I র্সা -র্মা | র্মা -া র্গা -র্মা I র্গর্রা -া | -র্জ্রা -র্সা -া -া I
বি • দা র্ া • তি • • • • •

I র্গনা -া | র্সা -নর্রা র্সা -ণা I ধা -া | -া -া -া -া I
ক র্ বে • • ম • ধু • • • • র্

I ধা -ণা | ণধা -া পা -া I মা -া | গা -রা গা -া I
মা ত্ ল • আ • জি • অ ন্ ত •

I গা -া | মা -া গা -া I মা -া | পা -া পা -া I
সা • গ র্ সু • য়ে র্ প্রা • ব •

I ধা -া | ধা -া ণা -া I র্সা -া | -পা -া -া -ধা I
নে • প্লা • ব • নে • • • • •

I পা -া | -র্সা -া -পা -ধা II II
কে • • • • •

৭

ওরে প্রজাপতি, মায়া দিয়ে কে যে পরশ করল তোরে
অস্তরবির তুলিখানি চুরি ক'রে ॥
হাওয়ার বুকে যে চঞ্চলের গোপন বাসা বনে বনে বয়ে বেড়াস তারি ভাষা,
অপ্সরীদের দোলের খেলার ফুলের রেণু পাঠায় কে তোর পাখায় ভ'রে ॥
যে গুণী তার কীর্তিনাশার বিপুল নেশায়
চিকন রেখার লিখন মেলে শূন্যে মেশায়,
সুর বাঁধে আর সুর যে হারায় পলে পলে— গান গেয়ে যে চলে তারা দলে দলে—
তার হারা সুর নাচের নেশায় ডানাতে তোর পড়ল ঝরে ॥

সা II সা গা সা গা | মগা মণা ণ্দা পা I মা পা দা পা | মা পা পদপা মগা I
ওরে প্র জা প তি মা॰ য়া॰ দি য়ে কে যে প রশ্ কর্ ল তো॰॰ রে॰

I মগা মণা ণ্দা পা | -া -া -া -া I না র্সা র্সর্ঋা র্সা | না র্সা র্সনা র্সা I
মা॰ য়া॰ দি য়ে ॰ ॰ ॰ ॰ অস্ ত র॰ বির্ তু লি খা নি

I পদা দর্সনা নদা পা | সা ঋা গা মগা I মগা মণা ণ্দা পা | -া -া -া -া II
চু॰ রি॰ ক রে চু রি ক রে॰ মা॰ য়া॰ দি য়ে ॰ ॰ ॰ ॰

II দা দা না র্সা | র্সর্ঋা র্ঋা র্সনা র্সা I ণা ণর্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা র্সা | র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা র্রা র্জ্ঞা I
হাও য়ার্ বু কে যে॰ চন্ চ॰ লের্ গো পন্ বা সা ব॰ নে ব নে

I র্রর্মা র্মর্জ্ঞা র্ঋা র্সা | ণা ণর্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা র্সা I র্সর্ঋা র্ঋর্সা র্ঋা র্সা | সা ঋা গা মা I
ব॰ য়ে বে ড়াস্ তা রি॰ ভা ষা অপ্ স রী দের্ অপ্ স রী দের্

I পা দা দা পা | মা পা ণদপা মগা I মা মণা -দা -া | সা ঋা গা মা I
দো লের্ খে লার্ ফু লের্ রে॰॰ ণু॰ পা ঠা॰ ॰ য়্ পা ঠায়্ কে তোর্

I পা দা না র্সা | মগা মণা ণ্দা পা II
পা খায়্ ভ' রে মা॰ য়া॰ দি য়ে

II সা ঋা গা মা | পাঃ দঃ না র্সা I · ণা ণর্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা র্সা | র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা র্ঋা র্সা I
যে গু ণী তার্ কীর্ তি না শার্ বি পুল্ নে শায়্ চি • কন্ রে থার্

I র্সর্ঋা র্সা ণা দপা | পাঃ ণঃ দা পা I দাঃ দঃ না র্সা | র্ঋাঃ র্ঋঃ র্সনা র্সা I
জি • খন্ যে লে• শূন্ নে যে শায়্ সুর্ বাঁ ধে আর্ সুর্ যে হা• রায়্

I ণা ণর্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা র্সা | র্সর্জ্ঞাঃ র্জ্ঞঃ র্জ্ঞর্রা র্জ্ঞা I র্রর্মা র্মর্জ্ঞা র্ঋা র্সা | ণা ণর্জ্ঞা র্জ্ঞর্ঋা র্সা I
প লে• প লে গান্ গে য়ে • যে চ লে তা রা দ লে• দ লে

I র্সর্ঋাঃ র্সঃ র্ঋা র্সা | সাঃ ঋঃ গা মা I সা ঋা গা মা | পা দা দা পা I
তার্ হা রা সুর্ তার্ হা রা সুর্ না চের্ নে শায়্ ভা না তে তোর্

I মা পা দপা মগা | মগা মণা ণদা পা II II
পড়্ ল ঝ • রে • মা• য়া• দি য়ে

৮

আমার নয়ন তোমার নয়নতলে মনের কথা খোঁজে,
সেথায় কালো ছায়ার মায়ার ঘোরে পথ হারালো ও যে ॥
নীরব দিঠে শুধায় যত পায় না সাড়া মনের মতো,
অবুঝ হয়ে রয় সে চেয়ে অশ্রুধারায় ম'জে ॥
তুমি আমার কথার আভাখানি পেয়েছ কি মনে।
এই-যে আমি মালা আনি, তার বাণী কেউ শোনে ?
পথ দিয়ে যাই, যেতে যেতে হাওয়ায় ব্যথা দিই যে পেতে—
বাঁশি বিছায় বিষাদ-ছায়া তার ভাষা কেউ বোঝে ॥

সা সা II রা -া -পা | পমপা -ধণা -া I গধা -া -রা | রপা পা -া I
আ মার্ ন ০ ০ য় ০ ০ ০ ০ ০ ০ ন্ তো ০ মা র্

I মা গা -মগা | গরা সা -া I সা সা -রা | সা রা -া I
ন য় ০ ন্ ত লে ০ ম নে র্ ক থা ০

I -া -া -া | -া -া -া I রা গরা -গা | মা পা -মধা I
০ ০ ০ ০ ০ ০ ম নে ০ র্ ক থা ০ ০

I ধপা মা -গা | রা সা -া I রা -া -পা | পমা -া -পধা I
খোঁ জে ০ আ মা র্ ন ০ ০ য় ০ ০ ০

I ধপা -া -া | সা সা -া I সা সা -মা | মা মা -া I
০ ০ ন্ সে থা য়্ কা লো ০ ছা য়া ০

I -া -া -া | -া -া -া I মা মা -গপা | ক্ষা পা -া I
০ ০ ০ ০ ০ র্ মা য়া ০ র্ ঘো রে ০

I ধা -া না | র্সা র্সা -নর্রা I র্র্সা না -র্সনা | ধণা গপা -া II
প থ্ হা রা লো ০ ০ ও যে ০ ০ "আ ০ মা র্"

-া -া -া II { পা পা -া | পনা নধা -না I র্সা র্সা -া | র্সা র্সা -া I
• • • নী র ব্ দি• ঠে • শু ধা য়্ য ত •

I না• -া ধা ¦ না -া -র্সা I র্সা -া -া | -া -া -া I
পা য়্ না সা • • ড়া • • • • •

I না নধা -নর্সা | না ধপা -া } I মা মা -া | মা মা -া I
ম নে •র্ ম তো• • অ বু ঝ্ হ য়ে •

I সমা -া মা | মা -গা -পক্ষা I পা -া -া | -া -া -া I
র• য়্ সে চে • •• য়ে • • • • •

I ধা -া না | র্সা র্সা -নর্রা I র্র্সা না -র্সনা | ধণা পপা -া II
অ শ্ শ্রু ধা রা •য়্ য' জে •• "আ• মা র্"

-া সা সা II { সা সা -রা | রা রা -া I রা গরা -গা | মা -পা -ধা I
• তু মি আ মা র্ ক থা র্ আ ভা• • থা • •

I পমা -া -া | -া -া -গা I রা রা -গা | গরা রা -পা I
নি• • • • • • পে য়ে • ছ কি •

I মা পা -া | -া -া -া I ধা -া ণা | ণধা পা -া I
ম নে • • • • এ ই যে . আ মি •

I ক্ষা পা -া | পক্ষা -া -পধা I ধপা -মা -া | -া -া -গা I
মা লা • আ • •• নি • • • • •

I গরা -ণা ণা | ধা পা -ক্ষধা I ধপা মা -া | -া (সা সা) } I -া -া I
তা র্ বা ণী কে •উ শো নে • • তু মি • •

I { পা -া পা | না নধা -না I র্সা. র্সা -া | র্সা র্সা -না I
প থ্ দি য়ে যা ই যে তে • যে তে •

I নধা না ·ধা | না -া -র্সা I র্সা -া -া | -া -া -না I
হাও য়া য়্ ব্য • • থা • • • • •

I নধা -নর্সা র্সা | না ধপা -া } I সমা মা -া | মা মা -া I
দি ·ই যে পে তে• • বাঁ· শি • বি ছা য়্

I মা মা -া | মা -গা -পক্ষা I পা -া -া | -া -া -া I
বি ষা দ্ ছা • •• য়া • • • • •

I ধা -া না | র্সা র্সা -নর্রা I র্র্সা না -র্সনা | ধণা ণপা -া II II
তা র্ ভা ষা কে •উ বো ঝে •• "আ• মা র্"

তুমি বাহির থেকে দিলে বিষম তাড়া।
তাই ভয়ে ঘোরায় দিক্‌বিদিকে, শেষে অন্তরে পাই সাড়া॥
যখন হারাই বন্ধ ঘরের তালা— যখন অন্ধ নয়ন, শ্রবণ কালা,
তখন অন্ধকারে লুকিয়ে দ্বারে শিকলে দাও নাড়া॥
যত দুঃখ আমার দুঃস্বপনে, সে যে ঘুমের ঘোরেই আসে মনে—
ঠেলা দিয়ে মায়ার আবেশ কর গো দেশছাড়া।
আমি আপন মনের মারেই মরি, শেষে দশ জনারে দোষী করি—
আমি চোখ বুজে পথ পাই নে ব'লে কেঁদে ভাসাই পাড়া॥

মা গা II গরা গা -া | মা পা -া I পনা না -া | ধা পা -ধ I
তু মি বা হি র্ থে কে • দি• লে • বি ষ ম্

I মা -পধা ধপা | -মা গা মা I রা গা -া | মা পা -া I
তা •• ড়া • তু মি বা হি র্ থে কে •

I -া -া -া | -া না -া I না র্সা -া | র্সা র্সা -া I
• • • • তা ই ভ য়ে • ঘো রা য়্

I না -া র্রা | র্রর্সা র্সা -র্রর্সা I -না -া -া | -া না না I
দি ক্ বি দি কে •• • • • • শে ষে

I না -র্সা র্সা | র্সা না -া I নধা -র্সনা ধপা | -া মা গা II
অ ন্ ত রে পা ই সা •• ড়া • "তু মি"

পা পা II { মা নধা -া | ধা -া না I না র্সা -া | র্সর্রা -া -র্সনা I
য খন্ হা রা• ই ব ন্ ধ ঘ রে র্ তা• • ••

I র্সা -া -া | -া র্সা র্সা I না -া র্রা | র্সা র্সা -া I
লা • • • য খন্ অ ন্ ধ ন য় ন্

I না র্সা -না | ধা পা (-ধা) } I -া I -া -া -া | -া না না I
শ্র ব ণ্ কা লা • • • • • • ত খন্

I না র্সা র্সা | র্সা র্সা -া I র্সনা র্সা না | ধা পা -া I
অ ন্ কা রে • লু কি য়ে ঝা রে •

I পনা না -া | ধা পা -া I মপা -ধপা পমা | -া গা মা II
শি• ক • লে দা ও না• •• ড়া • "তু মি"

গা গা II { গা -া গা | গা গা -মা I মা -া পা | ধা পা -া I
য ত দু ক্ খ আ মা র্ দুঃ • স্ব প নে •

I -া -া -া | -া পা পা I মা মা -ধা | ধপা পা -ধা I
• • • • সে যে ঘু মে র্ ঘো রে ই

I মা মা -পা | পমা মা -পমা I -গা -া -া | -া (গা গা) } I -া -া I
আ সে • ম নে •• • • • • য ত • •

I না র্সা -া | র্সা র্সা -র্রর্সা I র্সনা র্সা -া | না ধপা -া I
ঠে লা • দি য়ে •• মা য়া র্ আ বে• শ্

I পনা না -া | না ধা -না I ধা পা -া | -া পা পা I
ক• র • গো দে শ্ ছা ড়া • • আ মি

I { মা নধা -া | ধা ধা -না I না র্সা -া | র্সর্রা -া -র্সনা I
আ প• ন্ ম নে র্ মা ঝে ই ম• • ••

I র্সা -া -া | -া র্সা র্সা I না -া র্রা | র্রর্সা র্সা -র্রা I
রি • • • শে যে দ শ্ জ না রে •

I র্না র্সা -না | ধা পা (-ধা) } I -া I -া -া -া | -া না না I
দো ষী • ক রি • • • • • • আ মি

I না -র্সা র্সা | র্সা র্সা -র্রা I র্না -র্সা না | ধা পা -া I
চো খ্ বু জে প থ্ পা ই নে ব' লে •

I পনা না -া | ধা পা -া I মা -পধপা পমা | -া গা মা II II
কেঁ• দে • ভা সা ই পা • • • য়া • "তু মি"

১০

একটুকু ছোঁওয়া লাগে, একটুকু কথা শুনি—
তাই দিয়ে মনে মনে রচি মম ফাল্গুনী ॥
কিছু পলাশের নেশা, কিছু বা চাঁপায় মেশা,
তাই দিয়ে সুরে সুরে রঙে রসে জাল বুনি ॥
যেটুকু কাছেতে আসে ক্ষণিকের ফাঁকে ফাঁকে
চকিত মনের কোণে স্বপনের ছবি আঁকে।
যেটুকু যায় রে দূরে ভাবনা কাঁপায় সুরে,
তাই নিয়ে যায় বেলা নূপুরের তাল গুনি ॥

II মা -া পা পদা দা পা I মগা মা -দা -া -পা I
এ ক্ টু কু ছোঁও য়া লা • গে • • •

I মা -া পা পদা পা মা I গা মা -া -া -া -া I ॥
এ ক্ টু কু ক থা শু নি • • • •

I সা -মা মা মা মপা গা I মা পদা -া -না র্সা -র্ঋা I
তা ই দি য়ে ম• নে ম নে• • • • •

I না র্সা র্ঋা র্সা র্সনা -র্সা I -দা -র্সা -না দা পা -মগা II
র চি ম ম ফা • • • ল্ গু নী ••

II র্সজ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা র্ঋা জ্ঞা -া I র্ঋা র্মজ্ঞা -া -র্ঋা -র্সা -া I
কি• ছু প লা শে র্ নে শা• • • • •

I র্সর্মা র্মা জ্ঞা জ্ঞা জ্ঞর্ঋা -জ্ঞা I র্ঋা র্সা -া -া -া -া I
কি• ছু বা চাঁ পা য়্ মে শা • • • •

I { র্সা -জ্ঞা জ্ঞা র্ঋা র্ঋা র্সা I ণর্সা র্সণা -া -দা -া -পা I
তা ই দি য়ে সু রে সু• রে • • • •

I মা দা দা ণা র্সা -ঋ্র্সা I ণা র্সা -া -া (-দা -ণা)} I -া -া I
র ঙে র সে আ ল্ বু নি • • • • • •

I পা ণা ণা ণদা পা -দা I -মা -পা -দা দপা মগা -া II
র চি ম ম ফা • • • ল্ গু নী• •

II {সা ঋা মা মা মা মা I মা মা মা মা মা -পা I
যে টু কু কা ছে তে আ সে ক ণি কে র্

I গা মা -গা মা গমা -পদা I -মপা -া -া -া -া -া I
ফাঁ কে • ফাঁ কে• •• •• • • • • •

I দা র্সা র্সা ঋ্র্সা ঋর্সা -া I ণা র্সা ণা দা পা -মা I
চ কি ত ম নে র্ কো ণে স্ব প নে র্

I পা পদা -ণা ণদা পা -া} I র্সজ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা র্রা -া জ্ঞা I
ছ বি• • আঁ কে • যে• টু কু যা র্ রে

I জ্ঞর্রা র্সজ্ঞা -া -া -ঋ্র্সা -র্সা I র্সা -র্মা র্মজ্ঞা জ্ঞা ঋ্র্সা -জ্ঞা I
দূ• রে• • • • • ভা ব্ না কাঁ পা র্

I জ্ঞঋ্র্সা র্সা -া -া -া -া I {র্সা -জ্ঞা জ্ঞা ঋ্র্সা র্সা -ঋ্র্সা I
সু রে • • • • তা ই নি য়ে যা র্

I ণর্সা র্সণা । -দা -া -পা I মা দা দা ণা র্সা -ঋ্র্সা I
বে• লা • • • • নূ পু রে র ণা ল্

I ণা র্সা -া -া (-দা -ণা)} I -া -া I পা ণা ণা ণদা পা -দা I
গু নি • • • • • • র চি ম ম ফা •

I -মা -পা দা দপা মগা -া II II
• • ল্ গু নী• •

১১

নীলাঞ্জনছায়া, প্রফুল্ল কদম্ববন,
জম্বুপুঞ্জে শ্যাম বনান্ত, বনবীথিকা ঘন সুগন্ধ
মন্থর নব নীলনীরদ- পরিকীর্ণ দিগন্ত।
চিত্ত মোর পন্থহারা কান্তবিরহকান্তারে ॥

II সা -রা | জ্ঞরা -মজ্ঞা -রজ্ঞা -া I ঋা সা | ণ্সা -ণ্া -দ্ণ্া -সণ্া I
নী ॰ লা॰ ॰॰ ॰॰ ন্ জ ন ছা॰ ॰ ॰॰ ॰॰

I সা -া | -া -া -া -া I সঋা -জ্ঞমা | -পদা দপা মা -জ্ঞা I
য়া ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ নী॰ ॰॰ ॰॰ ॰ লা ন্

I ঋা সা | ণ্সা -ণ্া -দ্ণ্া -সণ্া I সা -া | -া -া -া -া ॥ I
জ ন ছা॰ ॰ ॰॰ ॰॰ য়া ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I সদা দা | দপা -া -া দা I পা মা | জ্ঞঋা সা -া -া I
প্র॰ ফুল্ ল ॰ ॰ ক দম্ ব ব॰ ন ॰ ॰

I সা -রা | জ্ঞরা -মজ্ঞা -রজ্ঞা -া I ঋা সা | ণ্সা -ণ্া -দ্ণ্া -সণ্া I
নী ॰ লা॰ ॰॰ ॰॰ ন্ জ ন ছা॰ ॰ ॰॰ ॰॰

I সা -া | -া -া -া -া I র্সা -া | র্ঋর্সা ণা -দা মা I
য়া ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ জ ম্ বু॰ পু ন্ জে

I পা দা | ণা র্সা -া র্সা I র্সা র্সা | ণা -দা দপা দা I
শ্যা ম ব না ন্ ত ব ন বী ॰ থি কা

I দণা দা | পমা পমা পা -সা I পা -মা | মদা পা মজ্ঞা মা I
ঘ॰ ন সু॰ গন্ ধ ॰ ম ন্ থ॰ র ন॰ ব

I পা দা | ণা -র্সা র্সা র্সা I দা ণা | র্সা -া র্সর্ঋা র্সা I
নী ল নী ॰ র দ প রি কী র্ ণ॰ চি

I ণদা -ণা | ণর্সা -ণদা -পা -া I দা -পা | দা র্জ্ঞা -র্ঋা র্সা I
গ॰ ন্ ত॰ ॰॰ ॰ ॰ চি ত্ ত মো ॰ র

I ণর্সা -দা | ণা র্সা া র্সা I র্সা -া | ণা দা পা দা I
প॰ ন্ থ হা ॰ রা কা ন্ ত বি র হ

I দণা -দা | মা -জ্ঞা জ্ঞমা -সা II II
কা॰ ন্ তা ॰ রে॰ ॰

ভিন্ন স্বরলিপি

II সা -রা জ্ঞরঃ -মজ্ঞরজ্ঞাঃ | -রজ্ঞা -রজ্ঞঋা জ্ঞঋসা সঋা I ণসা -া -ণ্সণ্ঃ -াঃ
নী • লা• • • • • • • ন্ জ• ন• ছা • • • • •

| -দণ্া দ্া -ণ্া -দ্ণ্সাণ I ণ্সা -া -া -া | -া -া -া -া I
• • • • • • য়া • • • • • • •

I সা -দা -পদপা -ঃমঃ | জ্ঞরা -মজ্ঞরজ্ঞা -রজ্ঞা -রজ্ঞঋা I জ্ঞঋসা সঋা সা -া |
নী • • • • • লা• • • • • • • ন্ জ• ন• ছা •

| -ণ্সণ্ঃ -াঃ -দণ্া -দ্া I ণ্া -দ্ণ্সা ণ্সা -া | -া -া -া -া I
• • • • • • • • • • য়া • • • • •

I ণ্সজ্ঞমা -পদঃ -পদপঃ -ঃমঃ | জ্ঞরমজ্ঞা -রজ্ঞা -রজ্ঞা -রজ্ঞঋা I
নী• • • • • • • • লা• • • • • • • ন্

I জ্ঞঋসা সঋা ণসা -া | -ণ্সণ্ঃ -াঃ -দণ্া -দ্া I -ণ্া -দ্ণ্সাণ ণ্সা -া |
জ• ন• ছা • • • • • • • • • • • য়া •

[পণদা -পদা]
| -া -া -া -া I { সা -সপা পা -া | পা -া -া -া I
• • • • প্র • • ফু ল্ ল • • •

I পদা -া পাঃ -মঃ | মাঃ -জ্ঞঃ মজ্ঞাঃ -ঋঃ I জ্ঞঋা -সা -া -া |
ক• • দ ম্ ব • ব • • ন • • •

| -া -া -া -া } I সা -রা জ্ঞরঃ -মজ্ঞরজ্ঞাঃ | -রজ্ঞা -রজ্ঞঋা জ্ঞঋসা সঋা I
• • • • নী • লা • • • • • • • ন্ জ• ন•

I ণ্সা -া -ণ্সণ্ঃ -াঃ | -দণ্া -দ্া -ণ্া -দ্ণ্সাণ্ I ণ্সা -া -া -া |
ছা • • • • • • • • • • • য়া • • •

| -া -া -া -া I ণ্সজ্ঞমা পদাঃ -পদপঃ -ঃমঃ | জ্ঞরমজ্ঞঃ -রজ্ঞা -রজ্ঞা -রজ্ঞঋা I
• • • • নী • • • • • • • • জা • • • • • • • ন্

I জ্ঞঋসা সঋা ণ্সা -া | -ণ্সণ্ঃ -াঃ -দণ্া -দ্া ণ্া -দ্ণ্সাণ্ ণ্সা -া |
জ • ন • ছা • • • • • • • • • • • য়া •

| -া -া -া -া I সর্সা -া র্সঋর্সা ণদা | -পদমা মা পা দপদা I
• • • • জ ম্ বু • • পু • • ন্ জে জ্যা ম • •

I ণদণা ণর্সা -া র্সা | -া -া -া -দা I দণা র্সঋর্সা ণদা -পদমা |
ব • • মা • ন্ ত • • • • জম্ বু • • পু • • ন্

| মা পা দা ণদণা I ণর্সা -া র্সা -া | -া -া -া -া I
জে জ্যা ম ব • • মা ন্ ত • • • • •

I { দণর্সা র্সঋর্সা র্সণা -দণদাপ | পা দা দণদা দমা I মজ্ঞা জ্ঞমজ্ঞা মজ্ঞমা -জ্ঞমসা |
ব • ন • • বী • • • থি কা ঘ • • ন • সু • গ • ন্ ধ • • •

| -া -া -া -া } I সা -রা জ্ঞরঃ -মজ্ঞরজ্ঞাঃ | -রজ্ঞা -রজ্ঞঋা জ্ঞঋসা সঋা I
• • • • নী • জা • • • • • • • ন্ জ • ন •

I ণ্সা -া -ণ্সণ্ঃ -াঃ | -দণ্া -দ্া -ণ্া -দ্ণ্সাণ্ I ণ্সা -া -া -া |
ছা • • • • • • • • • • • য়া • • •

| -া -া -া -া I ণ্সজ্ঞমা -পদাঃ -পদপঃ -ঃমঃ | জ্ঞরমজ্ঞা -রজ্ঞা -রজ্ঞা -রজ্ঞঋা I
• • • • নী • • • • • • • • জা • • • • • • • ন্

I জ্ঋসা সঋা ণ্সা -া | -ণ্সণ্ঃ -াঃ -দণ্া -দা I -ণা -দণ্সাণ্ ণ্সা -া |
জ • ন • ছা • ••• • • • • ••• য়া •

| -া -া -া -া I { সপা -া পমা জ্ঞমপাম | পমজ্ঞা মজ্ঞমা পা দা I
• • • • ম ন্ থ • য় • ন • ব •• নী ল

I ণদা -ণদণর্সা র্সা র্সা | -া -া -া (-পা) } I -া I ণদা ণদা ণদর্সা -া |
নী • •••• র দ • • • • • প • রি • কী • র্

| র্জ্ঞর্ঋার্স র্সা ণদণাঃ -দণঃ I ণর্সাঃ -ণদণদঃ -পা -া | -া -া -া -া I
ণ • দি গ •• • ন্ ত •••• • • • • • •

I { পা -া দা দজ্ঞর্রা | -র্মজ্ঞর্রজ্ঞর্ঋা জ্ঞর্ঋর্সা র্সণা -দা : ণদা ণর্সা -া র্সা |
চি ত্ ত মো • ••••• য় • প • ন্ থ • হা • রা

| -া -া -া (-পা) } I -া I { ণদাঃ -ণর্সঃ র্সঋর্সা ণদাপ | পা দা দণা -দাম I
• • • • • কা • • ন্ ত •• বি • য় হ কা • ন্

I মা -জ্ঞা মজ্ঞমা -জ্ঞমসা | -া -া -া -া } I সা -রা জ্ঞরঃ -মজ্ঞরজ্ঞাঃ |
তা • য় • •• • • • • নী • লা • ••••

| -রজ্ঞা -রজ্ঞঋা জ্ঞঋসা সঋা I ণ্সা -া -ণ্সণ্ঃ -াঃ | -দণ্া -দা -ণা -দণ্সাণ্ I
• • ন্ জ • ন • ছা • ••• • • • • • •••

I ণ্সা -া -া -া | -া -া -া -া I ণ্সজ্ঞমা -পদাঃ -পদপঃ -ঃমঃ |
য়া • • • • • • • নী ••• •• •• •

| জ্ঞরমজ্ঞা -রজ্ঞা -রজ্ঞা -রজ্ঞঋা I জ্ঞঋসা সঋা ণ্সা -া | -ণ্সণ্ঃ -াঃ -দণ্া -দা I
লা ••• •• • • ন্ জ • ন • ছা • ••• • • •

I -ণ্সা -দ্ঋাস সা -া | -া -া -া -া II II
•• •• য়া • • • • •

১২

আজি সাঁঝের যমুনায় গো
তরুণ চাঁদের কিরণতরী কোথায় ভেসে যায় গো ॥
তারি সুদূর সারিগানে বিদায়স্মৃতি জাগায় প্রাণে
সেই-যে দুটি উতল আঁখি উছল করুণায় গো ॥
আজ মনে মোর যে সুর বাজে কেউ তা শোনে নাই কি।
একলা প্রাণের কথা নিয়ে একলা এ দিন যায় কি।
যায় যাবে, সে ফিরে ফিরে লুকিয়ে তুলে নেয় নি কি রে
আমার পরম বেদনখানি আপন বেদনায় গো ॥

II { সা -া রা রা | মজ্ঞা -রা সা রা I সা -জ্ঞা -া -রা | সা (-া -রা -ন্া) } I -া -া -া I
আ ০ জি সাঁ ঝে০ র্ য মু না ০ ০ য়্ গো ০ ০ ০ ০ ০ ০

I পা -া না না | র্সা -া র্সা র্রা I র্সা -া ণা ধা | র্সণা -ধা পা -া I
ত ০ রু ণ চাঁ ০ দে র কি ০ র ণ ত০ ০ রী ০

I গা -া মা -া | -া -া পা ধা I ধপা -া -ণা -ধা | পমজ্ঞা -া -া -রা II
কো ০ থা ০ ০ য়্ ভে সে যা ০ ০ য়্ গো ০ ০ ০ ০

II র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা র্রা | র্জ্ঞা -া -া -া I . র্রা -র্ম র্জ্ঞা র্জ্ঞর্রা | র্মর্জ্ঞা -া র্ঋা -র্সা I
তা ০ রি সু দূ ০ ০ র্ সা ০ রি গা০ নে০ ০ বি ০

I র্ঋা -া র্সা -া | র্ঋা -া র্সা -া I র্ঋা -া র্সা -না | র্সা -া -া -া I
দা য়্ স্মৃ ০ তি ০ জা ০ গা য়্ প্রা ০ ০ ণে ০ ০ ০

I পা -ধা ণা -া | -া -া ণা ণা I ণা -র্রা র্সা র্সা | ণা -ধা পা -া I
সে ই যে ০ ০ ০ দু টি উ ০ ত ল আঁ ০ খি ০

I পা -ধা ধপা মা | গা -মা পা -া I পা -র্সা -া -া | মজ্ঞা -া -রা -সা I
উ ০ ছ ল ক ০ রু ০ ণা ০ ০ য়্ গো ০ ০ ০

I গা -া মা -া | -া -া মা মা I মা -পা পা পা | পা -ন্মা ধপা -া I

সে ই যে ° ° • ছু টি উ : ত ল আঁ • খি° •

I সা -া সা সা | রা -সা রা -া I রা -পা -মা -পা | মজ্ঞা -া -রা -সা II

উ ° ছ ল ক • রু ° ণা ° ° য়্ গো • ° °

II { পা -না না না | র্সা -া র্সা -র্রা I র্ধা -র্সা ণা -ধা | পা -া -া -া I

আ জ্ ম নে মো র্ যে ° সু র্ বা ° জে ° ° °

I সা -া রা -া | -া -া রা সা I রপা -মপা মজ্ঞা -া | -া -া -া -া I

কে উ তা • ° • শো নে না° •ই কি • ° • • °

I মা -পা পা পা | পা -া পধা মা I পা -ধা ণা -া | -া -া -া -া I

এ ক্ লা প্রা ণে র্ ক° থা নি ° য়ে ° • • • •

I ধা -র্সা ণা ধা | পা -া পধা ধমা I পা -ধা ণা -া | -া -া -া -ধা I

এ ক্ লা প্রা ণে র্ ক• থা নি • য়ে • • • • •

I পা -ধপা পগা মা | পা -া -র্সা -রা I মজ্ঞা -রা সা -া | -া -া -া -া } I

এ °ক্ লা এ দি • • ন্ যা° য়্ কি • ° • •

I সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা র্রা | র্জ্ঞা -া -া -া I র্রা -র্মা র্মজ্ঞা -র্রা | র্মজ্ঞা -া র্ঋা -র্সা I

যা য়্ যা বে সে • • • ফি • রে ° ফি° • রে °

I র্সা র্ঋা র্সা -া | র্ঋা -া র্সা -া I র্সা -র্ঋা র্সা -া | ণা -দা পা -া I

লু কি য়ে • তু • লে • নে য়্ নি • কি • রে •

I পা -ধা ধা -ণা | -া -া -া -া I ণা -র্রা র্সা র্সা | র্সা -ণা ণা ধা I

আ • মা • • • • র্ প • র ম বে • দ ন

I র্সণা -ধা পা -া | -া -া -া -া I পা -ধা ধপা মা | গা -মা পা -া I
খা॰ • নি ॰ • • • • আ ॰ প ন বে • দ •

I পা -র্সা -া -া | জ্ঞা -া -রা -সা I গা -া মা -া | -া -া -া -া I
না • • য়্ গো • • • আ • মা • • • • র্

I মা -পা পা পা | পা -া পা হ্মা I পা -হ্মা ধপা -া | -া -া -া -া I
প • র ম বে • দ ন খা ॰ নি॰ • • • • •

I সা -া সা সা | রা -া রা -সা I রা -পা -মা -পা | মজ্ঞা -া -রা -সা II II
আ • প ন বে ॰ দ • না • ॰ য়্ গো • • •

সকাল-বেলার কুঁড়ি আমার বিকালে যায় টুটে,
মাঝখানে হায় হয় নি দেখা উঠল যখন ফুটে ॥
ঝরা ফুলের পাপড়িগুলি ধুলো থেকে আনিস তুলি,
শুকনো পাতার গাঁথব মালা হৃদয়পত্রপুটে ॥
যখন সময় ছিল দিল ফাঁকি—
এখন আন্ কুড়ায়ে দিনের শেষে অসময়ের ছিন্ন বাকি।
কৃষ্ণরাতের চাঁদের কণা আঁধারকে দেয় যে সান্ত্বনা
তাই নিয়ে মোর মিটুক আশা— স্বপন গেছে ছুটে ॥

[ধা -র্সা ণা -া ণা -দা দা -া -পা পা -া
II মা -া | পা -দা মা -পা I পমা -া | জ্ঞা -রা সা -রা I
স • কা ল্ বে • লা র্ কুঁ • ড়ি •

ক্ষা -পা -মা -জ্ঞা] ॥
I ণ্া -সা | -জ্ঞা -মা -পা -মা I পা -া | -া -া -া -া I
আ • ০ • • • মা • • • • র্

I পা -া | পা দা দপা -া I মা -পা | পা -মা মা -া I
বি • কা • লে • যা য়্ টু • টে •

I রা -মা | মা -জ্ঞা জ্ঞা -া I জ্ঞা -া | জ্ঞা -া জ্ঞা -রা I
যা য়্ টু • টে • মা ঝ্ খা • নে •

I মজ্ঞা -া | জ্ঞা -রা সা -রা I ন্া -া | -া সা -া -া I
হা • য়্ হ য়্ নি • দে • • খা • •

I ণ্া -া | সা -জ্ঞা জ্ঞা -মা I মা -পা | পা -া পা -ধা I
উ ঠ্ ল ০ ষ • খ ন্ ফু • টে •

I -ধপা -া | -র্সা -ণা -া -া I [ ] I
• • ০ • ০ •

II { পা -া | পা -া পমা -পা I পমা -া | -জ্ঞা -া -া -মা I
ঝ ০ রা • ফ • লে • • ০ • র্

I পা -না | না -া না -র্সা I র্সা -া | -া -া -া -া I
পা প্ ড়ি • গু • লি • ০ • • •

I র্সা -না | র্সা -জ্ঞা জ্ঞা -র্রা I র্মজ্ঞা -া | র্ঋা -া র্সা র্ঋা I
ধু • লো • থে • কে • ০ আ ০ নি স্

I না -া | -া র্সা -া -া } I না -র্রা | র্সা -া র্সা -ণা I
তু • • লি • • • শু ক্ নো • পা •

I ণা -া | দা -া পা -দা I. দজ্ঞা -পা | -মা -জ্ঞা -পা -মা I
তা র্ গাঁ থ্ ব ০ মা • • ০ • •

I পা -া | -া -া -া -দা I মা -া | পা -দা মা -পা I
লা • • ০ • • হৃ ০ দ য়্ প ত্

I পমা -া | জ্ঞা -রা সা -া I -ণ্া -সা | -জ্ঞা -মা -পা -ধা I
ত্র • পু • টে • • • ০ • • •

I -ধপা -া | -র্সা -ণা -া -া I [ ] I
০ • • • • •

II { -া -া | -া সা সা -া I সা -জ্ঞা | জ্ঞা -া জ্ঞা -রা I
০ • • য খ ন্ স • ম য়্ ছি ০

I জ্ঞা -া | রা -া সা -ন্া I সা -রা | জ্ঞা -া -া -া I
ল • দি • ল • ফাঁ ০ কি • • •

I -া -া | -া জ্ঞা জ্ঞা -মা I মা -পা | পা -া পা -া I
• • • এ খ ন্ আ ন্ কু ০ ড়া •

I মপা -া | -মা -জ্ঞা -া -মা I মা -পা | পা -া পা -া I
য়ে০ • • • • • দি ০ নে র্ শে •

I পা -া | -া -া -া -া I পা -র্সা | র্সা -া ণা -া I
ষে • • • • • অ • স ০ •

I দা -া | পা -া দা -পা I পমা -া | -পদা -পা মজ্ঞা -া } I
য়ে র্ ছি ন্ ন ০ বা • •• • কি •

I { পা -া | পা -া পমা -পা I মজ্ঞা -া | -া -া -া -মা I
কু য ণ • রা • তে ০ • • • র্

I পা -না | না -া না -র্সা I র্সা -া | -া -া -া -া I
চাঁ • দে র্ ক • ণা • • • • •

I র্সা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞা -া র্জ্ঞা -র্রা I র্মর্জ্ঞা -া | র্ঋা -া র্সা -া I
আঁ • ধা র্ কে • দে০ য়্ যে • সা ন্

I না -া | র্সা -া র্সা -র্ঋা I র্সা -া | ণা -া -া -া } I
ত্ব • না • সা ন্ ত্ব ০ না • • •

I ধা -র্সা | র্সণা -া ণা -া I দা -া | দা -পা পা -া I

তা ই নি • য়ে • মো র্ মি • টু ক্

I হ্মা -পা | -মা -জ্ঞা -পা -মা I পা -া | -া -া -া -া I

আ • • • • • শা ◦ • • • ◦

I মা -া পা -দা মা -পা I মা -া | জ্ঞা -রা সা -া I

স্ব • প ন্ গে • ছে • ছু • টে •

I -ণ্া -সা | -জ্ঞা -মা -পা -ধা I ধপা -া | -র্সা -ণা -া -া II [ ] II

১৪

সে যে মনের মানুষ, কেন তারে বসিয়ে রাখিস নয়নদ্বারে ?
ডাক্‌-না রে তোর বুকের ভিতর, নয়ন ভাসুক নয়নধারে ॥
যখন নিববে আলো, আসবে রাতি, হৃদয়ে দিস আসন পাতি—
আসবে সে যে সঙ্গোপনে বিচ্ছেদেরই অন্ধকারে ॥
তার আসা-যাওয়ার গোপন পথে
সে আসবে যাবে আপন মতে।
তারে বাঁধবে ব'লে যেই করো পণ সে থাকে না, থাকে বাঁধন—
সেই বাঁধনে মনে মনে বাঁধিস কেবল আপনারে ॥

সা ন্‌া II সা -জ্ঞা জ্ঞা | -া জ্ঞা -রা I মজ্ঞা -া -া | -রা -সা -া I
সে যে ম ০ নে র্‌ মা ০ নু ০ ০ ০ ০ ০ ষ্‌

॥
I সজ্ঞা জ্ঞা -া | রা সা -া I সরা সা ন্‌া | ন্‌া সা -া I
কে ০ ন ০ তা রে ০ ব ০ সি য়ে রা খি স্‌

I সা -পা পা | -ধা মা -পা I মজ্ঞা -া -া | রা সা -ন্‌া I
ন ০ য় ন্‌ দ্বা ০ রে ০ ০ ০ সে যে ০

I সা -জ্ঞা জ্ঞা | -া জ্ঞ: রা I মজ্ঞা -া -া | -া -রা -সা I
ম ০ নে র্‌ মা ০ নু ০ ০ ০ ০ ০ ষ্‌

I ন্‌া -া ন্‌া | ন্‌া প্‌া -ন্‌া I ন্‌া সা -া | ন্‌া সা -া I
ডা ক্‌ না রে তো র্‌ বু কে র্‌ ভি ত র্‌

I সপ: পা -া | পমা পা -ধা I ধমা -পা মা | -া জ্ঞা -রা I
ন ০ য় ন্‌ ভা সু ক্‌ ন ০ য় ন্‌ ধা ০

I মজ্ঞা -া -া | রা সা -ন্‌া II
রে ০ ০ ০ "সে যে ০"

II -া -া -া | গা গা -মা I মা -পা পা | -া পা -া I
• • • য খ ন্ নি ব্ বে • আ •

I পা -া -া | গা গা -মা I মা -পা পা | পা পা -র্সা I
লো • • য খ ন্ নি ব্ বে আ লো •

I পর্সা -া ণা | ধা পা -া I -া -া -া | -া -া -র্সা I
আ স্ বে রা তি • • • • • • •

I র্সা র্সণা -া | ধা পা -ধপা I মা গা -া | মা পা -ধপা I
হৃ দ • য়ে দি •স্ আ স ন্ পা তি ••

I মা -পা -মা | -জ্ঞা -া -া I রা -া জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I
য়ে • • • • • আ স্ বে সে যে •

I রা -া জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I রা -মা জ্ঞা | রা সা -ন্া I
স ঙ্ গো প নে • বি চ্ ছে দে রি •

I সা -জ্ঞা জ্ঞা | -া জ্ঞা -রা I মজ্ঞা -া -া | রা সা -ন্া II
অ ন্ ধ • কা • রে • • • "সে যে •"

II -া -া -া | -া গা -া I {গা গা -া | গা গা -া I
• • • • তা র্ আ সা • যাও য়া র্

I সা -গা গা | -া মা -গা I মা -া -া | -া মা -পা I
গো • প ন্ প • থে • • • সে •

I মা -পা পমা | -া জ্ঞা -রা I মজ্ঞা -া -া | -া -া -রা I
আ স্ বে • যা • বে • • • • • •

I সা -র্‌া জ্ঞা | -মা মজ্ঞা -র্‌া I সা -া -া | -া (গা -া)} I গা মা I
আ • প ন্ ম • তে • • • তা র্ তা রে

I মা -পা পা | পা পা -র্সা I ণর্সা -া ণা | ধা পা -া I
বাঁ ধ্ বে ব লে • যে• ই ক র প •

I -া -া -া | -া -া -র্সা I র্সা -া ণা | ধা পা -া I
• • • • • ণ সে • থা কে না •

I মা গা -া | মা পা -ধপা I মা -পা -মা | -জ্ঞা -া -া I
থা কে • বাঁ ধ •ন্ রে • • • • •

I সা -জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞরা জ্ঞা -া I রা জ্ঞা -া | রা জ্ঞা -া I
সে ই বাঁ ধ নে • ম নে • ম নে •

I রমা মজ্ঞা -া | রা সা -ন্‌া I সা -জ্ঞা জ্ঞা | -া রা -া I
বাঁ• ধি স্ কে ব ল্ আ • প • না •

I মজ্ঞা -া -া | রা সা -ন্‌া II II
রে• • • "সে যে •"

তোমার বীণা আমার মনোমাঝে
কখনো শুনি, কখনো ভুলি, কখনো শুনি না যে ॥
আকাশ যবে শিহরি উঠে গানে
গোপন কথা কহিতে থাকে ধরার কানে কানে—
তাহার মাঝে সহসা মাতে বিষম কোলাহলে
আমার মনে বাঁধনহারা স্বপন দলে দলে ।
হে বীণাপাণি, তোমার সভাতলে
আকুল হিয়া উন্মাদিয়া বেসুর হয়ে বাজে ॥
চলিয়েছিনু তব কমলবনে,
পথের মাঝে ভুলালো পথ উতলা সমীরণে ।
তোমার সুর ফাগুনরাতে জাগে,
তোমার সুর অশোকশাখে অরুণরেণুরাগে ।
সে সুর বাহি চলিতে চাহি আপন-ভোলা মনে
গুঞ্জরিত-ত্বরিত-পাখা মধুকরের সনে ।
কুহেলি কেন জড়ায় আবরণে —
আঁধারে আলো আবিল করে, আঁখি যে মরে লাজে ॥

II সা রা মা | পমা -পা I ণদা -া -া | -া -া I
তো মা র বী • • ণা• ° • • •

I পা পণা ণা | দা দপা I ণদা -া পা | -া -া I
আ মা· র ম নো• মা· ° ঝে • •

I দা দর্সা ণা | র্সা র্সা I ণা ণর্সা র্সণা | দপা মজ্ঞা I
ক খ • নো শু নি ক খ • নো ভু • লি •

I মা পা পণা | ণদা মপা I মজ্ঞা -া -ঋা | সা -া II
ক খ নো· শু নি • না • • • যে •

II দা দা -া | না সা I সঋা ঋা ঋা | ঋা [illegible]
আ কা শ্ য বে শি০ হ রি উ ঠে

I র্সর্ঋা -া -না | র্সা -া I সা রা -মা | মা মা I
গা০ ০ ০ নে ০ গো প ন্ ক থা

I পা পা পা | দা দা I দা দা -র্সা | র্সা র্সা I
ক হি তে থা কে ম রা র্ কা নে

I ণর্সা -র্ঋর্সা -ণর্সা | ণা -দা I র্জ্ঞা র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্রা র্জ্ঞা I
কা০ ০০ ০০ নে ০ তা হা র মা ঝে

I র্রা র্রা র্জ্ঞা | র্রা র্জ্ঞা I র্জ্ঞর্মা র্মা র্মা | র্জ্ঞর্রা র্জ্ঞর্রা I
ন ছ না মা তে বি০ ন ম কো০ লা০

I র্মর্জ্ঞা -র্ঋা -া | র্সা -া I র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা -া | র্জ্ঞর্রা র্জ্ঞা I
হ০ ০ ০ লে ০ আ০ মা র্ ম০ নে

I র্জ্ঞর্মা র্মর্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্ঋা র্সা I ণা র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্ঋা র্সা I
বাঁ০ ধ ন হা রা স প০ ন দ লে

I র্সণা -র্সর্ঋর্সা -ণর্সা | ণা -দা I দা দা দা | দপা -দা I
দ ০০০ ০০ লে ০ হে বী ণা পা০ ০

I দর্সা -া -া | -া -া I সা রা মা | মা মা I
ণি০ ০ ০ ০ ০ তো মা র স ভা

I পমা -পা পদা | -া -া I দা দর্সা র্সনা | র্সা র্সর্ঋা I
ত০ ০ লে০ ০ ০ আ কু০ ল হি য়া০

I ণর্সা -ণা ণদা | দা পা I পণা ণা ণদা | দা পা I
উ• ন্ মাং দি য়া বে• সু র• হ য়ে

I গর্মা -পদা দপা | -া -া II
ব• •• জে • •

II সা সা রা | জ্ঞরা -জ্ঞা I মা -া -া | -া -া I
চ লি তে ছি• ০ সু • • • •

I জ্ঞা জ্ঞদা দা | দপা পা I পা -া মপা | -া -া I
ত ব• ক ম• ল ব • নে• • •

I জ্ঞা পা পা | দা ণর্সা I পণা ণা দপা | মা -পা I
প থে র মা ঝে• ভু• লা লো• প থ্

I মা মণা ণদা | পা মা I জ্ঞঋা -া -া | সা -া I
উ ত• লা• স মী র• • • ণে •

I দা দা -া | ণা -র্সা I ণা ণর্ঋা র্জ্ঞা | র্ঋা র্সা I
তো মা র সু র্ ফা গু• ন রা তে

I র্সর্ঋা -া -ণা | র্সা -া I সা রা রমা | মা -া I
জা• • • গে • তো মা র• সু র্

I পা পা পা | পা পদা I দা দর্সা র্সা | র্সা র্সা I
অ শো ক শা খে• অ রু• ণ রে ণু

I ণর্সা -র্ঋর্সা -ণর্সা | ণা -দা I র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া | র্রা র্জ্ঞা I
রা• •• •• গে • সে সু র্ বা হি

I র্া র্া জ্ঞ্া | র্া জ্ঞ্া I র্া র্র্মা র্মা | জ্ঞ্র্া জ্ঞ্া I
চ লি তে চা হি আ প· ন ভো· লা

I জ্ঞ্া -ঋ্া -া | র্সা -া I র্সা -র্মা র্মা | জ্ঞ্র্া জ্ঞ্া I
ম · · নে · শু ন্ ত রি · ত

I জ্ঞ্র্মা জ্ঞ্া জ্ঞ্া | ঋ্া র্সা I ণা ণজ্ঞ্া জ্ঞ্া | ঋ্া র্সা I
স্ব · রি ত পা খা ম ধু · ক ·র র

I ণা -র্সঋ্র্সা -ণর্সা | ণা -দা I দা দা দা | দপা -দা I
স · · · · · নে · কু হে লি কে· ·

I দর্সা -া -া | -া -া I সা রা -মা | পা পা :
স · · · · · ক ভা য় আ র

I পমা -পা ণদা | -া -া I দা দর্সা ণা | র্সা র্সঋ্া I
র · · ধে · · · আঁ ধা· রে আ লো·

I ণা র্সা ণা | দা পা I পণা ণা ণা | দা পা I
আ বি ল ক রে আঁ· খি ·ষে ম রে

I গমা -পদা দপা | া -া II II
লা· · · জে · ·

চপল তব নবীন আঁখি ছুটি
সহসা যত বাঁধন হতে আমারে দিল ছুটি ॥
হৃদয় মম আকাশে গেল খুলি,
সুদূরবনগন্ধ আসি করিল কোলাকুলি।
ঘাসের ছোঁওয়া নিভৃত তরুছায়ে
চুপিচুপি কী করুণ কথা কহিল সারা গায়ে।
আমের বোল, ঝাউয়ের দোল, ঢেউয়ের লুটোপুটি-
বুকের কাছে সবাই এল জুটি ॥

II { পা পর্সা সণা | ধপা -ধা I পা -া -া | -া -া I
চ প০ ল ত০ ০ ব ০ ০ ০ ০

I (পা ধা ণা | র্সা -র্রা I র্ধা -র্সা ণধা | সণা -ধা) } I
ন বী ন আঁ ০ খি ০ ছু০ টি০ ০

I পণা ণা ণা | ণা ণা I ণধা ধা ণধা | পা মা I
স০ হ সা য ত বাঁ ধ ন০ হ তে

I গমা -পধণা ণধা | পা -া I পা -ধা ণা | র্সা -র্রা I
আ০ ০০০ মা রে ০ দি ০ ল ছু ০

I ণা -র্সা -ণা | -ণধা -ণধা II
টি ০ ০ ০ ০০

II মা পা পা | পা পধা I দসা -দণা ণধা | পা -া I
হৃ দ য় ম ম০ আ ০০ কা শে ০

I পা -ধা ণা | র্সা -র্রা I রণা -র্সা -ণা | -ধা -ণা I
গে ০ ল খু ০ লি ০ ০ ০ ০

I ধর্সা র্সণা ধা | পা মা I পা -ধণা ণধা | পা -া I
হৃ৹ দ য় ম ম আ ৹৹ কা শে ৹

I পনা না না | না না I না -র্সা র্সা | র্সনা র্সা I
সু৹ দূ র ব ন গ ন্ ধ আ নি

I নর্সা র্সা পা | পা -ধা I ণা -ধর্সা র্র্সা | র্সা -ণা I
ক৹ রি ল কো ৹ লা ৹৹ কু লি ৹

I ণা ধা পা | পা -ধা I দপা -ধণা ণধা | পা -া I
ক রি ল কো ৹ লা ৹৹ কু লি ৹

I সা রা রা | রা রপা I মপা পা মা | মা মগা I
ঘা সে র ছোঁ ওয়া নি৹ ভৃ ত ত রু৹

I গরগা -মগা -রগা | গরা -া I রা গা মা | পা পধা I
ছা৹ ৹৹ ৹৹ য়ে ৹ চু পি চু পি কী৹

I মপা পা পা | মা গা I মরা -গমা মগা | রা -া I
ক৹ রু ণ ক থা ক ৹৹ হি ল ৹

I রা -মা মা | মা -গা I গরা -গমা গা | রা সা I
সা ৹ রা গা ৹ য়ে ৹৹ ক হি ল

I রা -মা মা | মগা -রগা I গরা া -া | -া -া I
সা ৹ রা গা৹ ৹৹ য়ে ৹ ৹ ৹ ৹

I পনা না না | র্সা -র্রা I ণর্সা র্সণা ধা | পা -ধা I
আ৹ মে র বো ল্ ঝাউ য়ে র দো ল্

I মা র্সা মা | সা র্র্সা I র্সনা সা -া | -া -পা I

ঢেউ য়ে র নূ টো• পু টি • • •

İ পা ধা ণা | র্সা -র্রা I র্রর্ণা -র্সা ণা | ণা -ধা I

বু কে র কা • ছে • স বা ই

I পা -ঃ ধপা | -পা ধা I পা -া -া | -া -া II II

এ ল • জু টি • • • •

১৭

নূপুর বেজে যায় রিনিরিনি।
আমার মন কয়, চিনি চিনি ॥
গন্ধ রেখে যায় মধুবায়ে   মাধবীবিতানের ছায়ে ছায়ে,
ধরণী শিহরায় পায়ে পায়ে,   কলসে কঙ্কণে কিনিকিনি
পারুল শুধাইল, কে তুমি গো,
অজানা কাননের মায়ামৃগ।
কামিনী ফুলকুল বরষিছে,   পবন এলোচুল পরশিছে,
আঁধারে তারাগুলি হরষিছে, ঝিল্লি ঝনকিছে ঝিনিঝিনি ॥

[ধা] ॥
ii পা -র্সা র্সা র্সা | র্সনা ধা পা -মা I মা মা মা -গা | গপা -া -া -া I
নূ • পু র বে জে যা য়্ রি নি রি • নি • • • •

I সা সা রা গা | মা পা ধা না I পা -র্সা র্সা না | ধনা না ধপা -া I
রি নি রি নি রি নি রি নি নূ ০ পু র বে০ জে যা য়্

I মা -া মা -া | মা মা মা -া I মা মা মা -গা | গা -র্গা -া -া I
আ • মা র্ ম ন ক য়্ চি নি চি • নি ০ ০ •

I র্রা -র্সা র্সা র্সা | না ধা পা -মা I মা মা মা -গা | গপা -া -া -া I
নূ ০ পু র বে জে যা য়্ রি নি রি ০ নি • • • ০

I {পা -ক্ষা -ধা পা | পনা ধা না -র্সা I র্সা র্সর্গা র্রা -র্সনা | র্সা -া -া -া I
গ • ন্ ধ রে খে যা য়্ ম ধু০ বা •• য়ে • • •

I সা -া রা গা | মা পা ধা না I নধা না নর্সা র্সনা | ধপা -া -া (-ক্ষা)} I -া I
মা ০ ধ বী বি তা নে র ছা য়ে ছা• • য়ে০ • ০ • •

I র্সা না ধা -পা | পা ক্ষধা পা -মা I মা মা মা -গা | মা -া -া -া I
ধ র ণী ০ শি হ০ রা য়্ পা য়ে পা • য়ে • • •

I সমা মা মা -া | গমা -া মা মা I মা মা মা -গা | গপা -া -া -া I
কু• ল সে ০ ক• ঙ্ ক ণে কি নি কি • নি • • • •

I সা সা রা রা | গা রা গা গা I গা -মা পা -ধা | পা পা মা -া I
কি নি কি নি কি নি কি নি আ • মা র্ ম ন ক য়্

I সমা মা মা -গা | গা -পা -ধা -না I [ ] I
চি• নি চি • নি • • •

II { সা -া রা া | রা গরা গা গা I গমা -ধা পা পা | পমা -া -া -া I
পা • রু ল্ শু ধা• ই ল কে • তু মি গো • • •

I (সমা মা মা -া | মা মা মা -গা I রা পা পা -স্মা | ধপা -া -ধা -না I
অ• জা না • কা ন নে র্ মা য়া মৃ • গ • • •

I নধা -র্সা র্সা র্সনা | ধা -নধা পা -পা) } I { পা -স্মা ধা পা | না ধা না -র্সা I
কে • তু মি• কে •• তু মি কা ০ মি নী কু ল কু ল্

I র্সা র্সর্গা র্গর্রা -র্সনা | র্সা -া -া -া I সা -া রা গা | মা পা ধা -না I
ব র• ষি •• ছে • • ০ প • ব ন এ লো চু ল্

I নধা না নর্সা র্সনা | ধপা -া -া (-স্মা) } I -া I র্সা না ধা পা | পস্মা ধপা পা পা I
প র শি০ • ছে• • • • • আঁ ধা রে • তা০ রা• গু লি

I মা মা মা গা | পমা -া -া -া I সা -মা মা -া | মা মা মা মা I
হ র ষি • ছে • • • ঝি ল্ লি ০ ঝ ন কি ছে

I মা মা মা -গা | গপা -া -া -া I সা সা রা রা | গা রা গা গা I
ঝি নি ঝি ০ নি• • • • ঝি নি ঝি নি ঝি নি ঝি নি

I গা -মা পা -ধা | পা পা মা -া I মা মা মা -গা | পা -া -ধা -না II [ ] II
আ • মা র্ ম ন ক য়্ চি নি চি ০ নি ০ • •

লিখন তোমার ধুলায় হয়েছে ধূলি,
হারিয়ে গিয়েছে তোমার আখরগুলি ॥
চৈত্ররজনী আজ বসে আছি একা, পুন বুঝি দিল দেখা—
বনে বনে তব লেখনীলীলার রেখা,
নবকিশলয়ে গো কোন্ ভুলে এল ভুলি তোমার পুরানো আখরগুলি
মল্লিকা আজি কাননে কাননে কত
সৌরভে-ভরা তোমারি নামের মতো।
কোমল তোমার অঙ্গুলি-ছোঁওয়া বাণী মনে দিল আজি আনি
বিরহের কোন্ ব্যথাভরা লিপিখানি।
মাধবীশাখায় উঠিতেছে দুলি দুলি তোমার পুরানো আখরগুলি ॥

II সা রা গা | গা -া -রগা I গমা -া -া -া া -া I
লি খ ন তো ০ ০০ মা০ ০ ০ ০ ০ র্

I গা গা -পা | মা গা মগা I গরা গা -া | -া -া -া I
ধু লা য় হ য়ে ছে০ ধূ লি ০ ০ ০ ০

I গা পা পা | র্মা পা -া I পর্মা -পা -া | ধা না -ধপা I
হা রি য়ে গি য়ে ০ ছে ০ ০ তো মা ০র্

I পা ধা পা | মা মগা -রসা II
আ খ র গু লি ০০

II পা -া পা | পনা না -া I নর্সা -া -া | -পা পা -া I
চৈ ত্ ত্র র০ জ ০ নী০ ০ ০ ০ আ জ্

I পা না পা | না না -া I নর্সা -া -া | না না -া I
ব সে আ ছি এ ০ কা০ ০ ০ পু ন ০

I না না না | না র্সা -না I নধা -না -ধপা | পা ধা -পা I
বু ঝি দি ল দে ॰ খা ॰ ॰॰ ব নে ॰

I পমা পা -মা | গা গা -মা I পা ধা ণা | ধা ণা -া I
ব নে ॰ ত ব ॰ লে খ নী ল৷ লা য়্

I ধা ণা -া | ধা র্সণা -ধা I পা ধা ণা | ণধা পা -া I
রে খা ॰ ন ব॰ ॰ কি শ ল য়ে গো ॰

I { -া -া -া | -া গা -মা I গা গা -মা | পা পনা -া I
॰ ॰ ॰ ॰ কো ন্ ভু লে ॰ ও ল॰ ॰

I না র্সা -া | না না -া I র্সা র্সা র্সর্গা | র্রা র্সা -না I
ভু লি ॰ তো মা র্ পু রা নো॰ আ খ র্

I ধনা ধপা -া | (ধা র্সণা -ধপা I পা ধা ণা | ণধা পা -া) } I -া -া -া II
গু॰ লি॰ ॰ ন ব॰ ॰॰ কি শ ল য়ে গো ॰ ॰ ॰ ॰

II { সা -গা গা | গা -া গা | গা -া গা | গা গা -মা I
ম ল্ লি কা ॰ আ ঞ্জি ॰ কা ন নে ॰

I রগা -া রা | গা -পা হ্মা I পা -া -া | -া -া -া I
কা ॰ ন নে ॰ ক ত ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I পা -ণা ণধা | ণা -া ধা I ণা -া ধা | র্সণা -ধপা ধপা I
সো উ র ভে ॰ ভ রা ॰ তো মা॰ ॰॰ রি॰

I মগা -া -মা | রা -গা মা I গা -া -া | -া -া -া } I
না॰ ॰ ॰ মে র ম তো ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I পা পা পা | পনা -া -র্সা I র্সা -া -া | -পা -া -া I
কো ম ল তো৹ ৹ ৹ মা ৹ ৹ ৹ ৹ র্

I পা -না না | না না না I না র্সা -া | না না -া I
অ ঙ্ গু লি ছোঁ ওয়া বা ণী ৹ ম নে ৹

I না র্সা -া | না র্র্সা -না I ধনা ধপা -া | -া -া -া I
দি ল ৹ আ ঙ্গি৹ ৹ আ৹ নি৹ ৹ ৹ ৹ ৹

I পা ধা ণা | -র্রা র্সা -া I ধর্সা র্সণা ণা | ণা ণা ধা I
বি র হে র্ কো ন্ ব্য৹ থা ৹ রা লি পি

I পধা ধপা -া | -া -া া I সা রা গা | গা -া -রগা I
আ৹ নি ৹ ৹ ৹ ৹ মা ধ বী শা ৹ ৹৹

I গমা -া -া | -া -া -া I গা মা পা | না না না I
খা৹ ৹ ৹ ৹ ৹ য়্ উ ঠি তে ছে দু লি

I না র্সা -া | না না -া I নর্সা র্সা র্সর্গা | র্গর্রা র্সা -না I
দু লি ৹ তো মা র্ পু রা নো৹ আ থ র্

I ধনা ধপা -া | -া -া -া II II
গু৹ লি৹ ৹ ৹ ৹ ৹

কেন রে এতই যাবার ত্বরা --
বসন্ত, তোর হয়েছে কি ভোর গানের ভরা ॥
এখনি মাধবী ফুরালো কি সবই, বনছায়া গায় শেষ ভৈরবী—
নিল কি বিদায় শিথিল করবী বৃন্তঝরা ॥
এখনি তোমার পীত উত্তরী দিবে কি ফেলে
তপ্ত দিনের শুষ্ক তৃণের আসন মেলে।
বিদায়ের পথে হতাশ বকুল কপোতকূজনে হল যে আকুল,
চরণপূজনে ঝরাইছে ফুল বসুন্ধরা ॥

II সা ঋা সা | ণ্া ণ্া -া I প্া প্া -দ্া | ণ্া সা -ঋা I
কে ন রে এ ত ই যা বা র্ ত্ব রা ∘

I ঋণ্া -জ্ঞঋা -া | সা -া -া I সজ্ঞা জ্ঞা -া | রা জ্ঞা -া I
কে ∘ ∘ ∘ ন ∘ ∘ ব ∘ স ন্ ত তো র্

I রা রা জ্ঞা | জ্ঞরা মজ্ঞা -া I -সা -া -া | -ঋা -জ্ঞা -মা I
হ য়ে ছে কি ভো∘ ∘ ∘ ∘ ∘ ∘ ∘ র্

I জ্ঞা সজ্ঞঋা -া | সা দা -ণ্া I সা -জ্ঞঋা -া | সা -া -া II
গা নে∘ ∘ র্ ভ রা ∘ কে ∘ ∘ ∘ ন ∘ ∘

II { সা মা মা | মা -া মপা I পমা -দা -া | -া -া -া I
এ খ নি মা ∘ ধ ∘ বী ∘ ∘ ∘ ∘ ∘

I পা পা মা | জ্ঞা -রা জ্ঞরা I মজ্ঞা -া -া | -া -া -ঋসা } I
ফু রা লো কি ∘ স ∘ বি ∘ ∘ ∘ ∘ ∘ ∘ ∘

I সা সজ্ঞা জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I -া -া -া | -া -া -া I
ব ন ॰ ছা য়া গা ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ য়্

I সা -ঋা ঋা | -া ঋা জ্ঞা I দ্া দ্া ণ্া | ণ্া -া -দ্ণ্সা I
শে ষ্ ভ ই র বী নি ল কি বি ॰ ॰॰॰

I সা -া -া | -া -া -া I সা সঋা ঋা | ঋা ঋা জ্ঞা I
দা ॰ ॰ ॰ ॰ য়্ শি খি ॰ ল ক র বী

I সা -জ্ঞা ঋা | সা সদ্া -ণ্া I সা -জ্ঞঋা -া | সা -া -া II
বৃ ন্ ত ঝ রা॰ ॰ কে ॰॰ ॰ ন ॰ ॰

II { সা সা সা | সা সা -ঋা I জ্ঞা মা মা | -া মণা ণদা I
এ খ নি তো মা র্ পী ত উ ত্ ত ॰ রী

I পা মা জ্ঞা | জ্ঞা -া -রা I মজ্ঞা -া -া | -মা -পা -া I
দি বে কি ফে ॰ ॰ লে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I জ্ঞা -া জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I দ্া -া দ্া | ণ্া সা -ঋা I
ত প্ ত দি নে র্ শু ষ্ ক তৃ ণে র্

I জ্ঞা জ্ঞমা মজ্ঞা | ঋা -া -জ্ঞঋা I সা -া -া | -া -া -া } I
আ স ॰ ন মে ॰ ॰॰ লে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I পা পা পা | -া পা পা I পা পা -া | পা দা -র্সা I
বি দা য়ে র্ প থে হ তা শ্ ব কু ল্

I ণা ণা ণা | ণপা -ণা দপা I মা -া -া | -পা -দা -া I
ক পো ত কৃ ॰ জ ॰ নে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

মপা   পমা   জ্ঞা | রা   জ্ঞা   -া I জ্ঞমা   মা   পমা | জ্ঞা   -া   রা
হ •   ল •   যে   আ   কু   ল্   চ •   র   ণ •   পু   ০   জ

জ্ঞা   -া   -া | -া   -ঋা   -সা I সা   সজ্ঞা   -া | রা   জ্ঞা   -মা
নে   •   •   •   ০   •   ঝ   রা ০   ই   ছে   ফু   ল্

সজ্ঞা   জ্ঞঋা   -া | সা   ণ্দ্া   -ণ্া I সা   -জ্ঞঋা   -া | সা   -া   -া II
ব •   সু   ন্   ধ   রা •   •   কে   • ০   •   ন   •   ০

সেই ভালো সেই ভালো, আমারে নাহয় না জানো।
দূরে গিয়ে নয় দুঃখ দেবে, কাছে কেন লাজে লাজানো॥
মোর বসন্তে লেগেছে তো সুর, বেণুবনছায়া হয়েছে মধুর—
থাক্-না এমনি গন্ধে-বিধুর মিলনকুঞ্জ সাজানো॥
গোপনে দেখেছি তোমার ব্যাকুল নয়নে ভাবের খেলা।
উতল আঁচল, এলোথেলো চুল, দেখেছি ঝড়ের বেলা।
তোমাতে আমাতে হয় নি যে কথা মর্মে আমার আছে সে বারতা—
না-বলা বাণীর নিয়ে আকুলতা আমার বাঁশিটি বাজানো॥

II { পা -র্সা র্ণা | ধা পমা -গা I মা পা -া | -া -া -া I
সে ই ভা লো সে৹ ই ভা লো ৹ ৹ ৹ ৹

I (না -া না | র্সা -া -া I ধা র্সণা -ধা | পা -ধা র্সণা I
আ ৹ মা রে ৹ ৹ না হ৹ য়্ না ৹ জা৹

I ধা -া -া | -পমা -গা -মা) } I র্সা র্সর্মা র্গা | র্রা র্সা -র্রা I
ন ৹ ৹ ৹৹ ৹ ৹ দূ রে৹ গি য়ে ন য়্

I র্রনা -া সা | না র্সা -র্রর্সা I -না -র্সা -া | -া -া -া I
দু ক্ খ দে বে ৹৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹

I না নর্রা র্সা | ণা ধা পা I গা -া মা | পা -ধা -ণা II
কা ছে৹ কে ন লা জে লা ৹ জা নো ৹ ৹

II { মা -ধা ধা | ধা -া না I না র্সা -া | র্সর্রা -র্সনা না I
মো র্ ব স ন্ তে লে গে ৹ ছে৹ ৹৹ তো

I র্সা -া -া | -া -া -া I না র্সা -া | না র্সা -া I
সু ৹ ৹ ৹ ৹ র্ বে ণু ৹ ব ন ৹

I না -া -া | র্সা -া -া I না র্সা -নর্সর্রা | র্র্সা ণা -া I
ছা ॰ ॰ য়া ॰ ॰ হ য়ে ॰ ॰ ॰ ছে ম ॰

I ধা -া -া | -া -া -া } I ণা -া -র্রা | র্র্সা -া -া I
ধু ॰ ॰ ॰ ॰ র্ থা ॰ ক্ না ॰ ॰

I -ণা -া ণা | ধা পা -া I পা -া -ধা | পধা -ণা ধা I
॰ ॰ এ ম নি ॰ গ ॰ ন্ ধে॰ ॰ বি

I পা -া -া | -া -া -া I পা না না | না -র্সা র্সা I
ধু ॰ ॰ ॰ ॰ র্ মি ল ন কু ন্ জ

I গা -া মা | পা -র্সা -া II
সা ॰ জা নো ॰ ॰

II মা মধা ধপা | মগা রা গা I মা -া -ণা | ণা ধা -া I
গো প॰ নে দে॰ ॰ খে ছি ॰ ॰ তো মা র্

I ণা ণা -র্রা | র্র্সা ণা ধা I ধপা পা -ধণা | ণা ধা -া I
ব্যা কু ল্ ন য় নে ভা বে ॰ র্ খে লা ॰

I ধা ধর্সা র্সা | না র্সা -া I না না র্সা | না র্সা -া I
উ ত॰ ল আঁ চ ল্ এ লো খে লো চু ল্

I না না -ধনা | র্সা -া -া I ধা ধর্সা ণা | ধা পা -ধপা I
দে খে ॰ ॰ ছি ॰ ॰ ঝ ড়ে॰ র বে লা ॰ ॰

I মা গা সা | গা -া গা I মা -া -ণা | ণা ধা -া I
গো প নে দে ॰ খে ছি ॰ ॰ তো মা র্

I { মা মণা ণা | ধা ধা না I না -া র্সা | র্সর্রা -র্সনা না I
তো মা॰ তে আ মা তে হ য়্ নি যে • • • ক

I র্সা -া -া : -া -া -া I না -া -া | র্সা -া না I
থা • • • • • ম • র্ মে • আ

I র্সা -া -া | -া -া -া I না নর্রা র্র্সা | র্সধা -র্সা ণা I
মা ॰ ॰ • • র্ আ ছে॰ সে বা • র

I ধা -া -া | -া -া -া } I ণা -র্রা র্র্সা র্সধা -র্সা ণধা I
তা • • • • ॰ না • ব লা • বা•

I পা -া -া | -া -া মগা I গা মা পা | ধা ধা -া I
নী • • • • • র না ব লা বা নী র্

I ধা ধা ধা | ধা ধা ণা I পা পা -ধা ধপা -ধণা ণধা I
নি য়ে আ কু ল তা আ মা র্ বাঁ • • শি

I পা -া -া -া -া -া I পা -না না | র্সা -পা -া I' II
টি • • • • • বা • জা নো • •

দে পড়ে দে আমায় তোরা কী কথা আজ লিখেছে সে।
তার দূরের বাণীর পরশমানিক লাগুক আমার প্রাণে এসে ॥
শস্যখেতের গন্ধখানি একলা ঘরে দিক সে আনি,
ক্লান্তগমন পান্থহাওয়া লাগুক আমার মুক্ত কেশে ॥
নীল আকাশের সুরটি নিয়ে বাজাক আমার বিজন মনে,
ধূসর পথের উদাস বরন মেলুক আমার বাতায়নে।
সূর্য ডোবার রাঙা বেলায় ছড়াব প্রাণ রঙের খেলায়,
আপন-মনে চোখের কোণে অশ্রু-আভাস উঠবে ভেসে ॥

II মা -ধা ধা | পা পা -ধা I মপা [প]মা -া | গা রা -গা I
দে • প ড়ে দে • আ• মা য়্ তো রা •

I -সা -া -া | -া -া -া I রা -া গা | মা পা -ধা I
০ • ০ • • • কী ০ ক থা আ জ্

I গপা [প]মা -া | গা রা -গা I মা -পা -া | -া পা -া I
লি• খে • ছে সে • দে • ০ • তা র্

I { পা পা -ধা | ধা ধা -না I পা পা র্সা | [র্স]না ধপা -া I
দূ রে র্ বা ণী র্ প র শ মা নি • •

I (-া -া -া | -া পা -া) } I -ধা -না -[ন]ধা | -পা -া -া I
০ • • ক্ তা র্ • • • ০ • ক

I পর্সা [র্স]না -া | ধা পা -া I পধা [ধ]পা -া | মগা রা -গা I
লা• গু ক্ আ মা র্ প্রা• ণে • এ • সে •

I মা -পা -া | -া -া -া II
দে • • • • •

-া -া II { পা -া ধর্সা | র্সা র্সা -া I র্সা -না র্রা | র্রা র্সা -া I
• • শ স্ স• খে তে র্ গ ন্ ধ খা নি •

I -া -া -া | -া -পা -া I পা -া ধা | ধা না -া I
• • • • • • এ ক্ লা ঘ রে •

I -া -া -া | -া -া -র্সা I ধা -সা র্সা | না ধপা -া } I
• • • • • • দি ক্ সে আ নি• •

I পা -া দা | পা দা -া I পা -া দা | পা ণদা -পা I
ক্লা ন্ ত গ ম ন্ পা ন্ থ হাও য়া• •

I মা পা -া | পণা ণদা -পা I মা -া দা | দপা মা -গা I
লা গু ক্ আ• মা র্ মু ক্ ত কে শে •

I মা -পা -া | -া -া -া II
দে • • • • •

-া -া II সা -া সা | রা রা -া I রা -া গা | গা গা -া I
• • নী ল্ আ কা শে র্ স্ব র্ টি নি য়ে •

I গমা মা -া | মা মা -া I মা মা -পা | পা পা -া I
বা• জা ক্ আ মা র্ বি জ ন্ ম নে •

I পা পা -দা | দা দা -ণা I পা পা -দা | দা পা -দা I
ধূ স র্ প থে র্ উ দা স্ ব র ন্

I দমা পা -া | পণা ণদা -পা I মা মগা -া | রা সা -া I
মে লু ক্ আ• মা র্ বা তা • য় নে •

I সা -া সা | রা রা -া I রা -া গা | গা গা -া I
নী ল্ আ কা শে র্ স্ব র টি নি য়ে •

I {পা -ধা র্সা | র্সা র্সা -া I র্সা র্সা -নর্রা | র্রা র্সা -া I
সু র্ য ডো বা র্ রা ঙা • • বে লা •

I -া -া -া | -া -পা -া I পা পা -ধা | ধা না -া I
• • • • • য়্ ছ ড়া • ব প্রা •

I -া -া -া | -া -া -র্সা I ধা ধা -নর্সা | র্সনা ধপা -া} I
• • • • • ণ্ র ঙে • র্ গে ০া০ য়্

I পা পা -দা | দা দা -ণদা I দপা পা -দা | দপা পা -দপা I
আ প ন্ ম নে • • চো খে র্ কো ণে • •

I মা -া পা | পা ণদা -পা I মা -া মদা | দপা মগা -া I
অ শ্ শ্রু আ ভা০ স্ উ ঠ্ বে০ ভে সে০ •

I মা -পা -া | -া -া -া II II
দে • • • • •

২২

আমার প্রাণে গভীর গোপন মহা-আপন সে কি,
অন্ধকারে হঠাৎ তারে দেখি ॥
যবে দুর্দম ঝড়ে   আগল খুলে পড়ে,
কার সে নয়ন-'পরে   নয়ন যায় গো ঠেকি ॥
যখন আসে পরম লগন তখন গগন-মাঝে
তাহার ভেরী বাজে।
বিদ্যুৎ-উদ্ভাসে   বেদনারই দূত আসে,
আমন্ত্রণের বাণী   যায় হৃদয়ে লেখি ॥

II সা পা পা | পা -মা | পা -মা I মণা ধা ণা | ধা -া | পা -া I
আ মা র প্রা ০ ণে ০ গ০ ভী র গো ০ প ন্

॥
I সা সা -া | রা -া | রা পা I পমা -রা -া | সা -া | -া -া I
ম হা ০ আ ০ প ন সে ০ ০ কী ০ ০ ০

I মা -পা পা | পা -মা | পা -া I পর্রা র্রা -র্জা | র্রা -া | র্সা -া I
অ ন্ ধ কা ০ রে ০ হ০ ঠা ৎ তা ০ রে ০

I ন্া -া -া | সা -া | -া -া I ন্া সা -া | রা -া | রা পা I
দে ০ ০ খি ০ ০ ০ ম হা ০ আ ০ প ন

I পমা -গমা -রা | সা -া | -া -া II
সে ০০ ০ কী ০ ০ ০

II { না না -া | না -া | সা র্রা I না র্সা -া | -া -া | -া -া I
য বে ০ দু র্ দ ম ঝ ড়ে ০ ০ ০ ০ ০

I না র্সা -না | নর্রা -া | র্সা -পা I পণা পা -া | -া -া | -া -া } I
আ গ ল্ খু০ ০ লে ০ প০ ড়ে ০ ০ ০ ০ ০

I র্রা -া র্রা ¦ র্র্মা -া | র্রা র্সা I র্সর্রা র্সনা -া | না -া | র্সা র্রা I
কা ব্ সে ন• • য় ন প• য়ে• • ন • য় ন

I না -র্সা -পা | -না -া | র্সা -র্রা I র্না র্সা -া | -া -া | -া -া I
যা • • • য্ গো • ঠে কি • • • • •

I সা সা -া | রা -া | রা পা I পমা -রা -া | সা -া | -া -া II
ম হা • আ • প ন সে • • কী • • •

II { ন্া প্া প্া | পন্া -া | ন্া -া I ন্া সা সা | রসা -ন্া | সা -া I
য খ ন আ• ০ সে • প র ম ল• • গ ন্

I ন্া সা -া | রা -া | রা পা I পমা -গমা -রা | সা -া | -া -া I
ত খ ন্ গ • গ ন মা •• • ঝে • • •

I মা পা -া | পা -মা | পা -া I পণা -া -া | পা -া | -া -া I
তা হা র্ ভে ০ রী • বা• • • জে • ০ •

I সা সা -া | রা -া | রা পা I পমা -া -রা | সা -া | -া -া } I
ত খ ন্ গ • গ ন মা ০ • ঝে • • •

I { পা -না না | না -া | না -র্সা I র্সনা র্সা -া | -া -া | -া -া I
বি দ্ দ্যু ত ০ উ দ্ ভা সে ০ • ০ • •

I না র্সা র্সা | র্রা -া | র্সা -র্রা I না র্সা -া | -পা -া | -া -া } I
বে দ না রি ০ দূ ত্ আ সে ০ • • • •

I র্া র্া -া | র্ম্া -া | র্া -র্সা I র্সর্া র্সনা -া | না -া | র্সা -র্া I
আ ম ন্ জ্র • • ণে র্ বা • ণী • • ষা স্থ্ হৃ •

I না -র্সা -পা | -না -া | র্সা -র্া I র্না র্সা -া | -া -া | -া -া I
দ • • • • য়ে • লে খি • • • • •

I সা সা -া ¦ রা -া | রা পা I পমা -রা -া | সা -া ¦ -া -া II II
ম হা • আ • প ন সে • • কি • • •

আপনারে দিয়ে রচিলি রে কি এ আপনারই আবরণ !
খুলে দেখ্‌ দ্বার, অন্তরে তার আনন্দনিকেতন ॥
মুক্তি আজিকে নাই কোনো ধারে,
আকাশ সেও যে বাঁধে কারাগারে,
বিষনিশ্বাসে তাই ভরে আসে নিরুদ্ধ সমীরণ ॥
ঠেলে দে আড়াল ; ঘুচিবে আঁধার— আপনারে ফেল্‌ দূরে-
সহজে তখনি জীবন তোমার অমৃতে উঠিবে পূরে।
শূন্য করিয়া রাখ্‌ তোর বাঁশি,
বাজাবার যিনি বাজাবেন আসি—
ভিক্ষা না নিবি, তখনি জানিবি ভরা আছে তোর ধন ॥

II সা রা মা | পা পা -র্সা I ণর্সা -ণা -া | -দা -পা -দা I
আ প না ˙রে দি ৹ য়ে ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹

I মা পা পা | পা মপা -দপা I মজ্ঞা -া -া | -া -া -া I
র চি লি রে কি৹ ৹৹ এ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹

I মা পা পদা | মপা জ্ঞা ঋা I সা -া -া | -া -া -া I
আ প না ৹ রি ৹ আ ব র ৹ ৹ ৹ ৹ ণ্‌

I সা রা রমা | -া মা -া I মা -পা পা | পা পা -া I
খু লে দে ৹ খ্‌ দ্বা র্‌ অ ন্‌ ত রে তা র্‌

I পদা দা -া | দা পা মা I মপা -া -া | -া -া -া I
আ৹ ন ন্‌ দ নি কে ত ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ন্‌

I সা -রা -মা | -পা -দা -া I দা দা -র্ঋা | র্ঋর্সা র্ঋা র্সা I
আ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ আ ন ন্‌ দ নি কে

I র্সণা -র্সা -ণা | -দা -পা -া II
ত ৹ ৹ ৹ ৹ ন্‌

II { দা -া দা | ণা র্সা র্সা I র্সণা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্ঋা র্সা -ণা I
মু ক্ তি আ জি কে না ই কো নো ধা •

I ণর্সা -া -া | -া -া -া I র্ঋা র্ঋা -া | র্ঋা র্ঋা র্ঋা I
রে• • • • • • আ কা শ্ সে ও যে

I র্সা র্সর্জ্ঞা র্ঋা | র্ঋা র্সা -র্ঋা I র্ঋণা -র্সা -ণা | -দা -া -া } I
বাঁ ধে• কা রা গা • রে • • • • •

I র্সা র্সা র্সা | -র্ঋা র্ঋণা -র্সা I র্সণা -র্সা -া | -ণদা -পা -া I
বি ষ নি শ্ শা • সে • • •• • •

I পা -ণা ণা | ণদা দা -ণদা I দপা -া -া | -া -া -া I
তা ই ভ রে আ •• সে • • • • •

I সা রা -মা | মা মগা মা I পা -া -া | -া -া -া I
নি রু দ্ ধ স• মী র • • • • ণ্

I সা রা রমা | -া মা -া I মা -পা পা | পা পা -া I
খু লে দে• খ্ দ্বা র্ অ ন্ ত রে তা র্

I পদা দা -া | দা পা মা I মপা -া -া | -া -া -া I
আ• ন ন্ দ নি কে ত• • • • • ন্

I সা -রা -মা | -পা -দা -া I দা দা -র্ঋা | র্ঋর্সা র্ঋা র্সা I
আ • • • • • আ ন ন্ দ নি কে

I র্সণা -র্সা -ণা | -দা -পা -া II
ত • • • • ন্

II { সা সন্‌া সা | সমা মা -া I মা মা মা | মপা পা -া I
ঠে লেং দে আ৹ ড়া ল্‌ ঘু চি বে আঁ৹ ধা র্‌

I দা দা দা | দা দা -পা I পমা পা -া | -া -া -া I
আ প না রে ফে ল্‌ দু রে • • • •

I দা দর্সা র্সা | র্সা র্ঋা র্ঋর্সা I ণা দা ণা | ণদা পা -দা I
ন হ৹ জে ত থ নি জী ব ন তো মা র্‌

I মা পা জ্ঞা | জ্ঞা মা জ্ঞা I ঋা সা -া | -া -া -া } I
অ মৃ তে উ ঠি বে পু রে • • • •

I { দা -া দা | ণা র্সা র্সর্ঋা I র্ঋর্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | -র্ঋা র্সা -ণা I
শূ ন্‌ ন ক রি য়া৹ রা খ্‌ তো র্‌ বাঁ •

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্সর্ঋা র্ঋা র্ঋা | -া র্ঋা র্ঋা I
শি • • • • • বা৹ জা বা র্‌ ষি নি

I র্সা র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা | -র্ঋা র্সা -র্ঋা I ণর্সা -া -ণা | -দা -া -া } I
বা জা৹ বে ন্‌ আ • সি৹ • • • • •

I দা -র্সা র্সা | ণা -র্সর্ঋা র্ঋর্সা I ণা -া -দা | -ণদা -পা -া I
ভি ক্‌ খা না •• নি বি • • •• • •

I পা দা ণা | ণপা -ণা দা I পা -া -া | -া -া -া I
ত খ নি জা • নি বি • • • • •

I সা রা মা | মা মগা -মা I পা -া -া | -া -া -া I
ভ রা আ ছে তো৹ র্‌ ধ • • • • ন্‌

I সা রা রমা | -া মা -া I মা -পা পা | পা পা -া I
খু লে দে॰ খ্ দ্বা র্ অ ন্ ত রে তা র্

I পদা দা -া | দা পা মা I মপা -া -া | -া -া -া I
আ॰ ন ন্ দ নি কে ত॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ন্

I সা -রা -মা | -পা -দা -া | দা দা -র্ঋা | র্ঋসা র্ঋা র্সা I
আ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ আ ন ন্ দ নি কে

I র্সণা -র্সা -ণা | -দা -পা -া II II
ত ॰ ॰ ॰ ॰ ন্

২৪

মরণসাগরপারে তোমরা অমর, তোমাদের স্মরি।
নিখিলে রচিয়া গেলে আপনারই ঘর, তোমাদের স্মরি॥
সংসারে জ্বেলে গেলে যে নব আলোক
জয় হোক, জয় হোক, তারি জয় হোক— তোমাদের স্মরি॥
বন্দীরে দিয়ে গেছ মুক্তির সুধা, তোমাদের স্মরি।
সত্যের বরমালে সাজালে বসুধা, তোমাদের স্মরি।
রেখে গেলে বাণী সে যে অভয় অশোক,
জয় হোক, জয় হোক, তারি জয় হোক— তোমাদের স্মরি॥

II সা ধা ধা ধা | ধা ধা ধপা -ধনা I না -ধা -পা -া | -া -া -া -া I
ম র ণ সা গ র পা ০০ রে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

I পা ধা ধর্রা র্রা | র্সা -া -া -া I গা পা গা -া | রা সা -া -া I
তো ম রা০ অ ম ০ ০ র্ তো মা দে র্ স্ম রি ০ ০

I পা ধা ধর্সা র্সা | র্রা র্সা না ধা I পা ধা পনা না | ধপা -া -া -া I
নি খি লে০ র চি য়া গে লে আ প না০ রি ঘ০ ০ ০ র্

I গা পা গা -া | রা সা -া -া II
তো মা দে র্ স্ম রি ০ ০

II পা -গা পা ধা | ধর্সা র্সা র্সা র্রা I র্গা র্গা র্গা র্রা | র্সা -া -া -া I
স ঙ্ সা রে জ্বে০ লে গে লে যে ন ব আ লো ০ ০ ক্

I র্পা -া র্গা -া | র্গা -া র্রা -া I র্সর্রা র্রা র্সা -া | না -া -া -া I
জ য়্ হো ক্ জ য়্ হো ক্ তা০ রি জ য়্ হো ০ ০ ক

I গা পা গা -া | রা সা -া -া II
তো মা দে র্ স্ম রি ০ ০

II র্সা -া র্সা র্সা | না র্সনা ধা না I পা -ধা না না | ধা পা -া -া I
ব ন্ দী রে দি য়ে॰ গে ছ মু ক্ তি র সু ধা ॰ ॰

I গা পা গা -া | রা সা -া -া I পা -র্সা র্সা র্সা | না না ধা নধা I
তো মা দে র্ স্ম রি ॰ ॰ স ত্ তে র ব র মা লে॰

I পা পা ধা ধর্রা | র্রা র্সা -া -া I গা পা গা -া | রা সা -া -া I
সা জা লে ব॰ সু ধা ॰ ॰ তো মা দে র্ স্ম রি ॰ ॰

I পা গা পা ধা | ধর্সা র্সা র্সা র্রা I র্গা র্গা র্গা র্রা | র্সা -া -া -া I
রে খে গে লে বা॰ ণী সে যে অ ভ য় অ শো ॰ ॰ ক্

I র্পা -া র্গা -া | র্গা -া র্রা -া I র্রা র্রা র্সা -া | না -া -া -া I
জ য়্ হো ক্ জ য়্ হো ক্ তা রি জ য়্ হো ॰ ॰ ক্

I গা পা গা -া | রা সা -া -া II II
তো মা দে র্ স্ম রি ॰ ॰

২৫

তপস্বিনী হে ধরণী,   ওই-যে তাপের বেলা আসে—
তপের আসনখানি   প্রসারিল মৌন নীলাকাশে ॥
অন্তরে প্রাণের লীলা   হোক তবে অন্তঃশীলা,
যৌবনের পরিসর   শীর্ণ হোক হোমাগ্নিনিশ্বাসে
যে তব বিচিত্র তান   উচ্ছ্বসি উঠিত বহু গীতে
এক হয়ে মিশে যাক   মৌনমন্ত্রে ধ্যানের শান্তিতে।
সংযমে বাঁধুক লতা   কুসুমিত চঞ্চলতা,
সাজুক লাবণ্যলক্ষ্মী   দৈন্যের ধূসর ধূলিবাসে ॥

II মা -গা মা ! -ণা ণদা -া I পা -া মা | -গা সা -গা I
ত ০ প স্ সি ০ নী ০ হে ০ ধ ০

I গা -া -া | মা -া -া I গা -পা গা | -া ঋা -া I
র ০ ০ ণী ০ ০ ও ই যে ০ তা ০

I গা -া গা | -পা পগা -া I ঋা -া -া | সা -া -া I
পে র্ বে ০ লা ০ আ ০ ০ সে ০ ০

I ণ্া -সা -গা | -মা -পা -দমা I পা -া -া | -মগা -মগা -মা I
আ ০ ০ ০ ০ ০০ সে ০ ০ ০০ ০০ ০

I মা -গা মা | -ণা ণদা -া I পা -া মা | -গা সা -গা I
ত ০ প স্ সি ০ নী ০ হে ০ ধ ০

I গা -া -া | মা -া -া I দা -া দা | -া দা -া I
র ০ ০ ণী ০ ০ ত ০ পে র্ আ ০

I না -া -া | র্সা -া -ঋ্না I র্সা -া -া | -া -া -া I
স ০ ন্ খা ০ ০০ নি ০ ০ ০ ০ ০

I ঋা -া ঋা | -া র্সনা -া I র্সা -া -া | -া -া -া I
প্র • সা • রি • ল • • • • •

I ণা -া ণা | -জ্ঞা ঋা -া I র্সা -া -া | ণর্সা -ঋর্সা -ণর্সা I
মো উ ন ॰ নী • লা • • কা • • • • •

I ণদা -া -া | -পমা -গা -া II
শে॰ • • • • ॰ ॰

II { দা -া দা | -া দা -া I না -া র্সা | -ঋা না -া I
অ ন্ ত • রে • প্রা ॰ ণে র্ লী •

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্সজ্ঞা -া জ্ঞা | -া জ্ঞা -া I
লা • ॰ • ॰ • হো· ক্ ত • বে •

I ঋা -া -া | র্সা -া -া I ণর্সা -ঋর্সা -া | ণদা -া -া } I
অ • ন্ ত • • লী • • • • লা • ॰

I র্সজ্ঞা -া জ্ঞা | -া জ্ঞা -া I জ্ঞা -া জ্ঞা | -র্রা জ্ঞা -া I
যো ॰ • ব ॰ নে ব প • রি ॰ স র্

I র্মা -া -জ্ঞা | ঋা -া -া I র্সা -া -া | -া -া -া I
লী • র্ ণ • • হো • • • • ক্

I ণা -া ণা | -জ্ঞা ঋা -া I র্সা -া -া | ণর্সা -ঋর্সা -ণর্সা I
হো • মা গ্ নি ॰ নি ॰ শ্ শা॰ ॰ ॰ • •

I ণদা -া -া | -পমা -গা -া II
সে· ॰ • • • • ॰ ॰

II { র্সা -া র্সা | -দা দা -া I দা -া দা | -া দা -া I
যে ● ত ● ব ● বি ● চি ত্ ত্র ●

I পা -া -া | -া -া -া I মা -া পা | ণা ণা -া I
তা ● ● ● ● ন্ উ চ্ ছ ● সি ●

I দা -া দা | -া পা -া I মা -া পা -দা মা -পা I
উ ● ঠি ● ত ● ব ● হু ● গী ●

I মজ্ঞা -া -া | -া -া -া I জ্ঞা -া জ্ঞা | -া জ্ঞা -া I
তে ● ● ● ● ● এ ক্ হ ● য়ে ●

I মা -া পা | -া পা -দা I মপা -া -া | -জ্ঞা -া -া I
মি ● শে ● যা ক্ যা ● ● ● ● ● ক্

I জ্ঞা -মা জ্ঞা | -া ঋা -া I সা -া -া | -া -া -া I
মো উ ন ● ম ন্ ত্রে ● ● ● ● ●

I সা -া সা | -দা দা -া I দপা -ণা দা | -া পা -া } I
ধ্যা ● নে ● র ● শা ন্ তি ● তে ●

I { দা -া দা | -া দা -া I না -া র্সা | -া না -া I
স ঙ্ ঘ ● মে ● বাঁ ● ধু ক্ ল ●

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্সজ্ঞা -া জ্ঞা | -া জ্ঞা -া I
তা ● ● ● ● ● কু ● সু ● মি ●

I ঋা -া ঋা | -র্সা র্সা -া I ণর্সা ঋর্সা -ণর্সা | ণদা -া -া } I
ত ● চ ন্ চ ● ল ● ● ● ● ● তা ● ●

I র্সজ্ঞা -া জ্ঞা ¦ -া জ্ঞা -া I র্রর্মা -া র্মা | -জ্ঞা জ্ঞা -া I
সা • • জু • ক • লা • • ব • ণ •

I র্ঋা -া -া ¦ র্সা -া -া I ণা -া ণা | -জ্ঞা জ্ঞা -া I
ল • কৃ থী • • দৈ ন্ নে • র •

I র্জর্ঋা -া র্ঋা | -র্সা র্সা -া I ণা -া র্সা | র্ঋা ণা -র্সা I
ধূ • স • র • ধূ • লি • বা •

I ণদা -া -া ¦ -পমা -গা -া II II
সে • • • • • •

২৬

সে কোন্ পাগল যায় যায় পথে তোর, যায় চলে ওই একলা রাতে—
তারে ডাকিস নে তোর আঙিনাতে ॥
সুদূর দেশের বাণী ও যে যায় যায় বলে, হায়, কে তা বোঝে —
কী সুর বাজায় একতারাতে ॥
কাল সকালে রইবে না রইবে না তো,
বৃথাই কেন আসন পাতো।
বাঁধন-ছেঁড়ার মহোৎসবে গান যে ওরে গাইতে হবে
নবীন আলোর বন্দনাতে ॥

II সা সা -ণা | ধা পা -ধা I মপা -া -মা | -জ্ঞা -া -া I
সে কো ন্ পা গ ল্ যা• ° • • • য়্

I জ্ঞা -া জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I জ্ঞরা -মা জ্ঞা | রা সা -া I
যা য়্ প থে তো র্ যা য়্ চ লে ও ই

I সা -া রসা | সন্া সা -া I -া -া -া | -া মা মা I
এ ক্ লা• রা তে • • • • • তা রে

I মা পা -া | পণা -া -মা I -পা -া -া | -া গা মা I
ডা কি স নে• • ° • • • ° তো রে

I পণা ণধা -া | পা মা -পা I মা পা -মণা | ণধা পমা -জ্ঞরা II
ডা• কি স নে তো র্ আ ঙি •• না তে• ••

II না না -া | না না -া I না র্সা -া | না র্সা -র্রা I
সু দূ র্ দে শে র বা ণী • ও যে •

I র্না -র্সা -া | -ণা -া -া I ণধা -র্সা ণা | ধা পা -া I
যা • ° • • য়্ যা য়্ ব লে হা য়্

I পমা -া জ্ঞা | রা সা -া I সা সা -মা | রা জ্ঞা -া I
কে ০ তা বো ঝে ০ কী সু র্ বা জা ০

I -া -া -া | -া -া -রা I সা -া রসা | সন্া সা া I
০ ০ ০ ০ ০ য় এ ক্ তা০ রা তে

I -া -া -া | -া মা মা I মা পা -া | পণা -া -মা I
০ ০ ০ ০ তা রে ডা কি স নে ০ ০ ০

I -পা -া -া | -া গা মা | পণা পধা -া | পা মা -পা I
০ ০ ০ ০ তা রে ডা০ কি স নে তো র্

I মা পা -মণা | পধা পমা -জ্ঞরা II
আ ঙি ০ ০ তে ০ ০ ০

[মা -পা মা জ্ঞা]
II { সা -জ্ঞা জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I জ্ঞা -া জ্ঞরা | মজ্ঞা -া -া I
কা ল্ স কা লে ০ র ই বে ০ না ০ ০ ০

I -া -া -া | -া -রা -সা I সা -জ্ঞা জ্ঞা | রা সা -া I
০ ০ ০ ০ ০ ০ র ই বে না তো ০

I (মা পা -া | পা পা -র্সা I ণর্সা র্সণা -া | ধা পা -ধা) } I
বৃ থা ই কে ন ০ আ ০ স ন্ পা তো ০

I পনা না া | না না -া I না র্সা -া | র্সনা র্সা -র্রা I
বাঁ ০ ধ ন্ ছেঁ ড়া র্ ম হো ২ স বে ০

I র্রনা -র্সা -া | -ণা -া -া I ধা -র্সা র্সণা | ধা পা -া I
গা ০ ০ ০ ০ ন্ গা ন যে ও রে ০

I ᵖমা -া জ্ঞা | রা সা -া I র্রা র্রা -র্মা | র্রা র্সা -া I
গা ই তে হ বে ০ ন বী ন্ আ লো র্

I র্সা -া র্র্সা | ˢনা র্সা -া I -া -া -া | -া মা মা I
ব ন্ দ ০ না তে ০ ০ ০ ০ ০ তা রে

I মা পা া | পণা -া -মা I -পা -া -া -া গা মা I
ডা কি স্ নে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ তা রে

I পণা ⁿধা -া | পা মা -পা I মা পা -মণা | ⁿধা পমা -জ্ঞরা II II
ডা ০ কি স নে তো র আ ঙি ০ ০ না তে০ ০ ০

২৭

ছুটির বাঁশি বাজল যে ওই নীল গগনে,
আমি কেন একলা বসে এই বিজনে ॥
বাঁধন টুটে উঠবে ফুটে শিউলিগুলি,
তাই তো কুঁড়ি কানন জুড়ি উঠছে দুলি,
শিশির-ধোওয়া হাওয়ার ছোঁওয়া লাগল বনে—
সুর খুঁজে তাই শূন্যে তাকাই আপন-মনে ॥
বনের পথে কী মায়াজাল হয় যে বোনা,
সেইখানেতে আলোছায়ার চেনাশোনা।
ঝরে-পড়া মালতী তার গন্ধশ্বাসে
কান্না-আভাস দেয় মেলে ওই ঘাসে ঘাসে,
আকাশ হাসে শুভ্র কাশের আন্দোলনে—
সুর খুঁজে তাই শূন্যে তাকাই আপন-মনে ॥

II সা সা -ণা | ণধা ধা -ণা I ণধা -া পা | -ধা মা -া I
ছু টি র্ বাঁ শি ০ বা জ্ ল ০ বা জ্

॥
I পা -া -া | গা -া -মা I পা -া -র্সা | ণধা পা -ধা I
ল ০ ০ বা ০ জ্ ল ০ ০ যে ০ ও ই

I ধপা -ণা -া | ণধা পমা -পা I মজ্ঞা -া -া | -া -া -া I
নী ০ ল্ গ ০ গ ০ ০ নে ০ ০ ০ ০ ০ ০

I রা জ্ঞা -া | রা জ্ঞা -া I জ্ঞরা -া মজ্ঞা | -রা সা -ন্া I
আ মি ০ কে ন ০ এ ক্ লা ০ ০ ব ০

I সা -া -া | -া -া -া I গা -া -া | মা পা -ধা I
সে ০ ০ ০ ০ ০ এ ০ ই বি জ ০

I ধমা -পা -া | জ্ঞা -া -রসা II
নে ০ ০ ০ ০ ০ ০

-া -া -া II { না না -া | না না -া I -া -া -া | -া -পা -না I
• • • বাঁ ধ ন্ টু টে • • • • • • •

I না -া র্সা | না র্সা -া I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্জ্ঞর্রা র্সা -া I
উ ঠ্ বে ফু টে • শি উ লি গু লি •

I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্রা র্সা -া I -না -া -া | -া -া -া I
তা ই তো কুঁ ড়ি • • • • • • •

I না র্সা -া | না র্সা -নর্রা I র্রর্সা -া ণা | ধা পা -া I
কা ন ন্ জু ড়ি • • উ ঠ্ ছে দু লি •

I ণা ণা -া | ণধা ণা -া I ণর্সা র্সণা -া | ধা পা -ধা I
শি শি র্ ধোও য়া • হাও য়া র্ ছোঁও য়া •

I মা -া মণা | ধা পা -া I -া -া -া | -া -গা -মা I
লা গ্ ল • ব নে • • • • • • •

I পা -র্সা ণা | ধা ণা -া I ণধা -র্সা ণা | ধা পা -ধা I
সু র্ খুঁ জে তা ই শূ ন্ নে তা কা ই

I মা পা -ধা | ণপা মজ্ঞা -রা II
আ প ন্ ম নে • •

-া -া -া II { সা সা -জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I -া -া -া | -া -রা -সা I
• • • ব নে র্ প থে • • • • • • •

I সা -পা পা | পা ধপা -া I মা -া জ্ঞা | রা সা -া I
কী • মা য়া জা • ল্ হ য়্ যে বো না •

I মা -পা পা | পা পা -া I -া -া -া | -া -া -ণা I
সে ই খা নে তে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I ধা ণা -া | ণধা ণা -া I ধর্সা র্সণা -া | ধা পা -ধা I
আ লো ॰ ছা য়া র্ চে॰ না ॰ শো না ॰

I মা -ণা ণা | ধা পা -া I মা -া জ্ঞা | রা সা -া } I
কী ॰ মা য়া জা ল্ হ য়্ যে বো না ॰

I { না না -া | না না -া I না র্সা -া | না র্সা -া I
ঝ রে ॰ প ড়া ॰ মা ল ॰ তী তা র্

I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্রা র্সা -া I র্সা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্রা র্সা -া I
গ ন্ ধ শ্বা সে ॰ কা ন্ না আ ভা স্

I র্সা -নর্রা র্সা | র্সণা ণা -া I ণর্সা র্সণা -া | ধা পা -া } I
দে ॰য়্ মে ঘে ও ই ঘা॰ সে ॰ ঘা সে ॰

I পণা ণা -া | ধা ণা -া I ধা -র্সা ণা | ধা পা -ধা I
আ॰ কা শ্ হা সে ॰ শু ॰ ভ্র কা শে র্

I মা -া মণা | ধা পা -া I -া -া -া | -া -গা -মা I
আ ন্ দো॰ ল নে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I পা -র্সা ণা | ধা ণা -া I ণধা -র্সা ণা | ধা পা -া I
সু র্ খুঁ জে তা ই শূ ন্ নে তা কা ই

I মা পা -ধা | ধপা মজ্ঞা -রা II II
আ প ন্ ম নে॰ ॰

নাই নাই ভয়, হবে হবে জয়, খুলে যাবে এই দ্বার—
জানি জানি তোর বন্ধনডোর ছিঁড়ে যাবে বারে বার ॥
খনে খনে তুই হারায়ে আপনা সুপ্তিনিশীথ করিস যাপনা—
বারে বারে তোরে ফিরে পেতে হবে বিশ্বের অধিকার ॥
স্থলে জলে তোর আছে আহ্বান, আহ্বান লোকালয়ে—
চিরদিন তুই গাহিবি যে গান সুখে দুখে লাজে ভয়ে।
ফুলপল্লব নদীনির্ঝর সুরে সুরে তোর মিলাইবে স্বর—
ছন্দে যে তোর স্পন্দিত হবে আলোক অন্ধকার ॥

II র্সজ্ঞা -া -া -া | র্ঋা -া র্সা া I র্সর্ঋা র্ঋা -র্সা র্সা | ণর্সা -া ণা -দা I
না • • • ই না ই ভ য়্ হ • বে • হ বে • • জ য়্

I পা পা -ণা দা | দা -পা মগা -মা I পা -া -া -া -া -া -া -া I
খু লে • যা বে • এ • ই দ্বা • • • • • • র্

I সা ঋা গা মা | পা -দা দর্সা -দা I জ্ঞা -া -া -া র্ঋা -া র্সা -া I
খু লে যা বে এ ই দ্বা • র্ না • • ই না ই ভ য়্

I র্সর্ঋা র্ঋা -া র্সা | র্সর্ঋা -া র্সা -া I র্সর্ঋা -া -ণা ণা | ণা -দা দা -পা I
জা • নি • জা নি • • তো র্ ব • • ন্ ধ ন • ডো র্

I পা পা -ণা দা | দা -পা মগা মা I পা -া -া -া | -া -া -া -া I
ছিঁ ড়ে • যা বে • বা • রে বা • • • • • • র্

I র্মা র্মা র্জ্ঞা র্ঋা | র্ঋা র্সা র্সদা -ণা I র্সা -র্জ্ঞা -া -া | র্ঋা -া র্সা -া I
ছিঁ ড়ে যা বে বা রে বা র্ না • • ই না ই ভ য়্

I {দা দা -া দা | না -া র্সা -া I র্সর্ঋা র্ঋা র্ঋা -া | র্সা না র্সা -া I
থ নে • থ নে • তু ই হা • রা রে • আ প না •

I র্সা -র্ঋা র্ঋা র্ঋা | র্ঋা -া -া -া I র্সা র্সা -র্জ্ঞা -া | র্ঋা র্ঋা র্সা -া} I
স্ব প্ তি নি শী • • থ্ ক রি • স যা প না •

I র্মা র্মা -া র্মা | র্মা া র্মর্পা র্পর্মা I র্রা র্জ্ঞা -া র্রা | র্জ্ঞা -া র্রা র্জ্ঞা I
বা রে • বা রে • তো • রে ফি রে • পে তে • হ বে

I র্জ্ঞা -র্মা -া র্জ্ঞা | র্জ্ঞা -র্ঋা র্ঋা র্ঋা I র্সা -া -দ -ণা | র্সর্জ্ঞা া -া -া I
বি • শ্ শে • অ ধি কা • • র্ না • • • ই

I র্ঋা -া র্সা -া | -া -া -া -া I {সা রা -মা মা | মা া মা -া I
মা ই ত • • • • য়্ স্ব লে • ভ লে • তো র্

I মা মা গা -পা | মা -া -া -া I সা -মা মা -া | -া -া মা মা I
আ ছে আ • হবা • • ন্ আ • হবা • • ন্ লো কা

I মগা -পা মা -া | -া -া -া -া I গা মা মদা -া | না -া র্সা -া I
ল • য়ে • • • • • চি র দি • ন্ তু • ই •

I ণা ণর্জ্ঞা র্ঋা র্সা | ণা -া দা -া I পা পর্সা ণা দা | পা ণা দা -া I
গা হি • বি যে গা • • ন্ সু খে • দু খে লা জে ভ •

I পা -া -া -া | -া -া -া -া} I {দা -া -া দা | না -া র্সা র্সা I
য়ে • • • • • • • ফু • • ল প ল্ ল ব

I র্সর্ঋা র্ঋা -া -র্সা | না -া র্সা -া I র্সর্ঋা র্ঋা -া র্ঋা | র্ঋা -া র্ঋা -া I
ন • দী • • নি র্ ঝ র্ সু • রে • সু রে • তো র্

I র্সা র্সা জ্ঞ্যা জ্ঞা । ঋর্া -া র্সা -া } I র্মা -া -া র্মা । র্মা -া র্মর্পা -র্মা I
মি লা ॰ ই বে ॰ স্ব র্ ছ ॰ ন্ দে যে ॰ তো॰ র

I র্রা -া -া র্রা । র্জ্ঞা া র্রা জ্ঞর্া I জ্ঞর্মা জ্ঞর্া -া জ্ঞর্া । র্সা -া জ্ঞর্া ঋর্া I
স্প ॰ ন্ দি ॰ ॰ চ বে আ ॰ লো ॰ ক অ ॰ ন্ ধ

I র্সা -া -দা ণা । র্সজ্ঞা -া -া -া I ঋর্া -া সা -া । -া া -া -া II II
কা ॰ ॰ র্ না ॰ ॰ ॰ ই না ই ভ ॰ ॰ ॰ ॰ য়্

২৯

সকালবেলার আলোয় বাজে বিদায়ব্যথার ভৈরবী—
আন্ বাঁশি তোর, আয় কবি ॥
শিশিরশিহর শরতপ্রাতে শিউলিফুলের গন্ধসাথে
গান বেঁধে যাস আকুল হাওয়ায়, নাই যদি রোস নাই র'বি
এমন উষা আসবে আবার সোনায় রঙিন দিগন্তে,
কুন্দের ফুল সীমন্তে।
কপোতকূজনকরুণ ছায়ায় শ্যামল কোমল মধুর মায়ায়
তোমার গানের নূপুরমুখর জাগবে আবার এই ছবি ॥

II দ্‌া ণ্‌া -সা | সা সা -া I সঋা ঋসা ণ্‌া | সা -া -রা I
স কা ল্ বে লা র্ আ ০ লো য়্ বা ০ ০

I জ্ঞা -া -া | -া -ঋা -সা I সা সা -ঋা | জ্ঞা মা -পমা I
জে ০ ০ ০ ০ ০ বি দা য়্ ব্য থা ০ র্

‖

I জ্ঞঋা জ্ঞা ঋা | সা -া -া I -া সা -দা | দা -া দা I
ভ ০ ই র বী ০ ০ ০ আ ন্ বাঁ ০ শি

I দণা -া -া | -া -জ্ঞা -া I পদা -পণা ণদপা | মজ্ঞা -া -া II
তো ০ ০ ০ ০ র্ আ ০ ০ য়্ ক ০ বি ০ ০ ০

II সা সা সা | সা সা ঋা I জ্ঞা জ্ঞা রা | জ্ঞা -া -রা I
শি শি র শি হ র শ র ত প্রা ০ ০

I জ্ঞা -া -া | -া -া -া I দা -া দা | ণা র্সা -া I
তে ০ ০ ০ ০ ০ শি উ লি ফু লে র্

I র্সঋা -া র্সা | র্সঋা -া -র্সণা I র্সা -া -া | দা -ণা -র্সা I
গ ০ ন্ ধ সা ০ ০ ০ ০ থে ০ ০ গা ০ ০

I -ঋা -জ্ঞা -ঋা | র্সা জ্ঞঋা -র্সা I ণদা -া -া | ণা র্সা -র্রা I
• • ন্ য়ে খে • • যা • • স্ আ কু ল্

I জ্ঞা -া -া | -ঋা -া -জ্ঞঋা I ঋর্সা -া -া | -া -া -া I
হা • • • • • ও য়া • • • • য়্

I জ্ঞা -র্রর্মা র্মজ্ঞা | ঋা র্সা -া I ণা -পণা ণদা | পা -া -দা I
না • ই য দি য়ো স্ না • ই র' বি • •

I ণা র্সা -া | পা -ণা দপা I মজ্ঞা -া -া | -া -া -া II
সে দি ন্ না ই র • বি • • • • • •

II { সা সা -দা | দা দা -া I দা -পা পা | পা -া -ক্ষা I
এ ম ন্ উ ষা • আ স বে আ • •

I ক্ষদা -া -া | -া -া -া I পা পা -র্সা | র্সণা ণা -া I
বা • • • • • • ব্ সো মা য়্ র ঙি ন্

I পণা ণদা -া | পা -া -দপা I মা -া মা | মা পমা -া I
দি • গ ন্ তে • • • কু ন্ দে র ছু • ল্

I জ্ঞা জ্ঞঋা -া | সা -া -া } I দা দা দা | ণা র্সা র্সা I
সী ম ন্ তে • • ক পো ত কূ জ ন

I ণা ণজ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞঋা -া -র্সণা I র্সা -া -া | -া -া -া I
ক রু • ণ ছা • • • য়া • • • • য়্

I ণা ণজ্ঞা জ্ঞা | ঋা র্সা র্সা I ণা র্সা র্সা | র্সণা -র্সঋর্সা -ণর্সা I
শ্যা ম • ল কো ম ল ম ধু র মা • • • • •

I ণদা -া -া | ণা র্সা -র্রা I র্জ্ঞা -া -া | -র্ঋা -া -র্জ্ঞর্ঋা I
য়া৹ ৹ য়্ তো মা র্ গা ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹

I র্সা -া -া | -া -া -া I ণা র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্ঋা র্সা র্সা I
নে ৹ ৹ ৹ ৹ র্ নূ পু য় মু থ র

I র্সা -র্ঋা র্সা | ণা ণা -দা I পা -ণা ণদা | পা -া -া I
জা গ্ বে আ বা র্ এ ই ছ বি ৹ ৹

I র্জ্ঞা -র্রর্মা র্মর্জ্ঞা | র্ঋা র্সা -া I ণা -পণা ণদা | পা -া -দা I
না ৹ই য দি য়ো স মা ৹ই য়' বি ৹ ৹

I ণা র্সা -া | পা -ণা দপা I মজ্ঞা -া -া | -া -া -া II II
সে দি ন্ না ই য়৹ বি৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹

মধুর, তোমার শেষ যে না পাই প্রহর হল শেষ—
ভুবন জুড়ে রইল লেগে আনন্দ-আবেশ ॥
দিনান্তের এই এক কোনাতে   সন্ধ্যামেঘের শেষ সোনাতে
মন যে আমার গুঞ্জরিছে কোথায় নিরুদ্দেশ ॥
সায়ন্তনের ক্লান্ত ফুলের গন্ধ হাওয়ার 'পরে
অঙ্গবিহীন আলিঙ্গনে সকল অঙ্গ ভরে।
এই গোধূলির ধূসরিমায়   শ্যামল ধরার সীমায় সীমায়
শুনি বনে বনান্তরে অসীম গানের রেশ ॥

II {সা রা গা । গা গা -া I গা -া -া । গা গা -রা I
ম ধু র তো মা র্ শে ০ ষ্ যে না ০

॥
I গমা -পা -া । (মগা রা -গা)} I -া -া -া I গা গপা মা । গা রসা -ন্া I
পা০ ০ ই ও০ গো ০ ০ ০ ০ প্র হ০ র হ ল০ ০

I ন্া -সা -া । -া -া -া I গা গপা মা । গা রসা -ন্া I
শে ০ ০ ০ ০ ষ্ ভু ব০ ন জু ড়ে০ ০

I ন্া -া ন্া । ন্া -ধ্ন্া -সা I সা -পা -া । পা -া -ক্ষা I
র ই ল লে ০০ ০ গে ০ ০ আ ০ ০

I {পা -ক্ষা -না । নধা পমা -গরা । (গা -া -পা । পা -া -ক্ষা)} I
ন ০ ন্ দ আ০ ০০ বে ০ শ্ আ ০ ০

I গা -া -া । -া -া -া II
বে ০ ০ ০ ০ শ্

II { পা পা -া | পনা না -া I র্সা -া র্সা | র্সনা র্রর্সা -া I
দি না ন্ তের্ এ ই এ ক্ কো না৹ তে৹ ৹

I পা -র্সা র্সা | র্সনা র্রর্সা -া I না -পা পা | পর্সা না -া } I
স ন্ ধা মে৹ ঘে৹ র্ শে ষ্ সো না৹ তে ৹

I র্সা -র্গা র্গা | র্রা র্সা -া I র্সা -র্গা র্গা | র্রা র্সা -া I
ম ন্ যে আ মা র্ গু ন্ জ রি ছে ৹

I না -া -ধা | না -সা র্সনা I ধনা -পা -া | -া -া -া I
গু ৹ ন্ জ ৹ রি৹ ছে৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹

I না -ধা -না | নর্সা -া -া I -ণা -ধা -পা | -পধা -পা -র্সা I
কো ৹ ৹ থা৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ র্

I র্সা ণা -ধা | পমা -গা -া II
নি রু দ্ দে ৹ ৹ শ্

II { সপা পা -া পা পা -া I পা -া পা | ক্ষা পা -া I
সা৹ য় ন্ ত নে র্ ক্লা ন্ ত ফ লে র্

I পা -ক্ষানা না | ধা পা -া I মা গা -া | -া -া -া I
গ ৹ ন্ ধ হাও য়া র্ প রে ৹ ৹ ৹ ৹

I রগা -া রা | রপা মা -া I গা গা -া | রা সা -ন্য I
অ৹ ঙ্ গ বি৹ হী ন্ আ লি ঙ্ গ নে ৹

I সা সগা -া | রগা -রপা পা I মা গা -া | -া -া -া } I
স ক৹ ল্ অ৹ ৹ঙ্ গ ভ রে ৹ ৹ ৹ ৹

স্ব ৩।১৩

I { পা -া পা | পনা না -র্সা I র্সা -া র্সা | র্সনা র্রর্সা -া I
এ ই গো ধূ ০ লি র্ ধূ ০ স রি০ মা০ য়্

I র্পর্সা র্সা -া | র্সর্রা র্সা -া I না না -পর্সা | র্সা না -া } I
শ্যা০ ম ল্ ধ০ রা র্ সী মা ০য়্ সী মা য়্

I র্সা র্সা -র্গা | র্রা র্সা -া I র্সা র্সা -র্গা | র্রা র্সা -া I
শু নি ০ ব নে ০ ব না ন্ ত রে ০

I না -া -ধা | না -র্সা র্সনা I ধনা -া -া | -পা -া -া I
ব ০ ০ না ন্ ত০ রে০ ০ ০ ০ ০ ০

I না -া -া | র্সা -া -া I -ণা -ধা -পা | -পধা -পা -র্সা I
অ ০ ০ সী ০ ০ ০ ০ ০ ০০ ০ ম্

I র্সা ণা -ধা | পমা -গা -া II II
গা নে র্ রে০ ০ শ্

তুমি উষার সোনার বিন্দু প্রাণের সিন্ধুকূলে,
শরৎ-প্রাতের প্রথম শিশির প্রথম শিউলিফুলে ॥
আকাশপারের ইন্দ্রধনু ধরার পারে নোওয়া,
নন্দনেরই নন্দিনী গো চন্দ্রলেখায় ছোঁওয়া,
প্রতিপদে চাঁদের স্বপন শুভ্র মেঘে ছোঁওয়া—
স্বর্গলোকের গোপন কথা মর্তে এলে ভুলে ॥
তুমি কবির ধেয়ান-ছবি পূর্বজনম-স্মৃতি,
তুমি আমার কুড়িয়ে-পাওয়া হারিয়ে-যাওয়া গীতি।
যে কথাটি যায় না বলা কইলে চুপে চুপে,
তুমি আমার মুক্তি হয়ে এলে বাঁধনরূপে—
অমল আলোর কমলবনে ডাকলে ত্বয়ার খুলে ॥

। পা মা জ্ঞা রা ।   ॥
মা পা II { পমা জ্ঞা রা । সা সা রা I রণা -ধা পা । -া -া -া I
তু মি উ ষা র সো না র বি ০ ন্ দু ০ ০ ০

I (পা ধা ণা । র্সা -ধর্সা ণধা I ধণা -া ণা । -মা পা দা) } I
প্রা ণে র সি ০ ন্ ধু ০ কূ ০ লে ০ তু মি

I পা না -া । র্সা র্সা -র্রা I ধর্সা র্সণা -া । ধা পা -া I
শ র ৎ প্রা তে র্ প্র০ থ ম্ শি শি র্

I সা সা -া । রা -া গা I রা গা -া । মা পা -দা I [ ] I
প্র থ ম্ শি উ লি ফু লে ০ "তু মি ০"

II পা পা -া । পা পা -ধা I না -া র্সা । না র্র্সা -া I
আ কা শ্ পা রে র্ ই ন্ দ্র ধ নু ০ ০

I মা মা -া । গা গা -রগা I গা মা -া । -া -া -া I
ধ রা র পা রে ০০ নোও য়া ০ ০ ০ ০

I র্সা -া র্মা | র্মর্গা র্মা -র্গা I র্রা -া র্জ্জা | র্রা র্সা -া I
ন ন্ দ নে রি • ন ন্ দি নী গো •

I মা -া মা | গা গা -রগা I গা মা -া | -দা -া -া I
চ ন্ দ্র লে খা •য়্ ছোঁও য়া • • • •

I -া -া পা | দা পা দা I পা দা -া | দপা ণদা -পা I
• • প্র তি প দে চাঁ দে র্ স্ব প• ন্

I মা -দা দা | পা মা -গা I গা মা -া | -া -া -া I
শু • ভ্র মে ঘে • ছোঁও য়া • • • •

I পা -া না | র্সা র্সা -র্রা I ধর্সা র্সণা -া | ধা পা -মা I
স্ব র গ লো কে র্ গো• প ন ক থা •

I পা -ণা ণা | ধা পা -া I মা গা -া : মা পা -দা [ ] I
ম র্ তে এ লে • ভু লে • "তু মি •"

II -া -া -া | { া মা গা I মা ধা -া | ধা ধা -া | ধা ধা া | -ণা -র্সা -র্রা I
• • • • তু মি ক বি র্ ধে য়া ন্ ছ বি • • • •

I ধা -র্সা ণা | ধা পা -ধণা I ণধা পা -া | -া -া -া I
পূ র্ ব জ ন •ম্ স্মৃ তি • • • •

I না না -া | না না -া I না না র্সা | না র্সা -া I
তু মি • আ মা র্ কু ড়ি য়ে পাও য়া •

I -া -া -া | -ণা -ধা -পা : ধা ণা র্রা | র্রর্সা ণধা -র্সণা I
• • • • • • হা রি য়ে যাও য়া• • •

I পধা ধপা -া } | -া -া -া I মা -ধা ধা | ধা ধা -না I
গী ০ তি ০ • • • যে ০ ক থা টি •

I না -া র্সা | না র্সা -া I মা -া মা | গা গা রগা I
যা য় না ব লা • ক ই লে চু পে • •

[-দা -া পা দা পা দা
I গা মা -া | -া -া -া I { -া -া র্সা | র্মা র্গা র্মা I
চু পে • • • • ০ • তু মি আ মার্

পা -া দা পা দা -পা মা মপা -দা দপা মা -গা]
I র্রা -া জ্ঞা | র্রা র্সা -া I মা মা -া গা গরা -গা I
মু ক তি হ য়ে • এ লে ০ বাঁ ধ ০ ন্

I গা মা -া | -া -া -া } I পা না না | র্সা র্সা -র্রা I
রূ পে • • • • অ ম ল আ লো র্

I ধা ধর্সা র্সণা | ধা পা -মা I পা -ণা ণা | ধা পা -া I
ক ম ০ ল ব নে • ডা কৃ লে তু যা র্

I মা গা -া | মা পা -দা II II
খু লে • "তু মি •"

অরূপ, তোমার বাণী
অঙ্গে আমার চিত্তে আমার মুক্তি দিক্ সে আনি ॥
নিত্যকালের উৎসব তব বিশ্বের দীপালিকা—
আমি শুধু তারি মাটির প্রদীপ, জ্বালাও তাহার শিখা
নির্বাণহীন আলোকদীপ্ত তোমার ইচ্ছাখানি
যেমন তোমার বসন্তবায় গীতলেখা যায় লিখে
বর্ণে বর্ণে পুষ্পে পর্ণে বনে বনে দিকে দিকে,
তেমনি আমার প্রাণের কেন্দ্রে নিশ্বাস দাও পূরে,
শূন্য তাহার পূর্ণ করিয়া ধন্য করুক সুরে—
বিঘ্ন তাহার পুণ্য করুক তব দক্ষিণপাণি ॥

[পা -া -া]
পা II পধা -া -া ¦ -না -ধা না I র্র্সা -া -া | -ধা -পা -মা I
অ রূ০ ০ ০ ০ প্ তো মা ০ ০ ০ ০ ০ র্

I গা -রা -গা | -মা -পা -মা I গা -া -রা | -সা -া -া I
বা ০ ০ ০ ০ ০ ণী ০ ০ ০ ০ ০

I সা -া সা | সমা গা -মা I পা -া পা | পধা ধা -না I
অ ঙ্ গে আ ০ মা র্ চি ত্ তে আ ০ মা র্

I র্সা -া র্গা | র্গর্রা -া র্সা I র্সা -া -না | ধা -পা ধা I [ ] I
মু ক্ তি দি ক্ সে আ ০ ০ নি ০ "অ"

II { পা -া পা | পনা ধা -না I র্সা -া র্সা | র্সা র্সা র্সা I
নি ত্ ত কা০ লে র্ উ ৎ স ব ত ব

I ধনা -ধা না | র্সা র্সা -র্রা I র্র্সা -না র্সনা | নর্সা -ধা -না I
বি০ শ্ শে র দী ০ পা ০ লি০ কা০ ০ ০

I র্সা র্সর্গা র্গা | র্রা র্সা র্সা I র্সনা র্রর্সা -া | ধা পা -া I
আ মি॰ শু ধু তা রি মা টি॰ র্ প্র দী প্

I ধা ধা -পা | পধা পা -ক্ষা I ক্ষধা পা -া | -মা -া -া } I
জ্বা লা ও তা হা র্ শি॰ খা • • • •

I সা -া সা | সমা গা -মা I পা পা পা | পধা -া না I
নি র্ বা ণ॰ হী ন্ আ লো ক দী॰ প্ ত

I নর্সা র্সর্গা র্রা | র্সা -া র্সা I র্সা -া -না | ধা -পা ধা I [ ] I
তো॰ মা॰ র ই চ্ ছা খা ॰ • মি • "অ"

II { ধা ধা -পা | পধা পা -া I মা পা -া | পমা গা -মা I
যে ম ন্ তো মা র্ ব স ন্ ত বা য়্

I রা গা মা | মধা ধপা -া I মা গা -মা | -রা -সা -া I
গী ত লে খা যা য়্ লি খে • • • •

I সা -া সা | সমা -গা মা I পা -া পা | ধা -া না I
ব র্ ণে ব॰ র্ ণে পু ষ্ পে প র্ ণে

I র্সা র্সর্গা র্রা | র্সা র্সা র্সা I র্সা র্সা -নর্সা | -ধা -পা -া } I
ব নে॰ ব নে দি কে দি কে •• • • •

I { পা পা পা | পনা নধা -না I র্সা র্সা র্সা | র্সা -া র্সা I
তে ম নি আ॰ মা র্ প্রা ণে র কে ন্ দ্রে

I র্সা -ধা না | র্সা র্সা -র্রা I রর্সা -া -না | নর্সা -ধা -না I
নি শ্ শা স দা ও পূ • • রে॰ • •

I র্সা -র্গা র্গা | র্গর্রা র্সা -া I না -র্রা র্সা | ধা পা পা I
শু ন্ ন তা হা র্ পূ র্ ণ ক রি য়া

I ধা -া ণা | ণধা পা -ক্ষা I ক্ষধা ধপা -া | -মা -া -া } I
ধ ন্ ন ক রু ক্ সু • য়ে ০ ০ ০ ০

I সা -মা মা | মা গা -মা I পা -া পা | ধা ধা -না I
বি ঘ্ ন তা হা র্ পূ ণ্ ণ ক রু ক্

I র্সা র্সর্গা র্রা | -া র্সা র্সা I র্সা -া -না | ধা -ণা ধা II [ ] II
ত ব • দ ক্ খি ণ পা ০ ০ ণি ০ "অ"

৩৩

বাঁশি আমি বাজাই নি কি পথের ধারে ধারে।
গান গাওয়া কি হয় নি সারা তোমার বাহির-দ্বারে॥
ওই-যে দ্বারের যবনিকা নানা বর্ণে চিত্রে লিখা
নানা সুরের অর্ঘ্য হোথায় দিলেম বারে বারে॥
আজ যেন কোন্ শেষের বাণী শুনি জলে স্থলে—
'পথের বাঁধন ঘুচিয়ে ফেলো' এই কথা সেই বলে।
মিলন-ছোঁওয়া বিচ্ছেদেরই অন্তবিহীন ফেরাফেরি
কাটিয়ে দিয়ে যাও গো নিয়ে আনাগোনার পারে॥

II -া -া সা | -া মা -া ⁝ মা -গা -পজ্ঞা | পা -া -া I
০ ০ বাঁ ০ শি ০ আ ০ ০০ মি ০ ০

I না -া নধা | -সা র্সা -না ⁝ ধনা -া -ধা | পজ্ঞা -া -ধপা I
বা ০ জা ই নি ০ কি০ ০ ০ ০ ০ ০০

I -জ্ঞপা -া সা | -া মা -া ⁝ মা -গা -পজ্ঞা | পা -া -া I
০০ ০ বাঁ ০ শি ০ আ ০ ০০ মি ০ ০

I না -া নধা | -সা র্সা -না ⁝ ধনা -া ধা | -জ্ঞা পা -া I
বা ০ জা ই নি ০ কি০ ০ প ০ থে র্

I পা -জ্ঞা পা | -জ্ঞধা ধপা -া ⁝ মা -া মা | -া মা -া I
ধা ০ রে ০০ ধা ০ রে ০ গা ন্ গা ও

I মা -া -া | মা -া -া ⁝ মা -া মগা | -পা পা -জ্ঞা I
য়া ০ ০ কি ০ ০ হ য়্ নি ০ সা ০

I ধপা -া পা | -া পা -া ⁝ সা -া রা | -া রা -া I
রা০ ০ তো ০ মা র্ বা ০ হি র্ দ্বা ০

I রগা -রা গা | -া মা -া ⁝ মা -গা -পজ্ঞা | পা -া -া I
রে০ ০ বাঁ ০ শি ০ আ ০ ০০ মি ০ ০

I { পা -ক্ষা ধা | -া পা -া I পনা -া -া | -া -া -র্সা I
ও ই যে • ছা • রে• • • • • র্

I র্সা -া র্সা | -র্গা র্রা -না I র্রর্সা -া -া | -া -া -া } I
য • ব • নি ০ কা• • • • • •

I পা -র্সা র্সা | -া র্সা -না I র্রর্সা -া -া | -া -া -না I
না • না • ব র্ ণে• • • • • •

I নধা -া না | -র্সা ধনা -া I ধপা -া না | -া না -া I
চি ত্ ত্রে • লি• • খা • না • না •

I না -া র্সা | -া র্সা -া I না -পা পা | -ক্ষা পা -ক্ষা I
সু • রে র্ অ র্ ধ • হো • থা য়্

I ধপা -া -া | মা -া -া I সা -া রা | -া রা -া I
দি• • • লে • ম্ বা • রে • বা •

I রগা -রা গা | -া র্মা -া I মা -গা -পক্ষা | পা -া -া I
রে• • বাঁ • শি ০ আ • •• মি ০ •

I { সা -া সা | -া সা -া I সা -রা রা | -া রা -া I
আ জ্ যে • ন • কো ন্ শে • যে র্

I রা -া গা | -রা গা -া I গা -া -া | -া -া -া I
বা ০ নী • শু • নি • • • • •

I গা -া গা | -মা মা -গা I মা -া -া | -া -া -া I
জ • লে • স্থ • লে • • • • •

I র্সা -র্গা র্গা | -র্রা র্রা -া I র্সা -া র্সা | না না -া I
প • থে র্ বাঁ • ধ ন্ ঘু চি য়ে •

I ধনা -পা পা | -ক্ষা পা ক্ষা I পা -না না | -ধা ধা -পা I
ফে• • লো • এ ই ক • থা • সে •

I পা -মা মা | -া -া -া } I র্সা -র্গা র্গা | -া র্গা -া I
ব • লে • • • মি ০ ল ন্ ছোঁ ও

I র্গা -া -া | -া -া -া I র্রা -র্গা া | -া র্রা -া I
য়া • • • • • বি চ্ ছে ০ দে •

I র্সা -া -া | -া -া -া I র্সা -র্গা র্গা | -া র্রা া I
রি • • ০ • • অ ন্ ত • দি •

I র্সা -া -া | -া -া -না I নধা -া না | -র্সা ধনা -া I
হী ০ • • ০ ন্ ফে ০ রা • ফে০ ০

I ধপা -া না | না র্সা -া I ধনা -া -া | পা -া -া I
রি০ • কা টি য়ে • দি০ • • য়ে ০ •

I -া -া না | -া র্সা -া I ধনা -া -া | পা -া -া I
০ ০ যা ও গো • নি• • • য়ে • •

I পা -না না | -ধা ধা -া I পা -া মা | -া মা -া I
আ • না • গো • না র্ পা • রে •

I -া -া সা | -া গা -া I গা -রা -পক্ষা | পা -া -া II II
০ • বাঁ ০ শি • আ • •• মি • •

ক্ষত যত ক্ষতি যত মিছে হতে মিছে,
নিমেষের কুশাঙ্কুর পড়ে রবে নীচে ॥
কী হল না, কী পেলে না, কে তব শোধে নি দেনা
সে সকলই মরীচিকা মিলাইবে পিছে ॥
এই-যে হেরিলে চোখে অপরূপ ছবি
অরুণ গগনতলে প্রভাতের রবি—
এই তো পরম দান সফল করিল প্রাণ,
সত্যের আনন্দরূপ এই তো জাগিছে ॥

মা II মজ্ঞা -ঋা -জ্ঞা ঋা | সা -া -ঋা ণ্‌া I সা -া -জ্ঞা ঋা | জ্ঞা -া -া -া I
ক্ষ ত ০ ০ য ত ০ ০ ক্ষ তি ০ ০ য ত ০ ০ ০

I র্সা ণা দা পদা | মপা পজ্ঞা -া -া I র্সা ণা দা পা | মপা -া জ্ঞা -মা I
মি ছে হ তে০ মি০ ছে ০ ০ নি মে ষে র কু০ ০ শা ঙ্

I মজ্ঞা -ঋা সা -া | -া -া -া -া I দা ণ্‌া সা সজ্ঞা | ঋা সা -া মা II
কু ০ র ০ ০ ০ ০ ০ প ড়ে র বে০ নী চে ০ "ক্ষ"

II { সা -দা দা দা | দপা -া পা -দা I মপা -মা পা -দা | মপা -জ্ঞা -া -া I
কী ০ হ ল না ০ কী ০ পে০ ০ লে ০ না০ ০ ০ ০

I পা -ণা দা দপা | ণদা -পা মা -পা I জ্ঞমা -জ্ঞা ঋা -া | সা -া -া -া } I
কে ০ ত ব০ শো০ ০ ধে ০ নি০ ০ দে ০ না ০ ০ ০

I র্সা -া র্ঋা র্ঋা | র্ঋর্সা -া র্ঋা র্সা I র্সনা -া র্সা -া | -ণা -া -দা -া I
সে ০ স ক লি ০ ম রী চি ০ কা ০ ০ ০ ০ ০

I দা ণা র্সা ণদা | মপা মজ্ঞা -া -া I পণা ণদা পা দপা | মপা মজ্ঞা -া মা II
মি লা ই বে০ পি০ ছে০ ০ ০ মি০ ছে হ তে০ মি০ ছে০ ০ "ক্ষ"

II { দ্‌া -ণ্‌া সা সা | সা সণ্‌া সা -ণা I সা -ঋা -া -া | -া -া -া -া I
এ ই যে হে রি ক্লে॰ চো ॰ খে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I সা সজ্ঞা জ্ঞা ঋজ্ঞা | জ্ঞঋা সা -া -া I সা সা সদা দা | দা পা পা -দা I
অ প॰ রূ প॰ ছ বি ॰ ॰ অ রু ণ॰ গ গ ন ত ॰

I জ্ঞপা -া -জ্ঞা া | পা পণা ণদা দপা I মপা জ্ঞা -া -া | জ্ঞমা মা জ্ঞা ঋজ্ঞা I
লে॰ ॰ ॰ ॰ প্র ভা॰ তে র॰ র॰ বি ॰ ॰ অ॰ প রূ প॰

I ঋা সা -া -া | -া -া -া -া } I { দা -া ণা সা | র্সণা র্সা র্জ্ঞর্ঋা -র্জ্ঞর্ঋা I
ছ বি ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ এ ই তো প র॰ ম দা॰ ॰॰

I -র্সা -া -া -া | ণা র্সা র্সর্জ্ঞা র্ঋা I র্ঋা র্সা ণর্সা -ণা | -দা -া -া -া } I
॰ ॰ ॰ ন্‌ স ফ ল॰ ক রি ল প্রা॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ণ্‌

I দা -া দর্জ্ঞা র্ঋা | র্ঋা -া র্সা -ঋা I ণর্সা -া ণা -দা | দপা -দা ণা দপা I
স ত্‌ তে॰ র আ ॰ ন ন্‌ দ॰ ॰ রূ প্‌ এ ই তো জা॰

I মপা মজ্ঞা -া -া | -া -া -া -া I জ্ঞণা দা পা দপা | মপা মজ্ঞা -া মা II II
গি॰ ছে॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ মি ছে হ তে॰ মি॰ ক্ষে॰ ॰ "ক্ষ"

ছিন্ন পাতার সাজাই তরণী, একা একা করি খেলা—
আম্‌মনা যেন দিক্‌বালিকার ভাসানো মেঘের ভেলা ॥
যেমন হেলায় অলস ছন্দে কোন্ খেয়ালির কোন্ আনন্দে
সকালে-ধরানো আমের মুকুল ঝরানো বিকালবেলা ॥
যে বাতাস নেয় ফুলের গন্ধ, ভুলে যায় দিনশেষে,
তার হাতে দিই আমার ছন্দ -- কোথা যায় কে জানে সে ॥
লক্ষ্যবিহীন স্রোতের ধারায় জেনো জেনো মোর সকলই হারায়,
চিরদিন আমি পথের নেশায় পাথেয় করেছি হেলা ॥

II রা -পা মা মা | মা -া মা -পা I গমা -গা গা গা | গা -া গা মা I
ছি ন্ ন পা তা র্ সা ০ জা০ ই ত র ণী ০ এ কা

॥
I রমা মা -গা গা | রা -সা ন্‌া -সা I রা -া -া -া | -া -া -া -া I
এ কা ০ ক রি ০ খে ০ লা ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

I { মা -পা পা পা | পা পা পা ধা I পা -ণা ণা -ধা | ধপা -া -া (-ধা) } I -া I
আ ন্ ম না যে ন দি ক্ বা ০ লি ০ কা ০ ০ র্ র্

I র্সা ণা ধা পা | মা গা রা সা II
ভা সা নো মে ঘে র ভে লা

II { মা পা পা পা | পা -া -া -া I পর্সা র্সা র্সা -া | র্সা -া র্সা -র্রা I
যে ম ন হে লা ০ ০ য় অ০ ল স ০ ছ ন্ দে ০

I ণা -র্সা ণা ধা | ণা -া -া -া I ধা -র্সা ণা -া | পধা -া পা (-ধা) } I -া I
কো ন্ খে য়া লি ০ ০ র্ কো ন্ আ ০ ন০ ন্ দে ০ ০

I পা পণা ণা ধা | ণা -ধা ণা -া I ধা -র্সা র্সণা ণা | পধা -া পা -া I
স কা॰ লে ধ রা • নো • আ • মে র মু॰ • কু ল্

I পা ধা ধপা মা | মা গা রা সা II
ঝ রা নো বি কা ল বে লা

II { মা পা পা -া | পা -া -া -া I মা -ণা ণা ণা | ণা -ধা র্সণা -ধা I
যে বা ভা স্ নে • • য়্ ফু • লে র গ ন্ ধ• •

I পা ধা পা -া | মা -া রা -মা I মা -পা পা -া | -া -া -া -া I
ভু লে যা য়্ দি • ন • শে • যে • • • • •

I সা -মা মা মা | মা -া মা -পা I গমা -া গা -া | গা -া গা -মা I
তা র্ হা তে দি ই আ • মা• • র • ছ ন্ দ •

I রমা মা মা -গা | গা -রা সা -া I ন্সা -রা রা -া | -া -া -া -া } I
কো॰ থা যা য়্ কে • জা • নে॰ • সে • • • • •

I { মা -পা পা পা | পা -া া -া I পা -র্সা র্সা -া | র্সা -না র্সা -র্রা I
লো কৃ খ বি হী • • ন স্রো • তে ব্ ধা • রা য়্

I নর্সা র্সা ণা -ধা | ণা -ধা ণা -া I ধা র্সা র্সণা -া | পধা -া পা -া I
জে॰ নো জে • নো • মো ব্ স ক লি • হা • রা য়্

I পা ধা ণধা -পধা | পা -া -া (-ধা) } I -া I পা ণা ণা ধা | ণা -ধা ণা ণা I
জে নো জে॰ • • নো • • • • চি র দি ন আ • মি প

I পধা -র্সা র্সা ণধা | র্সণা -ধা পা -া I পা -ধা ধপা পা | মা -গা রা -সা I
থে • র নে॰ শা॰ য়্ পা • থে • য় ক রে • ছি •

I রা -মা মা -া | -া -া -া -া II II
হে • লা • • • • •

৩৬

খরবায়ু বয় বেগে, চারি দিক ছায় মেঘে, ওগো নেয়ে, নাওখানি বাইয়ো।
তুমি কষে ধরো হাল, আমি তুলি বাঁধি পাল— হাঁই মারো, মারো টান হাঁইয়ো॥
শৃঙ্খলে বারবার ঝন্‌ঝন ঝঙ্কার নয় এ তো তরণীর ক্রন্দন শঙ্কার –
বন্ধন দুর্বার সহ্য না হয় আর, টলোমলো করে আজ তাই ও।
হাঁই মারো, মারো টান হাঁইয়ো॥
গণি গণি দিন খন চঞ্চল করি মন বোলো না 'যাই কি নাই যাই রে'।
সংশয়পারাবার অন্তরে হবে পার, উদ্‌বেগে তাকায়ো না বাইরে।
যদি মাতে মহাকাল, উদ্দাম জটাজাল ঝড়ে হয় লুণ্ঠিত, ঢেউ উঠে উত্তাল,
হোয়ো নাকো কুণ্ঠিত, তালে তার দিয়ো তাল— জয়-জয় জয়গান গাইয়ো।
হাঁই মারো, মারো টান হাঁইয়ো॥

II সা রা গা গা | গা -া গা রা I ন্‌া সা রা -া | রা -া রা রা
খ র বা য়ু ব য়্ বে গে চা রি দি ক্ ছা য়্ মে ঘে

I ধ্‌া ন্‌া সা রা | গা -া গা রা I ন্‌া -রা রসা -া | -া -া -া -া I
ও গো নে য়ে না ও খা নি বা ই য়ো ০ ০ ০ ০ ০

I সপা পা পা হ্মা | পা হ্মা পা -া I পা না না ধা | পা হ্মা গা -া I
তু ০ মি ক ষে ধ রো হা ল্ আ মি তু লে বাঁ ধি পা ল্

I র্গর্গা -া র্গা র্গা | র্রা র্রা র্সা -পা I ধঃ -র্রা র্সা -া | ধা -র্রা র্সা -া I
হাঁ ই মা রো মা রো টা ন্ হাঁ ই য়ো ০ হাঁ ই য়ো ০

I ধা -র্রা র্সা -া | -া -া -া -া II
হাঁ ই য়ো ০ ০ ০ ০ ০

II {পা -া পা গা | পা -া পা -ধা I ধা -র্সা র্সা র্সা | র্সা -া র্সা -া I
শৃ ঙ্ খ লে বা র্ বা র্ ঝ ন্ ঝ ন ঝ ঙ্ কা র্

I র্সা -র্রা র্রা র্রা | র্রা র্রা র্সর্রা -র্গা I র্গা -া র্গা র্গা | র্রা -া র্সা -া} I
ন য়্ এ তো ত র ণী ০ র্ ক্র ন্ দ ন শ ঙ্ কা র্

I র্সর্গা -া র্গা র্গা | র্রা -া র্সা -া I র্রা -া র্সা র্সা | না -া ধা -া I

বং ন্ ধ ন ছু র্ বা র্ স জ্ ঝ না হ য়্ আ র্

I র্সা র্সা না না | ধা ধা পা -া I পধা -া পা -া | -া -া -া -া I

ট লো ম লো ক রে আ জ্ তা• ই ও • • • • •

I গর্গা -া র্গা র্গা | র্রা র্রা র্সা -পা I ধা -র্রা র্সা -া : ধা -র্রা র্সা -া I

হাঁ• ই মা রো মা রো টা ন্ হাঁ ই য়ো • হাঁ ই য়ো •

I ধা -র্রা র্সা -া | -া -া -া -া II

হাঁ ই য়ো • • • • •

II { সা রা গা গা | গা গা গা -া I গা -া গা গা | রা রা সা -া I

গ ণি গ ণি দি ন খ ন্ চ ন্ চ ল ক রি ম ন্

I ধ্া ন্া সা রা | -গা গা গা -া I রগা -রা সা -া | -া -া -া -া I

বো লো না যা ই কি না ই যা• ই রে • • • • •

I গা -পা পা পা | পা হ্মা পা -া I পা -না না ধা | পা হ্মা গা -া I

স ঙ্ শ য় পা রা বা র্ অ ন্ ত রে হ বে পা র্

I পা -না না ধা | পা হ্মা গা হ্মা I হ্মনা -ধা পা -া | -া -া -া -া } I

উ দ্ বে গে তা কা য়ো না বা• ই রে • • • • •

I { পা গা পা ধা | পা ধা ধপা -ধা I ধর্সা -া র্সা র্সা | র্সা র্সা র্সা -া I

য দি মা তে ম হা কা ল্ উ· দ্ দা ম জ টা জা ল্

I র্সা র্রা র্রা -া | র্সর্রা -র্গা র্গা র্গা I র্গা -া র্গা র্গা | র্রা -া র্সা -া } I

ঝ ড়ে হ য়্ লু• ণ্ ঠি ত ঢে উ উ ঠে উ ত্ তা ল্

I র্সর্গা র্গা র্গা র্গা | র্রা -া র্সা র্সা I র্সর্রা র্রা র্সা -া | না না ধা -া I
হো॰ য়ো না কো   কু ণ্ ঠি ত   তা॰ লে তা র্   দি য়ো তা ল্

I র্সা র্সা না না | ধা ধা পা -া I পধা -া পা -া | -া -া -া -া I
জ য় জ য়   জ য় গা ন্   গা॰ ই য়ো ॰   • • • •

I পর্গা -া র্গা র্গা | র্রা র্রা র্সা -পা I ধা -র্রা র্সা -া | ধা -র্রা র্সা -া I
হাঁ॰ ই মা য়ো   মা য়ো টা ন   হুঁ ই য়ো •   হাঁ ই য়ো •

I ধা -র্রা র্সা -া | -া -া -া -া II II
হাঁ ই য়ো •   • • • •

তুমি আমায় ডেকেছিলে ছুটির নিমন্ত্রণে,
তখন ছিলেম বহু দূরে কিসের অন্বেষণে ॥
কূলে যখন এলেম ফিরে   তখন অস্তশিখরশিরে
চাইল রবি শেষ চাওয়া তার কনকচাঁপার বনে।
আমার ছুটি ফুরিয়ে গেছে কখন অন্যমনে ॥
লিখন তোমার বিনিসুতোর শিউলিফুলের মালা,
বাণী যে তার সোনায়-ছোঁওয়া অরুণ-আলোয়-ঢালা—
এল আমার ক্লান্ত হাতে   ফুল-ঝরানো শীতের রাতে
কুহেলিকায় মন্থর কোন্ মৌন সমীরণে।
তখন ছুটি ফুরিয়ে গেছে কখন অন্যমনে ॥

রা সা -রা II ^র^ন্‌া -া -া | সা -া -া I সা সা -পা | পা -া -া I
তু মি • আ • • মা • য়্ ডে কে • ছি • •

I ^প^জ্ঞা -পা -া | -জ্ঞা -া -া I জ্ঞা পা -া | দা ^দ^পা -া I
লে • • • • • ছু টি র্ নি ম ন্

I মা জ্ঞা -া | রা সা -রা I ন্‌া -া -া | সা -া -া I ॥
ত্র ণে • তু মি • আ • • মা • য়্

I সপা পা -া | পা পা -মা I পণা ণা -া | ণা -া -ধা I
ত • খ ন্ ছি লে ম্ ব • হু • দূ • •

I ধর্সা -ণর্সা -ণা | -ধা -পা -া I পর্সা ণা -া | ধা -া পা I
রে• •• • • • • কি• সে র্ অ ন্ বে

I মা ^ম^জ্ঞা -া | রা সা -রা II
ষ ণে • "তু মি •"

II সপা পা -মা | জ্ঞা জ্ঞা -মা I পা না -া | না র্সা -া I
কৃ• লে • য খ ন্ এ লে ম্ ফি রে •

I র্সা র্সা -না | র্সা -া জ্র্া I র্রা র্সা -র্সা | না র্সা -া I
ত খ ন্ অ স্ ত শি খ •র্ শি রে •

I না -া না | না -া -ধনা I র্সা -া -া | -া -া -া I
চা ই ল র • •• বি • • • • •

I না -া র্সা | র্রা র্সা -া I ণা ণা -া | ধা ণা -া I
শে ষ্ চাও য়া তা র্ ক ন ক্ চাঁ পা র্

I পণা ধপা -া | -া -া -া I পর্সা র্সণা -া | ধা পা -া I
ব• নে • • • • আ• মা র্ ছু টি •

I মা মা রা | রমা -জ্ঞমজ্ঞা -রা I সা -া -া | -া -া -া I
ফু রি য়ে গে• ••• • ছে • • • • •

I পা পা -া | পদা -া পা I মপা মজ্ঞা -া | রা সা -রা II
ক খ ন্ অ• ন্ ন ম• নে• • "তু মি •"

II { সজ্ঞা জ্ঞা -া | রা জ্ঞা -া I মা মজ্ঞা -া | রা সা -রা I
লি• খ ন্ তো মা র্ বি নি • সু তো র্

I রা -মা মজ্ঞা | রা সা -রজ্ঞা I সরা রসা -া | -া -া -া I
শি উ লি ফু লে •র্ মা• লা • • • •

I সপা পা -া | পা পা -মা I পণা ণা -া | ণা -া -ধা I
বা• ণী • সে তা র্ সো• না র্ ছোঁ • ও

I ধর্সা -ণর্সা -া | -ধা -পা -া I পা পা -া | পা পা -দা I
য়া॰ •• • • ॰ ॰ অ রু ণ্ আ লো য়্

I মপা মজ্ঞা -া | -মা -পা -দা I মপা -া মা | জ্ঞরা মজ্ঞা -া I
ঢা • লা • ॰ • ॰ • শি॰ উ লি ফু · লে • র্

I সরা সা -া | -া -া -া } I পা পা -া | মপা পজ্ঞা -মা I
মা॰ লা • • • • এ ল • আ • মা র্

I পা -না না | না র্সা -া I র্সা -া র্সা | র্সনা র্সা -র্জ্ঞা I
ক্লা ন্ ত হা তে • ফু ল্ ঝ রা॰ নো •

I র্রা র্সা -র্রর্সা | না র্সা -া I র্সর্রা র্রর্সা -ণা | ধা ণা -া I
শী তে •র্ রা তে • কু• হে • লি কা য়্

I ধা -র্সা ণা | ধা পা -ধা I ধা -র্সা ণা | ধা পা -ধণা I
ম ন্ থ র কো ন্ মৌ উ ন স মী ••

I পধা ধপা -া | -া -া -া I পর্সা র্সণা -া | ধা পা -া I
র • গে • • • • ত॰ খ ন্ ছু টি •

I মা পা মা | রজ্ঞা -মজ্ঞা -রা I সা -া -া | -া -া -া I
ফু রি য়ে গে॰ •• • ছে • • • • •

I সা সা -পা | পা -া পদা I মপা পজ্ঞা -া | রা সা -রা II II
ক খ ন্ অ ন্ ন• ম॰ নে • "তু মি •"

আরো একটু বসো তুমি, আরো একটু বলো।
পথিক, কেন অথির হেন— নয়ন ছলোছলো॥
আমার কী যে শুনতে এলে তার কিছু কি আভাস পেলে—
নীরব কথা বুকে আমার করে টলোমলো॥
যখন থাক দূরে
আমার মনের গোপন বাণী বাজে গভীর সুরে।
কাছে এলে তোমার আঁখি সকল কথা দেয় যে ঢাকি—
সে যে মৌন প্রাণের রাতে তারা জ্বলোজ্বলো॥

র্সা র্সা -া ।। পা -া -দা : র্সণা দণা দা I দপা -া -ণা | ণদা পা -া I
আ রো • এ • ক্ টু • • • ব সো ০ ০ তু মি •

I -া -া -সা | জ্ঞা জ্ঞা -ঋা I সা -া -ঋা | মজ্ঞা -ঋজ্ঞা জ্ঞঋা I
• • • আ রো ০ এ ০ ক্ টু • • • ব

॥
I সা -া -া | -া -া -া I ণ্ সা -া | জ্ঞা মা -া I
লো ০ • ০ • • প থি ক্ কে ন •

I পা দা -া | ণা -র্সা -ঋর্ণা I র্সা -া -া | -া -া -া I
অ থি র্ হে • • ন • • • • •

I সা সা -জ্ঞা | রা জ্ঞা -া I বা মজ্ঞা -া | রা জ্ঞা -ঋা I
ন য় ন্ ছ লো • ছ লো• • আ রো ০

I সা া -ঋা | মজ্ঞা -ঋজ্ঞা জ্ঞঋা I সা -া -া | র্সা র্সা -া II
এ • ক্ টু • • • ব লো • ০ "আ রো •"

দা দা -ণা II র্সা -া -র্জ্জা | র্জ্জা র্ঋা -া I র্ঋা -া -া | র্সা -া -ণা I
আ মা র্ কী ॰ ॰ যে শু ন্ তে ॰ ॰ এ ॰ ॰

I র্সা -া -া | দা -া -ণা I র্সা -া -র্জ্জা | র্ঋা র্সা -া I
লে ॰ ॰ তা ॰ র্ কি ॰ ॰ ছু কি ॰

I ণা -া -া | সা -া -র্ঋা I ণর্সা -র্ঋর্সা -ণর্সা | ণদা দা -া I
আ ॰ ॰ ভা ॰ স্ পে॰ ॰॰ ॰॰ লে নী ॰

I পা -ণা -া | পণা -দণা -দা I পা -া -া | -া -া -া I
র ॰ ব্ ক॰ ॰॰ ॰ খা ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I সা সা -জ্জা | রা জ্জা -া I মা মা -া | মপা পমা -া I
র কে ॰ আ মা র্ ক রে ॰ ট॰ লো ॰

I জ্জরা মজ্জা -া | রা জ্জা -ঋা I সা -া -ঋা | মজ্জা -ঋজ্জা জ্ঞঋা I
ম॰ লো॰ ॰ আ রো ॰ এ ॰ ক্ টু॰ ॰॰ ব

I সা -া -া | র্সা র্সা -া II
লো ॰ ॰ "আ রো ॰"

-া -া -া II { সদা দা -া | পা পা -া I পা -া -সা | র্সণা -া -া I
॰ ॰ ॰ য॰ খ ন্ থা ক ॰ দূ ॰ ॰ রে ॰ ॰

I -দা -া -া | পা মা -া I মা মা -া | মদা দা -া I
॰ ॰ ॰ আ মা র্ ম নে র্ গো॰ প ন্

I মা জ্জা -া | রা জ্জা -ঋা I সা সা -জ্জা | জ্ঞঋা -া -া I
বা ণী ॰ বা জে ॰ গ ভী র্ সু ॰ ॰

I সা -া -া | -া -া -া } I দা দা -া | ণা -া -র্সা I
রে • • • • • কা ছে • এ • •

I র্সা -া -া | দা দা -ণা I ণর্জ্ঞা জ্ঞা -া | ঋা র্সা -া I
লে • • তো মা র্ আঁ • খি • স ক ল্

I ঋা ঋা -র্সা | ণা -া ণপা I পণা ণা -া | দা পা -া I
ক থা • দে য়্ ষে• ঢা• কি • সে ষে •

I পা -া -র্সা | র্সণা ণা -া I পণা -দণা -দা | পা মা -া I
মো • উ ন প্রা • ণে• • • র্ রা তে •

I জ্ঞা -া -রা | মজ্ঞা -া -ঋা I সা সা -জ্ঞা | জ্ঞরা মজ্ঞা -ঋা I
তা • • রা • • • জ লো ০ জ লো• •

I সা -া -ঋা | মজ্ঞা -ঋজ্ঞা জ্ঞঋা I সা -া -া | র্সা র্সা -া II II
এ • ক্ টু • • • ব লো ০ • "আ রো •"

৩৯

জানি জানি তোমায় প্রেমে সকল প্রেমের বাণী মেশে,
আমি সেইখানেতেই মুক্তি খুঁজি দিনের শেষে ॥
সেথায় প্রেমের চরম সাধন, যায় খসে তার সকল বাঁধন—
মোর হৃদয়পাখির গগন তোমার হৃদয়দেশে ॥
ওগো, জানি আমার শ্রান্ত দিনের সকল ধারা
তোমার গভীর রাতের শান্তিমাঝে ক্লান্তিহারা।
আমার দেহে ধরার পরশ তোমার সুধায় হল সরস—
আমার ধূলারই ধন তোমার মাঝে নূতন বেশে ॥

না না -ধা II ধপা -া -ধা | না -া -া I না র্সা -র্সনা | ধা -না -র্সনা I
জা নি ॰ জা ॰ ॰ নি ॰ ॰ তো মা য় প্রে ॰ ॰॰

I ধপা -া -া ¦ -গা -া -মা I মা পা -া | পা পা -মা I
মে॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ স ক ল্ প্রে মে র্

I পা -া -ধা | না -া -া I -পা -া -ধনা | না ধপা -া I
বা ॰ ॰ ণী ॰ ॰ ॰ ॰ ॰॰ মে শে॰ ॰

I -া -া -া | না না -ধা I পা -া -ধা | না -া -া I
॰ ॰ ॰ জা নি ॰ জা ॰ ॰ নি ॰ ॰

I -া -া -া | -া না না I না -র্সা র্সা | র্সা র্র্সা -া I
॰ ॰ ॰ ॰ আ মি সে ই খা নে তে॰ ই

I না -া র্রা | র্র্সা র্সা -র্র্সা I না না -র্সা | না না -ধা I
মু ক্ তি খুঁ জি ॰॰ দি নে র্ শে ষে ॰

I -পা -া -ধনা | না না -ধা II
॰ ॰ ॰॰ "জা নি ॰"

II { র্সর্মা র্মা -া | র্জ্জা র্জ্জা -া I র্রা র্রা -া | না -র্সর্রা -র্জ্জা I
সে॰ থা য়্ প্রে মে র্ চ র ম্ সা • • •

I র্জ্জর্রা -া -া | -া -া -র্জ্জা I র্সা -র্মা র্মা | র্জ্জা র্জ্জা -া I
ধ • • • • ন্ যা য়্ খ সে তা র্

I র্রা র্রা -া | র্রর্সা -র্জ্জর্রা -র্সর্রা I র্সা -া -র্রর্সা | -না -া -া } I
স ক ল্ বা • • • • ধ • • • • • •

I -া -া -া | -া না -া I না র্সা -া | র্সা র্সা -া I
• • • ন্ মো র্ হৃ দ য়্ পা খি র্

I পর্সা র্সা -া | র্সা র্রর্সা -না I না র্সা -া | না না -ধা I
গ• গ ন্ তো মা• র্ হৃ দ য়্ দে শে •

I -পা -া -ধনা | না না -ধা II
• • • • "জা নি ঃ"

II { -া -া -া | -া সা সা I সা সা -া | রা রা -া I
• • • • ও গো জা নি • আ মা র্

I রা -া গা | গা গা -মা I রা গা -া | মা গা -া I
শ্রা ন্ ত দি নে র্ স ক ল্ ধা রা •

I -া -া -া | -া গা গা I গা গা -মা | মা মা -া I
• • • • তো মার্ গ ভী র্ রা তে র্

I মা -া পা | পা পা -ধা I ধপা -ধনা না | না ধপা -া } I
শা ন্ তি মা ঝে • ক্লা •ন্ তি হা রা• •

I র্সর্মা র্মা -া | র্জ্জা র্জ্জা -া I র্জ্জর্রা র্রা -র্জ্জা | র্সা -া -র্রর্জ্জা I

আ৹ মা র্ দে হে ৹ ধ রা র্ প • ••

I র্রা -া -া | -া -া -র্জ্জা I র্সর্মা র্মা -া | র্জ্জা র্জ্জা -া I

র • • • • শ্ তো৹ মা র্ সু ধা য়্

I র্রা র্রা -র্জ্জা | র্সা -র্রর্জ্জর্রা -র্সর্রা I র্সনা -া -া | -া না না I

হ ল • স • • • •• র• • • স্ আ মার্

I না না -র্সা | র্সা র্সা -া I পর্সা র্সা -া | র্সা র্রা -র্সনা I

ধু লা • রি ধ ন্ তো৹ মা র্ মা ঝে ••

I না না -র্সা | না না -ধা I -পা -া -ধনা | না না -ধা II II

নূ ত ন বে শে • • • •• "জা নি •"

৭০

পথে চলে যেতে যেতে কোথা কোন্‌খানে
তোমার পরশ আসে কখন কে জানে॥
কী অচেনা কুসুমের গন্ধে, কী গোপন আপন আনন্দে,
কোন্ পথিকের কোন্ গানে॥
সহসা দারুণ দুখতাপে সকল ভুবন যবে কাঁপে,
সকল পথের ঘোচে চিহ্ন, সকল বাঁধন যবে ছিন্ন,
মৃত্যু-আঘাত লাগে প্রাণে—
তোমার পরশ আসে কখন কে জানে॥

[পধা পা মা -গা]
II সা গা | গা -া গা I গা -মা | রা -পা ক্মা I
প থে চ ০ লে যে ০ তে ০ যে

॥
I পা -া | -া -া -া I নধা -না | র্সা -নধা -না I
তে ০ ০ ০ ০ কো০ ০ থা ০০ ০

I র্সা -র্গা | র্রর্সা -না না I পা -ধা | ধর্সা -া -া I
কো ন্ খা০ ০ নে তো ০ মা০ ০ র্

I ণা ধা | পা মগা -রগা I মা -া | -া -া -া I
প র শ আ০ ০০ সে ০ ০০ ০ ০

I মা -পা | পা -া -া I পা -ধা | ণা -ধা ধা I
ক ০ খ ০ ন্ কে ০ জা ০ নে

I মা -পা | পা -া -া I [ ] I
ক ০ খ ০ ন্

I { র্গা র্গা | র্গর্রা -া র্রা I র্সা র্সা | র্সা -া র্সা I
কী অ চে • না কু সু মে • র

I না -র্রা | র্রর্সা -া -া I র্সা র্সা | র্সা -া র্সা I
গ ন্ ধে • • কী গো প • ন

I র্সা -না | র্রা র্সা না I ধা -র্সা | না -া -া } I
আ • প ন আ ন ন্ দে • •

I পা -র্সা | র্সা -পা ধা I ধর্সা -া | -া -পা -ধা I
কো ন্ প • থি কে• • • • ব্

I ণা -র্রা | র্সা -ণা ধা I ধপা -ধা | ধর্সা -া -া I
কো ন্ গা • নে তো • মা • • ব্

I ণা ধা | পা মগা -রগা I মা -া | -া -া -া I
প র শ আ ◦ • ◦ সে • • • •

I মা -পা | পা -া -া I পা -ধা | ণা -ধা ধা I
ক • খ • ন্ কে • জা • নে

I মা -পা | পা -া -া I [ ] I
ক ◦ খ • ন্

II { সা গা | গা -া গা I গা গা | গা -া মা I
স হ সা • দা রু ণ দু ◦ খ

I মরা -গমা | গা -া -া I মা পা | পা -া পা I
তা • • পে • • স ক ল • ভু

I পা পা | পা -ধা মা I পা -ধা | না -া না I
ব ন য • বে কাঁ • পে • ভু

I না না | না -া র্সনা I ধনা -র্সনা | ধপা -া -া } I
ব ন য • বে• কাঁ• •• পে• • •

I { পা -া | না -া না I না -া | না -ধা না I
ম • ক ল্ প থে র্ ঘো • চে

I র্সা -র্রা | র্রর্সা -া -া I র্সা -া | র্গা -র্রা র্গর্পা I
চি • হ্ন • • স • ক ল্ বাঁ•

I র্মা র্গা | র্রা -র্সা না I র্সা -র্গা | র্রর্সা -া -া } I
ধ ন য • বে ছি ন্ ন• • •

I পা -া | র্সা না -র্সা I ধনা -া | -পা -া -ধা I
মৃ ত্ তু আ • ঘা• • • • ত্

I ধা -র্সা | র্সা ণধা -পধা I পা -া | -া -া -া I
লা • গে প্রা• •• ণে • • • •

I পা -ধা | ধর্সা -া -া I ণা ধা | পা মগা -রগা I
তো • মা• • র্ প র শ্ আ• ••

I মা -া | -া -া -া I মা -পা | পা -া -া I
সে • • • • ক • থ • ন্

I পা -ধা | ণা -ধা ধা I মা -পা | পা -া -া II [ ] II
কে • জা • নে ক • থ • ন্

৪১

দিনশেষে বসন্ত যা প্রাণে গেল ব'লে
তাই নিয়ে বসে আছি, বীণাখানি কোলে ॥
তারি সুর নেব ধরে আমারি গানেতে ভরে,
ঝরা মাধবীর সাথে যায় সে যে চলে ॥
থামো থামো দখিনপবন,
কী বারতা এনেছ তা কোরো না গোপন।
যে দিনেরে নাই মনে তুমি তারি উপবনে
কী ফুল পেয়েছ খুঁজে— গন্ধে প্রাণ ভোলে ॥

মা পা I পরমা -জ্ঞরা সা -া | -া -া -া -া II র্সনা -র্রা র্সাঃ -ণধঃ | ধপা -ধা -মা -া I
দি ন শে॰ ॰॰ ষে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ব॰ ॰ স ॰ন্ ত ॰ ॰ ॰

I পা -র্সা র্সণা ধা | পা মগা মা পা I মা জ্ঞরা মজ্ঞা -রা | সা -া -া -া I
যা ॰ প্রা ণে গে ল॰ ব লে দি ন॰ শে॰ ॰ ষে ॰ ॰ ॰

I সা -গা -মা -পা | পমা মা জ্ঞা রা I সরা -জ্ঞমা -মজ্ঞা -রা | সা -া -া -া I
তা ॰ ॰ ই নি য়ে ব সে আ॰ ॰॰ ॰ ॰ ছি ॰ ॰ ॰

I ধা -া ণা -া | ণধা পা পধা ধপা I মা জ্ঞরা মজ্ঞা -রা | সা -া -া -া II
বী ॰ ণা ॰ খা নি কো॰ লে "দি ন॰ শে॰ ॰ ষে ॰ ॰ ॰"

II { জ্ঞা র্রা র্জ্ঞা -া | জ্ঞর্রা -া র্মজ্ঞা র্রা I র্সনা -া না না | র্সা -া র্সা -র্রা I
তা রি সু র্ নে ॰ ব॰ ধ রে॰ ॰ আ মা রি ॰ গা ॰

I র্সা -নর্রা র্রর্সা ণধা | পা -া -া -া } I পা ধা ণা ণধা | পা পা পধা ধপা I
নে ॰॰ তে ভ॰ রে ॰ ॰ ॰ ঝ রা মা ধ বী র সা॰ থে

I ᵖগা -া -মা -া | -জ্ঞা -া -া -া I জ্ঞরা -া -জ্ঞা -া | -া -া -রা -সা I
যা • ০ • ০ ০ • য়্ যা • • • • • • য়্

I রা -পা ᵖমা জ্ঞা | রা সা রা সা I ˢন্‌া -া সা -া | -া -া -া -া II
যা য়্ সে যে চ লে "দি ন শে • যে • • • •

II পা -ধা ণা -া | -া -া -ধা -পা I {পা -ধা ণা -া | -া -া -ধা -পা I
থা • মো • • • • • থা • মো • ০ • • •

I পা ধা -ণা পধা | ধপা -া -া -া I ᵖগা -া গমা ᵐপা | মা -া -া -া I
দ খি ন্ প• ব ০ ০ ন্ কী • বা• র তা • • •

I মপা ᵖমা জ্ঞা -রা | জ্ঞা -া -া -া I জ্ঞপা ᵖমা জ্ঞা -া | জ্ঞপা ᵖমা জ্ঞা -া I
এ০ নে ছ • তা • • • কো০ রো না • কো০ রো না •

I জ্ঞপা পমা জ্ঞা -া | সরা -া সা -া} I {পা পা পা ধা | ধর্রা -া ʳর্সা -না I
কো০ রো না • গো০ ০ প০ ন্ যে দি নে য়ে না০ ই ম •

I র্সা -া -া -া | -া -া -া -া I র্সর্রা ʳর্সা ণধা ণা | ধর্সা ˢণা ধা পধা} I
নে • • • • • • • তু০ মি তা০ রি উ০ প ব নে০

I ণা -র্রা ʳর্সা -ণা | ধা পা ᵖমা গা I মা -া পা ধা | ণা -র্রা ʳর্সা -ণা I
কী ০ ফু ল্ পে য়ে ছ খুঁ জে ০ ও গো কী ০ ফু ল্

I ধা পা ᵖমা গা | মা -া -া -া I মা -পা ᵖমা -জ্ঞরা | রমা ᵐজ্ঞা রা সা I
পে য়ে ছ খুঁ জে • • ০ গ ন্ ধে ০ • প্রা• ণ ভো লে

I সরা ʳসা ন্‌া -া | সা -া -া -া II II
"দি০ ন শে • যে • • ০"

৪২

দিয়ে গেনু বসন্তের এই গানখানি—
বরষ ফুরায়ে যাবে, ভুলে যাবে জানি ॥
তবু তো ফাল্গুনরাতে এ গানের বেদনাতে
আঁখি তব ছলোছলো, এই বহু মানি ॥
চাহি না রহিতে বসে ফুরাইলে বেলা,
তখনি চলিয়া যাব শেষ হলে খেলা।
আসিবে ফাল্গুন পুন, তখন আবার শুনো
নব পথিকেরই গানে নূতনের বাণী ॥

II { সা গা গা গা | গা -মা পাঃ -মগঃ ! গরাঃ গমঃ গা -া | -া -া -া -া I
দি য়ে গে নু ব • স •ন্ তে র• এ • • • • ই

I (গা -মা -পা -া | গপা -পমা গা -রসা) } I মা পা পা পা | পা -ধা না -া I
গা • • ন্ খা• • নি •• ব র ষ ফু রা • য়ে •

I ধনা -া ধপা -া | -া -া র্সা র্সা I র্সা -া র্সনা -া | -া -া না র্সনা I
যা• • বে• • • • ভু লে যা • বে • • • ভু লে•

I ধনা -া ধপা -া | -া -া না না I না -া র্রসা -না | ধনা -র্সনা ধপা -া II
যা• • বে• • • • ভু লে যা • বে• • জা• •• নি• •

II { পা পা পনা -া | ধনা -া না না I র্সা -না র্রসা -া | -া -া -া -া I
ত বু তো• • ফা• ল্ গু ন রা • তে• • • • • •

I পর্সা র্সা র্সা -া | র্সা -না র্রসা -না I পা -া না -া | -া -া (-া -া) } I না না I
এ• গা নে র্ বে • দ• • না • তে • • • • • আঁ খি

I না -া র্সা -া | র্সনা -া র্রসা -না I ধনা -া ধপা -া | -পা -না না না I
ত • ব • ছ • লো• • ছ• • লো• • • • আঁ খি

I না -া র্সা -া | র্সনা -া র্রর্সা -না I ধনা -া ধপা -া | -া -া -া -া I
ত • ব • ছ • লো• • ছ• • লো• • • • • •

I পা -র্সা র্সণা ধা | পগা -পমা মগা -রসা II
এ ই ব ছ মা• •• নি ••

II { মা পা পা পা | পা -া ধপা -মা I পা -ধা না -া | -া -া -ধা -পা I
চা হি না য় হি • তে• • ব • সে • • • • •

I পা ধা পা মা | মা -পা পা -া } I না র্সা র্সা র্সা | র্সা -া র্সা -া I
ফু রা ই লে বে • লা • ত খ নি চ লি • য়া •

I র্সা -া র্রর্সা -া | -না -া -া -া I না -র্সা র্সা না | ধনা -র্সনা ধপা -া I
যা • ব• • • • • • শে ষ্ হ লে খে• •• লা• •

I মা মা মা মা | মা -পা পা -মা I পা -ধা না -া | -া -া -ধা -পা I
চা হি না য় হি • তে. • ব • সে • • • • •

I পা ধা পা মা | মা -পা পা -া I { পা পা পনা -া | না -া না না I
ফু রা ই লে বে • লা • আ সি বে• • ফা ল্ গু ন

I র্সা -না র্রর্সা -া | -া -া -া -া I র্সা -র্গা র্গর্রা -া | না -র্রা র্রর্সা -না I
পু • ন• • • • • • ত • খ ন্ আ • বা র্

I নধা -র্সা না -া | -া -া (-া -া) } I না না I না -া র্সা -া | র্সনা -া র্রর্সা -না I
শু • নো • • • • • ন ব প • থি • কে • রি• •

I ধনা -া ধপা -া | -া -া -া -া I পা পর্সা র্সণা ধা | পগা -পমা মগা -রসা II II
গা• • নে• • • • • • নূ ত• নে র বা• •• ণী ••

আয় আমাদের অঙ্গনে   অতিথি বালক তরুদল—
মানবের স্নেহসঙ্গ নে,   চল্ আমাদের ঘরে চল্ ॥
শ্যাম বঙ্কিম ভঙ্গিতে   চঞ্চল কলসঙ্গীতে
দ্বারে নিয়ে আয়   শাখায় শাখায়   প্রাণ-আনন্দ-কোলাহল ॥
তোদের নবীন পল্লবে   নাচুক আলোক সবিতার,
দে পবনে বনবল্লভে   মর্মরগীত-উপহার।
আজি শ্রাবণের বর্ষণে   আশীর্বাদের স্পর্শ নে,
পড়ুক মাথায়   পাতায় পাতায়   অমরাবতীর ধারাজল ॥

[পা]
II না -র্সা -া | -ণা -ধা -পা I পা -র্রা র্র্সা | ণা ধা -পা I
আ • • ০ • য়্ আ য়্ আ মা দে র্

॥
I মা -গা মা | পা -া -া I মা ধা ধা | ধা ধা ধা I
অ ঙ্ গ নে • • অ তি থি বা ল ক

I ধপা ধা ণা | -া -া -া I না না না | -া না না I
ত০ রু দ • • ল্ মা ন বে র্ স্নে হ

I না -া না | র্সা র্সা -া I না -া না | না না -া I
স ঙ্ গ নে চ ল্ চ ল্ আ মা দে র্

I র্সা না র্সা | -া না -র্সা II
ঘ রে চ ল্ আ য়্

II মা ধা ধা | -া ধা না I না -া না | র্সা র্সা -া I
শ্যা ম ব ঙ্ কি ম ভ ঙ্ গি তে চ ন্

I র্সনা -া -া | র্সা না র্সা I ণর্সা -া ণা | ধা পা মা I
চ • ০ ল ক ল স০ ঙ্ গী তে দ্বা রে

I গা -া -া | মা -া -া I পা -া -া | -া -া -া I
নি • • রে • • আ • • • • য়্

I র্সা র্সা -র্গা | র্গা র্গা -া I র্গা র্গর্পা র্পা | র্মা -র্গা র্রা I
শা খা য়্ শা খা য়্ প্রা ণ• আ ন ন্ দ

I র্সা না র্সা | -া না -র্সা II
কো লা হ ল্ আ য়্

II { সা সা সা | সা সা সা I সা -া সা | সা -া -া I
তো দে র ন বী ন প ল্ ল বে • •

I রা রা রা | রা রা রা I রা রা রা | -া -া -া I
না চ্ ক আ লো ক স বি তা • • র্

I গা গা গা | গা গা গা I গা -া গা | গা -া -া I
দে প ব নে ব ন ব ল্ ল ভে • •

I মা -া মা | মা মা মা I পা হ্মা পা | -া -া -া } I
ম র্ ম র গী ত উ প হা • • র্

I { র্সা র্গা র্গা | র্গা র্গা -া I র্গা -া র্গা | র্গর্মা -র্পা -া I
আ জি শ্রা ব ণে র্ ব র্ ষ ণে• • •

I র্গর্পা র্পা -া | র্মা র্গা -া I র্গর্রা -র্মা র্গা | র্রর্সা -া -া } I
আ• শী র্ বা দে র্ স্প র্ শ নে• • •

I না না -া | না র্সা -া I না র্সা -া | না র্সা -া I
প ড়ু ক্ মা থা য়্ পা তা য়্ পা তা য়্

I না র্রা র্সা | ণা ধা পা I মা গা মা | -া পা -ধা II [ ] II
অ ম রা ব তী র ধা রা জ ল্ আ য়্

৪৪

ওরে ঝড় নেবে আয়, আয় রে আমার শুকনো পাতার ডালে
এই বরষায় নবশ্যামের আগমনের কালে ॥
যা উদাসীন, যা প্রাণহীন, যা আনন্দহারা,
চরম রাতের অশ্রুধারায় আজ হয়ে যাক সারা—
যাবার যাহা যাক সে চলে রুদ্র নাচের তালে ॥
আসন আমায় পাততে হবে রিক্ত প্রাণের ঘরে,
নবীন বসন পরতে হবে সিক্ত বুকের 'পরে।
নদীর জলে বান ডেকেছে, কূল গেল তার ভেসে—
যূথীবনের গন্ধবাণী ছুটল নিরুদ্দেশে—
পরান আমার জাগল বুঝি মরণ-অন্তরালে ॥

॥
পা পা II পা -া -া ধা | ধনা -া ধা -পা I পা -র্সা -া -া | -া -া -পা -ধা I
ও রে ঝ • ড়্ নে বে• • আ য়্ আ • • • • • • য়্

I ধা -র্রা -া র্র্সা | র্সা -া র্সা -র্রা I নর্সা -া -া না | না -া না -র্সা I
আ • য়্ রে আ • মা র্ শু• • ক্ নো পা • তা র্

I ধা -র্সা র্সা -না | না -ধা ধপা -া I পা -া -া ধা | ধনা -া ধা -পা I
ডা • লে • ও • রে • ঝ • ড়্ নে বে• • আ য়্

I পা -দা -া দা | দা -া ণদা -পা I পা -া দা -া | দা -া দপা -দা I
এ • ই ব র • ষা• য়্ ন • ব • শ্যা • মে র্

I দমা -া পা -া | পা -দা দপা -া I মপা -া মা -গা | মা -া পা -া I
আ • গ • ম • নে র্ কা• • লে • ও • রে •

I পনা -া -া -া | -ধা -পা -ধা -া I ধা -র্রা -া র্সা | র্সা -া র্সা -র্রা I
আ॰ • • • • • • র্ আ • য়্ রে আ • মা র্

I নর্সা -া -া না | না -া না -র্সা I ধা -র্সা র্সা -না | না -ধা ধপা -া II
শু॰ • ক্ নো পা • তা র্ ডা • লে • "ও • রে •"

II পা -র্সা -া র্সা | র্সা -া র্সা -া I র্সা -া -া র্সা | র্সা -া র্রর্সা -না I
যা • • উ দা • সী ন্ যা • • প্রা ণ • হী॰ ন্

I না -র্রা -া র্সা | র্সা -া র্সা -না I ধা -র্সা না -ধা | -পা -া -া -া I
যা • • আ ন ন্ দ • হা • রা • • • • •

I পা -া পা -দা | দা -া ণা -দা I দপা -া পদা -দপা | পমা -া -া -া I
চ • র ম্ রা • তে র্ অ শ্ রু॰ • ধা • • •

I -পা -দপা -মা -পা | মগা -া -া -া I গা -মা -া মা | মা -া মা -পা I
• •॰ • • রা॰ • • য়্ আ • জ্ হ য়ে • যা ক্

I পা -া পা -া | ধা -া ধনা -নধা I ধপা -া -া -া | -ধা -না -ধা -না I
সা • রা • অ শ্ রু॰ • ধা • • • • • • •

I ধপা -া -া -া | -া -া -া -া I র্সা -না র্সা -র্মা | র্মা -র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া I
রা॰ • • • • • • য়্ যা • বা র্ যা • হা •

I র্জ্ঞর্রা -র্মা -া র্জ্ঞা | র্জ্ঞা -র্রা র্রা -া I র্সা -া -া র্সর্জ্ঞা | র্জ্ঞর্রা -া র্জ্ঞা র্রা I
যা • ক্ সে চ • লে • রু • দ্ র॰ না • চে র

I র্সা -র্রা র্রর্সা -া | র্সনা -া না -র্সা I র্সা -া -া -া | -া -া -া -া I
তা • লে • ও • রে • আ • • • • • • য়্

I र্না -া -র্রা র্সা | র্সা -া র্সা -র্রা I র্না -র্সা -া র্সা | র্সা -না না -র্সা I
আ • য়্ রে আ • মা র্ শু • ক্ নো পা • তা র্

I নধা -র্সা র্সা -না | না -ধা ধপা -া II
ঝা • লে • "ও • রে •"

II সা -া সা -া | সরা -া রা -গা I গমা -া -া ধা | ধপা -া মা -পা I
আ • স ন্ আ৹ • মা য়্ পা৹ • ত্ তে হ • বে •

I পগা -া -া গা | গা -া গা -মা I মা -া পা -া | ধা -া না -া I
রি • ক্ ত প্রা • ণে র্ ঘ • রে • ন • বী ন্

I নপা -া -া -া | -ধা -না -ধা -না I ধপা -া -া -া | ধা -া না -ধা I
ব • • • • • • • স৹ • • ন্ প র্ তে •

I ধপা -া -া -া | -ধা -না -ধা -না I ধপা -া -া -া | -া -া -া -া I
হ • • • • • • • বে৹ • • • • • • •

I পা -দা -া দা | দা -া দা -া I দপা -া পা -া | পা -দা দপা -া I
সি • ক্ ত বু • কে র্ প • রে • ন • বী ন্

I পমা -া -া -া | -পা -দা -মা -পা I মগা -া -া -া | -া -া -া -া I
ব • • • • • • • স৹ • • • • • • ন্

I পা -র্সা র্সা -া | র্সা -া র্সা -া I র্সা -া -া র্সা | র্সা -া র্সর্রা -র্রর্সা I
ন • দী র্ জ • লে • বা • ন্ ডে কে • ছে৹ •

I র্না -া -র্রা র্রর্সা | র্সা -না না -র্সা I র্ধা -র্সা র্না -ধা | -পা -া -া -া I
কূ • ল গে ল • তা র্ ভে • সে • • • • •

I পা -া পনা -া | নধা -া না -ধা I পা -া পা -ধা | ধমা -া -া -া I

যূ • থী• • ব • নে ব্ গ ন্ ধ • বা • • •

I -পা -দপা -মা -পা | মগা -া -া -া I গা -মা -া মা | মা -া মা -পা I

• •• • • নী • • • • ছু • ট্ ল নি • রু দ্

I পা -া পা -া | ধা -া ধনা -নধা I পা -া -া -া | -ধা -না -ধা -না I

দে • শে • গ ন্ ধ• • বা • • • • • • •

I ধপা -া -া -া | -া -া -া -া I র্সা -না র্সা র্জ্জা | র্জ্জা -া র্জ্জা -া I

নী• • • • • • • • প • রা ন আ • মা র্

I র্রা -া -া র্জ্জা | র্জ্জা -া র্রা -া I র্সা -া র্সা র্জ্জা | র্রা -া র্সা -া I

জা • গ্ ল বু • ঝি • ম • র ণ্ অ ন্ ত •

I র্সা -র্রা রর্সা -া | না -া না -া I নর্সা -া -া -া | -া -া -া -া I

রা • লে • ও • রে • আ• • • • • • • য়্

I পর্সা -া -া র্সা | র্সা -া রর্সা -া I না -র্রা -া র্সা | র্সা -া র্সা -রর্সা I

আ• • য়্ য়ে আ • মা • র্ শু • কৃ নো পা • তা •র্

I না -র্সা র্সা -না | না -ধা পা -া II II

ডা • কে • "ও • রে •"

নীল- অঞ্জনঘন পুঞ্জছায়ায় সম্বৃত অম্বর হে গম্ভীর !
বনলক্ষ্মীর কম্পিত কায়, চঞ্চল অন্তর—
ঝঙ্কৃত তার ঝিল্লির মঞ্জীর হে গম্ভীর ॥
বর্ষণগীত হল মুখরিত মেঘমন্দ্রিত ছন্দে,
কদম্ববন গভীর মগন আনন্দঘন গন্ধে—
নন্দিত তব উৎসবমন্দির হে গম্ভীর ॥
দহনশয়নে তপ্ত ধরণী পড়েছিল পিপাসার্তা,
পাঠালে তাহারে ইন্দ্রলোকের অমৃতবারির বার্তা।
মাটির কঠিন বাধা হল ক্ষীণ, দিকে দিকে হল দীর্ণ—
নব-অঙ্কুর-জয়পতাকায় ধরাতল সমাকীর্ণ—
ছিন্ন হয়েছে বন্ধন বন্দীর হে গম্ভীর ॥

সা সা II রা -া পা | পা পমা পা I পমা -গমা রা | রা সা -া I
নী ল অ ন্ জ ন ঘ ন পু ০ন্ জ ছা য়া য়্

I রা -া জ্ঞা | জ্ঞরা সা -ন্‌া I সা -া -া | সমা মা -া I
স ম্ বৃ ত অ ম্ ব ০ র্ হে০ গ ম্

‖
I পা -া -া | ন্‌া ন্‌া -া I সা -া -া | -া -া -া I
ভী ০ র্ হে গ ম্ ভী ০ ০ ০ ০ র্

[ধা ণা ধা | -া ণা ণা I পধা -া]
I {মা পা পা | -া পা পমা I পা -ণা ণা | ধা ণা -া I
ব ন ল ক্ ষ্মী র০ ক ম্ পি ত কা য়্

I পধা -র্সা ণা | ধা পা -মা I পা -া -া | (-ণা -া -া)} I -া -া -া I
চ ন্ চ ল অ ন্ ত ০ ০ ০ ০ র্ ০ ০ র্

I র্সা -না নর্রা | রর্সা ণা -া I পধা -র্সা ণা | পধা পা -মা I
ঝ ঙ্ কৃ • ত তা র্ ঝি ল্ লি র ম ন্

I পা -া -া | -া -া -ণা I পধা -া ণা | ধা ণা -া I
জী • • • • র্ ঝ ঙ্ কৃ ত তা র্

I পধা -া ণা | ধা ণা -ধা I ধর্সা -ণর্সণা -ধণা | পধা মা -া I
ঝি ল্ লি র ম ন্ জী• ••• •র্ হে গ ম্

I মপা -া -া | ন্া ন্া -া I সা -া -া | -া সা সা II
জী• • র্ হে গ ম্ ভী • • র্ "নী ল"

II না -া না | না না না I না র্সা র্রা | র্সা না র্সা I
ব র্ ষ ণ গী ত হ ল মু খ রি ত

I {পা না না | -া র্সা র্রা I না -া র্সা | -া -া -া} I
মে ঘ ম ন্ দ্রি •ত ছ ন্ দে • • •

I র্রা র্রা -া | র্রা র্রা র্রা I র্রা র্রা র্রা | র্রা র্রা র্রা I
ক দ ম্ ব ব ন গ ভী র ম গ ন

I র্জ্জা জ্জা -া | জ্জা জ্জা র্মা I মর্রা -া -া | র্সা -া -া I
আ• ন ন্ দ ঘ ন গ • ন্ ধে • •

I র্সর্মা -া র্মা | র্রা র্রা র্সা I র্রা -জ্জা র্রা | সা না -া I
ন• ন্ দি ত ত ব উ ৎ স ব ম ন্

I র্সা -া -া | -ণা -া -া I পধা -া ণা | ণা ধা ণা I
দি • • • • র্ ন ন্ দি ত ত ব

I ণধা -র্সা ণা | ণধা পা -মা I পা -া -া | পধা মা -া I
উ ৎ স ব ম ন্ দি • র্ হে• গ ম্

I পা -া -া | ন্া ন্া -া I সা -া -া | -া সা সা II
ভী • র্ ে গ ম্ ভী • • র্ "নী ল"

II { ন্া ন্া ন্া | ন্া ন্া ন্া I সা -া সা | সা সা সা I
দ হ ন শ য় নে ত প্ ত ধ র ণী

I সন্া সা রা | রা রা রসা I রা -মা মজ্ঞা | -া -া -া I
প ড়ে ছি ল পি পা• সা র্ তা • • •

I মা মা মা | মা মা মা I মপা -া পা | পা পা -া I
পা ঠা লে তা হা রে ই• ন্ দ্র লো কে র্

I ধা ধা ধা | ণা ণা -া I র্সা -না র্সা | -া -া -া } I
অ মৃ ত বা রি র্ বা র্ তা • • •

I না না -া | না না -া I না র্সা র্রসা | না র্সা -া I
মা টি র্ ক ঠি ন্ বা ধা হ• ল ক্ষী ণ্

I পা না না | না র্সা র্রা I র্রনা -া র্সা | -া -া -া I
দি কে দি কে হ ল দা র্ ণ • • •

I র্রা র্রা র্রা | -া র্রা র্রা I র্রা র্রা র্রা | র্রা র্রা -া I
ন ব অ ঙ্ কু র জ য় প তা কা য়্

I র্রজ্ঞা জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞা জ্ঞা র্মা I র্মর্রা -া -া | র্সা -া -া I
ধ• রা ত ল স মা কী • র্ ণ • •

I র্সর্মা -া র্মা | র্রা র্রা র্সা I র্রা -র্জ্ঞা র্জ্ঞর্রা | র্সা না -া I
ছি॰ ন্ ন হ য়ে ছে ব ন্ ধ ন ব ন্

I র্সা -া -া | -ণা -া -া I ধা -া ণা | ধা ধা ণা I
দী ॰ ॰ ॰ ॰ র্ ছি ন্ ন হ য়ে ছে

I ণধা -র্সা ণা | ধা পা -মা I পা -া -া | পধা মা -া I
ব ন্ ধ ন ব ন্ দী ॰ র্ হে॰ গ ম্

I পা -া -া | ন্া ন্া -া I সা -া -া | -া সা সা II II
ভী ॰ র্ হে গ ম্ ভী ॰ ॰ র্ "নী ল"

দেখা না-দেখায় মেশা হে বিদ্যুৎলতা,
কাঁপাও ঝড়ের বুকে একি ব্যাকুলতা ॥
গগনে সে ঘুরে ঘুরে খোঁজে কাছে, খোঁজে দূরে-
সহসা কী হাসি হাস', নাহি কহ কথা ॥
আঁধার ঘনায় শূন্যে, নাহি জানে নাম,
কী রুদ্র সন্ধানে সিন্ধু দুলিছে দুর্দাম।
অরণ্য হতাশপ্রাণে আকাশে ললাট হানে,
দিকে দিকে কেঁদে ফেরে কী দুঃসহ ব্যথা ॥

II সা সা সর্সা | ণা র্সা -র্রা I ণা র্সা -দা | র্সা -া -া I
দে খা না॰ দে খা য়্ মে শা ॰ হে ॰ ॰

I র্সর্রা র্রা -র্জ্ঞা | র্জ্ঞর্রা -র্সা ণর্সা I র্সণা -দা -ণা | -পা -া পা I
হে॰ বি দ্ দু ৎ ল॰ তা ॰ ॰ ॰ ॰ কাঁ

I পা -ধা -ণা | -র্সা -া ণধা I ণা -া ধা | ণা -া পা I
পা ॰ ॰ ॰ ও ঝ॰ ড়ে র্ বু কে ॰ এ

I ধা -মা পা | মা -ণা ণা I মজ্ঞা -া -া | র্সা -া -া II
কী ॰ ব্যা কু ॰ ল তা॰ ॰ ॰ হা ॰ য়্

II { র্সর্জ্ঞা র্জ্ঞা র্জ্ঞা | র্জ্ঞা র্জ্ঞা র্জ্ঞা I র্জ্ঞর্মা র্মা -া | র্রা র্সা -া I
গ ॰ গ নে সে ঘু রে ঘু ॰ রে ॰ খোঁ জে ॰

I র্রা র্রা -র্জ্ঞা | র্রা র্সা -র্রা I ণর্সা ণদা -া | -া -া -া } I
কা ছে ॰ খোঁ জে ॰ দূ॰ রে॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I র্রা র্রা র্রা | র্রা র্সা র্সা I সা সা -া | -া -া -া I
স হ সা কী হা সি হা স • • • •

I সা রা মা | পা -মা পা I পণা -া -া | -মা -া পা I
না হি ক হ • ক থা• • • • • কাঁ

I মা -পা -ণা | -র্সা -া ণধা I ণা -া ধা | ণা -পা পা I
পা • • • ও ঝ• ড়ে র্ বু কে • এ

I ধা -মা পা | মা -ণা ণা I মজ্ঞা -া -া | র্সা -া -া II
কী • ব্যা কু • ল তা• • • হা • য়্

II { মা পা -া | পা পা -া I পমা -ণা -ধা | পা -া -া I
আঁ ধা র্ ঘ না য়্ শূ • ন্ নে • •

I মা পা -মা | ণা ণা -মা I মপা -মা -া | -জ্ঞা -া -া I
না হি • জা নে • না• • • • • ম

I ধা ধা -া | ধা ধা -ণা I ধা র্সণা -া | ধা া পা I
কী রু দ্ র স ন্ ধা নে• • সি ন্ ধু

I মা পা -মা | ণা ধা -া I পা -া -া | -া -া -া } I
দু লি • ছে দু র্ দা • • • • ম্

I র্জ্ঞা র্জ্ঞা -া | র্জ্ঞা -া র্জ্ঞা I র্জ্ঞর্মা -া র্রা | র্রা -র্সা র্সর্রা I
অ রু ণ্ ণ • হ তা শ্ প্রা ণে • আ•

I ণর্সা -া -পা | না -র্সা র্সর্রা I ণর্সা -া পা | না -র্সা র্সা I
কা• • • শে • ল• লা• ট্ হা নে • দি

I ণর্সা -া ণধা | ণা -া ধা I ণ়া -া ধা | পা -া -া I
কে৹ ৹ দি ৹ কে ৹ কেঁ দে ৹ ফে রে ৹ ৹

I সা রা -া | মা মা পা I পণা -া -া | -মা -া পা I
কী দু স্ স হ ব্য থা ৹ ৹ ৹ ৹ ৹ কা

I মা -পা -ণা | -র্সা -া ণধা I ণা -া ধা | ধণা -পা পা I
পা ৹ ৹ ৹ ও ঝ৹ ড়ে র্ বু কে৹ ৹ এ

I ধা -মা পা | পমা -ণা ণা I মজ্ঞা -া -া | র্সা -া -া II II
কী ৹ ব্যা কু ৹ ল তা ৹ ৹ ৹ হা ৹ য়্

৪৭

দূর রজনীর স্বপন লাগে আজ নূতনের হাসিতে,
দূর ফাগুনের বেদন জাগে আজ ফাগুনের বাঁশিতে।
হায় রে সে কাল হায় রে   কখন চলে যায় রে
আজ এ কালের মরীচিকায় নতুন মায়ায় ভাসিতে।
যে মহাকাল দিন ফুরালে   আমার কুসুম ঝরালো
সেই তোমারি তরুণ ভালে ফুলের মালা পরালো।
শুনিয়ে শেষের কথা সে   কাঁদিয়ে ছিল হতাশে,
তোমার মাঝে নতুন সাজে শূন্য আবার ভরালো।
আমরা খেলা খেলেছিলেম,   আমরাও গান গেয়েছি।
আমরাও পাল মেলেছিলেম, আমরা তরী বেয়েছি।
হারায় নি তা হারায় নি   বৈতরণী পারায় নি—
নবীন চোখের চপল আলোয় সে কাল ফিরে পেয়েছি॥

II র্সা -র্গা র্রা র্সনা | ধপা -া -া -া I সা সা গা গরা | গা -পা -া -া I
দূ ব্ র জ০ নী০ ০ ০ র্ স্ব প ন লা০ গে ০ ০ ০

I পা -না না ধা | না -া -া -া I নর্সা র্সনা ধপা -া | -া -া -া -া I
আ জ্ নূ ত নে ০ ০ র্ হা০ সি তে০ ০ ০ ০ ০ ০

I পা -ণা ণা ধা | র্সণা -া -ধা -পা I পা -ধা ণা ণধা | পধা -া পা -া I
দূ র্ ফা গু নে০ ০ ০ র্ বে ০ দ ন জা০ ০ গে ০

I গা -মা -পা -ধা | মপা র্সা -া র্সা I ণা -ধা পা -ধা | -পধা -পা গা গা I
আ ০ ০ ০ ০ ০ জ্ ফা গু ০ নে ০ ০০ র্ বাঁ শি

I মা -া -া -া | গা -া মা -া I গা -া মা -পমা | মগা -া মা -া I
তে ০ ০ ০ হা য়্ রে ০ সে ০ কা ০ল্ হা য়্ রে ০

I মা -পা পা -া | পা -া পা -ধপা I পগা -া মা -া | গা -া মা -া I
ক • থ ন্ চ • লে •• যা য়্ রে • হা য়্ রে •

I মা -পা -া পা ⁞ পা -া পা -া I -া -া পা ধা | ধণা -া ধা -া I
আ • জ্ এ কা • লে • • ব্ ম রী চি• • কা য়্

I ধা -ণা ণা -র্া | র্সা -া ণা -ধা I -পধা -ধপা মগা গা | মা -া -া -া I
ন • তু ন্ মা • য়া • •• য়্ ভা• সি তে • • •

I পা -া না না | না -া -া -া I র্সা -া র্া না | র্সা া -া -া I
যে • ম হা কা • • ল্ দি ন্ ফু রা লে • • •

I পা -ধা ধা -র্সা ⁞ ণা -া -ধা -পা I পা -ধা ণা -া | ণা -ধা পা -ণধা I
আ • মা ◦ • • • র্ কু • সু ম্ ঝ • রা ••

I পা -া -া -া | -া -া -া -া I র্সা -র্গা -া র্গা | র্গা -া র্গা -া I
লো • • • • • • • সে ই • তো মা • রি •

I র্গা -র্পা র্মা র্গা | র্রর্গা -া র্রর্সা -া I না -র্সা র্সা -র্গা ⁞ র্গর্রা -া র্সা -না I
ত • রু ণ ভা• • লে• • ফু • লে র্ মা • লা •

I -ধনা -া র্সা র্সনা ⁞ ধপা -া -া -া I সা গা গা -া | গা -া গা -া I
•• • প রা লো• • • • শু নি যে • শে • যে র্

I গা -রা গা -া | গা -পা -া -া I পা পা পা -া ⁞ পা -ধা ধপা -া I
ক • থা • সে • • • • কাঁ দি য়ে • ছি • ল••

I মা -গা রা -পমা | গা -া -া -া I পা -না না -া ⁞ না -া না -া ⁞
হ • তা •• শে • • • তো • মা র্ মা • ঝে •

I র্সা -া র্রা র্গর্রা | র্সনা -া র্সা -া I র্সা -র্গা -া র্রা | র্রর্গা -র্মা র্মর্গা -া I
ন • তু ন• সা• • জে • শ্ • ন্ ন আ• • বা •

I -র্সা -র্গা র্রা র্সনা | ধপা -া -া -া I সা -পা পা -া | -া -া পা পা I
• র্ ভ রা• লো• • • • আ ম্ রা • • • খে লা

I পা -ক্ষা পা -া | পা -ক্ষা ধপা -া I গা -মা ধপা -া | -া পা মা -গা I
খে • লে • ছি • লে• ম্ আ ম্ রা• • • ও গা ন্

I রা -া গা -মা | গা -া -া -া I পা -না না -া | -া না না -া I
গে • য়ে • ছি • • • আ ম্ রা • • ও পা ল্

I না -া র্রর্সা না | ধা -না নপা -া I পা -ধা র্সা -ণা | -া -া ধা পা I
মে • লে• • ছি • লে ম্ আ ম্ রা • • • ত রী

I মা -গা গা -রগা | মা -া -া -া I গা -া গা -মা | মা -া পমা -া I
বে • য়ে • • ছি • • • হা • রা য়্ নি • তা• •

I গা -া গা -মা | মা -া -া -া I মা -পা -া পা | পা -া ধপা -া I
হা • রা য়্ নি • • • ব ই • ত র • ণী• •

I মগা -া গা -মা | মা -া -া -া I মা -পা পা পা | পা -া পা -া I
পা• • রা য়্ নি • • • ন • বী ন চো • খে র্

I পা -ধা ণা ধা | পা -ধা ধপা -া I পা -না না -া | -া -া না না I
চ • প ল আ • লো য়্ সে • কা • • ল্ ফি রে

I না -া না -র্সা | র্সা -া না না I ধনা -া র্সা -না | ধপা -া -া -া II II
পে • য়ে • ছি • ফি রে পে• • য়ে • ছি • • • •

৪৮

সুনীল সাগরের শ্যামল কিনারে
দেখেছি পথে যেতে তুলনাহীনারে।
এ কথা কভু আর পারে না ঘুচিতে,
আছে সে নিখিলের মাধুরীরুচিতে।
এ কথা শিখানু যে আমার বীণারে,
গানেতে চিনালেম সে চির-চিনারে।
সে কথা সুরে সুরে ছড়াব পিছনে
স্বপনফসলের বিছনে বিছনে।
মধুপগুঞ্জে সে লহরী তুলিবে,
কুসুমকুঞ্জে সে পবনে দুলিবে,
ঝরিবে শ্রাবণের বাদলসিচনে।
শরতে ক্ষীণ মেঘে ভাসিবে আকাশে
স্মরণবেদনার বরনে আঁকা সে।
চকিতে ক্ষণে ক্ষণে পাব যে তাহারে
ইমনে কেদারায় বেহাগে বাহারে॥

II সা সা সা ⁝ সা -ন্‌া সা I সরা -া -া | -া -া -া I
সু নী ল সা • গ রে॰ • • • • র্

I রা রা গা ⁝ মা -পা পা I পধা -ধপা -া | -মা -া -গা I
শ্যা ম ল কি • না রে॰ • • • • •

I রা গা রা | সা ন্‌ধ্‌া ন্‌া I সা -া -া | -া -া -া I
দে খে ছি প থে॰ যে তে • • • • •

I ধা ধা ধা | ধা -পা ধা I ধণা -া -া | -া -া -ধা I
তু ল না হী • না রে॰ • • • • •

I পা পা ধা | ধপা -র্সা ণা I ধা -া -া | -া -া -া I

তুল না হী • না রে • • • • •

I মা পা পা | পা -না না I না -া -া | -া -া -পা I

এ ক থা ক • ভু আ • • • • র্

I পা না না | র্সা -র্রা না I র্সা -া -া | -া -া -া I

পা রে না ঘু • চি তে • • • • •

I র্সা র্রা র্সা | র্সর্রা -া র্সা I র্সর্রা -া -া | -না -া -া I

আ ছে সে নি॰ • খি লে॰ • • • • র্

I না র্সা র্সা | র্সনা -র্সর্রা র্রর্সা I র্সা -া -া | -ণা -া -া I

মা ধু রী রু • • চি তে • • • • •

I ধা ণা ধা | পা পা পমা I পা -ণা -া | -া -া -া I

এ ক থা শি খা নু॰ যে • • • • •

I ধা ধা ণা | ণধা -র্সণা ধা I ধণা -া -া | -া -া -র্সা I

আ মা র বী • • ণা রে • • • • •

I র্সা ণা ধা | পা -ধপা মগা I মা -া -া | -পা -ধা -পা I

গা নে তে চি • • না॰ লে • • • • ম্

I মা পা পমা | জ্ঞা -া রা I সা -া -া | -া -া -া I

সে চি র চি • না রে • • • • •

I সা গা গা | গা গরা গা I মা -া -া | -া -া -া I

দে খে ছি প থে॰ যে তে • • • • •

I ধা ধা ধা | ধা -পা ধা I ধণা -া -া | -া -া -ধা I
তু ল না হী ॰ না রে॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I পা পা ধা | ধপা -র্সা ণা I ধা -া -া | -া -া -া I
তু ল না হী ॰ না রে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I সা জ্ঞা জ্ঞা | জ্ঞা জ্ঞরা জ্ঞরা I মজ্ঞা -া -া | -া -া -রা I
সে ক থা স্ব রে॰ স্ব॰ রে॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I সা রা জ্ঞরা | সা -রা ন্া I সা -া -া | -া -া -া I
ছ ড়া ব॰ পি ॰ ছ নে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I সা গা গা | গা -া গা I গা -া -া | -মা -পা -দা I
স্ব প ন ফ ॰ স লে ॰ ॰ ॰ ॰ ব্

I মপা পা মা | রমা -জ্ঞা রা I সা -া -া | -া -া -া I
বি॰ ছ নে বি॰ ॰ ছ নে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I মা পা পা | পা -া পা I পা -া -া | -মা -জ্ঞা -মা I
ম ধু প গু ন্ জে সে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I মা পা পা | পদা -পা হ্মা I পা -া -া | -া -া -ণা I
ল হ রী তু॰ ॰ লি বে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I ণা ণা ণা | ণা -ধা ণধা I র্সণা -া -া | -া -া -ধা I
কু সু ম কু ন্ জে॰ সে॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I পা ধা ণধা | ধপা -ধা হ্মা I পা -া -া | -া -া -র্সা I
প ব নে॰ দু ॰ লি বে ॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I র্সা ণা ধা | পা -ধপা মগা I মা -া -া | -পা -ধা -পা I
ঝ রি বে শ্রা ·· ব· ণে · · · · ব্

I পমা পা মা | জ্ঞা -া রা I সা -া -া | -া -া -া I
বা দ ল সি · চ নে · · · · ·

I মা পা পা | পা -না না I না -া -া | -া -পা -না I
শ্ ষ তে ক্ষী ণ্ মে ঘে · · · · ·

I না র্সা র্সা | র্সর্রা -র্সা না I র্সা -া -া | -া -া -া I
ভা সি বে আ· · কা শে · · · · ·

I র্সা র্রা র্সা | র্সর্রা -া র্সা I র্সর্রা -া -া | -না -া -া I
স্ম র ণ বে· · দ না· · · · · ব্

I না র্সা র্সা | র্সনা -র্সর্রা র্সা I র্সা -া -া | -ণা -া -া I
ব র নে আঁ ·· কা সে · · · · ·

I ধা ণা ধা | পা পা পমা I পা -ণা -া | -া -া -া I
চ কি তে ক্ষ ণে ক্ষ·· ণে · · · · ·

I ধা ণা ণা | ণধা -র্সণা ধা I পা -া -া | -া -া -র্সা I
পা ব যে তা ·· হা রে · · · · ·

I র্সা ণা ধা | ধপা -ধপা মগা I মা -া -া | -পা -ধা -পা I
ই ম নে কে ·· দা· রা · · · · র্

I মা পা মা | রা -মজ্ঞা রা I সা -া -া | -া -া -া I
বে হা গে বা ·· হা রে · · · · ·

I সা গা গা | গা গরা গা I মা -া -া | -া -া -া I
দে খে ছি প থে॰ যে তে • • • • •

I ধা ধা ধা | ধা -পা ধা I ধণা -া -া | -া -া -ধা I
তু ল না হী • না রে॰ • • • • •

I পা পা ধা | ধপা -র্সা ণা I ধা -া -া | -া -া -া II II
তু ল না হী • না রে • • • • •

আন্‌মনা, আন্‌মনা,
তোমার কাছে আমার বাণীর মাল্যখানি আনব না ॥
বার্তা আমার ব্যর্থ হবে, সত্য আমার বুঝবে কবে,
তোমারো মন জানব না,
আন্‌মনা, আন্‌মনা ॥
লগ্ন যদি হয় অনুকূল মৌনমধুর সাঁঝে,
নয়ন তোমার মগ্ন যখন ম্লান আলোর মাঝে ;
দেব তোমায় শান্ত সুরের সান্ত্বনা ॥
ছন্দে গাঁথা বাণী তখন পড়ব তোমার কানে
মন্দ মৃদুল তানে,
ঝিল্লি যেমন শালের বনে নিদ্রানীরব রাতে
অন্ধকারের জপের মালায় একটানা সুর গাঁথে,
একলা তোমার বিজন প্রাণের প্রাঙ্গণে
প্রান্তে বসে একমনে
এঁকে যাব আমার গানের আল্‌পনা,
আনমনা, আন্‌মনা ॥

II { মা -পা পা | পা -া -ধা I পধা -না না | ধপা -া -া I
আ ন ম না • • আ• ন্ ম না• • •

I (পা পা -দা | দা দা -ণদা I পা পা -দা | পা পা -দা I
তো মা র্ কা ছে • • আ মা র্ বা ণী র্

I দমা -া পা | দা ণদা -পা I মা -দা পা | মগা -া -মা) } I
মা ল্ ল খা নি• • আ ন্ ব না • •

I পা -া ধর্সা | র্সা র্সা -া I র্সা -না র্রা | র্সা র্সা -র্র্সা I
বা র্ তা• আ মা র্ ব্য র্ থ হ বে • •

I না -া র্রা | র্সা র্সা -না I ধা. -র্সা র্সা | না ধপা -া I
স ত্ ত আ মা র্ বু ঝ্ বে ক বে• •

I পা দা -া | দা পা -া I মা -দা পা | মগা -া -মা II
তো মা • রে৷ ম ন্ আ ন্ ব না• • •

II র্সা -া র্জ্ঞা | র্রা র্রা -র্জ্ঞা I র্রা -র্মা র্মা | র্জ্ঞা র্রা -র্জ্ঞা I
স গ্ ন য দি • হ্ য়্ স্ব স্ক কু ল্

I র্জ্ঞর্সা -া র্রা | র্রা র্জ্ঞা -র্রা I র্সর্রা র্সনা -া | -া -া -া I
মো উ ন ম ধু র্ সাঁ• ঝে• • • • •

I না না -র্সা | র্সা র্সা -া I র্সা -না র্রা | র্সা র্সা -র্রর্সা I
ন য় তো মা র্ ম গ্ ন য থ •ন্

I না -া র্রা | র্সা র্সা -না I ধনা ধপা -া | -া -া -া I
ম্লা • ন আ লো র্ মা• ঝে • ০ • ০

I পা না -া | ধা না -া I পা -া ধা | পা পা -মা I
দে ব • তো মা য়্ শা ন্ ত স্ব রে র্

I মপা -ধা পা | মগা -া -মা II
সা• ন্ ত্ব না• ০ •

II সা -া সা | রা রা -া I রা গা -া | রা গা -া I
ছ ন্ দে গাঁ থা • বা ণী • ত খ ন্

I সা -া সা | রা রা -গা I রা গা -া | -া -া -া I
প ড়্ ব তো মা র্ কা নে • • • •

স্বরবিতান তৃতীয় খণ্ড প্রকাশিত হয় বৈশাখ ১৩৪৫ সালে। প্রথম-প্রকাশিত এই গ্রন্থের সম্পাদনা শ্রীশৈলজারঞ্জন মজুমদার-কৃত। আষাঢ় ১৩৫৯ সালে মুদ্রিত দ্বিতীয় সংস্করণের সম্পাদনা করেন অনাদিকুমার দস্তিদার। 'তুমি কিছু দিয়ে যাও' গানটির স্বরলিপি স্বরবিতান পঞ্চম খণ্ডে 'নবীন' -গীতিগুচ্ছের অন্যতমরূপে মুদ্রিত থাকায় বর্তমান গ্রন্থের দ্বিতীয় সংস্করণ (আষাঢ় ১৩৫৯) হইতে উহা বর্জিত হইয়াছে।

এই গ্রন্থের প্রায় সব স্বরলিপি দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর-কৃত। শান্তিনিকেতনের ছাত্রী শ্রীমতী সাবিত্রী গোবিন্দের কণ্ঠে বিভিন্ন দক্ষিণ-ভারতীয় গান শুনিয়া রবীন্দ্রনাথ যে সকল গান রচনা করেন 'নীলাঞ্জনছায়া' তাহার অন্যতম। উহার দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর-কৃত স্বরলিপি বর্তমান গ্রন্থে ১১-সংখ্যক গানের প্রথম স্বরলিপিরূপে মুদ্রিত। সাবিত্রীদেবী-কর্তৃক প্রচারিত দক্ষিণ-ভারতীয় সুরে রচিত অন্য তিনটি রবীন্দ্র-সংগীতের স্বরলিপি স্বরবিতান পঞ্চম খণ্ডে আছে। 'নীলাঞ্জনছায়া' গানটির অপেক্ষাকৃত অলংকৃত একটি রূপ শ্রীমতী সাবিত্রীদেবীর সৌজন্যে পাওয়া গিয়াছে; উহা শ্রীশৈলজারঞ্জন মজুমদার-কর্তৃক লিপিবদ্ধ ও ১১-সংখ্যক গানের ভিন্ন স্বরলিপিরূপে মুদ্রিত হইয়াছে। এই গানটির গীতরীতি সম্পর্কে বিশেষ অবহিত হওয়া আবশ্যক।

এই গ্রন্থের অন্তর্ভুক্ত গান ও স্বরলিপি সম্পর্কে এ যাবৎ সংগৃহীত তথ্যাদি, এবং উহাদের সুরভেদ, ছন্দোভেদ, পাঠভেদ ও রচনাকাল-প্রকাশকাল বর্তমান সংস্করণে সন্নিবিষ্ট হইল। উল্লিখিত তথ্যাদি সংগ্রহ ও সংকলন করিয়াছেন শ্রীপ্রফুল্লকুমার দাস।

কার্তিক ১৩৮৭

স্বরভেদ/ছন্দোভেদ

১. আমার ঢালা গানের ধারা সেই তো তুমি পিয়েছিলে

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

র্রা -া সা -র্রা I ন্া -া | -সা সা -া -া I··· | পা -ধা ধপা -া I
পি • য়ে • ছি • • লে • ◦ নি • যে •

I মগা -া | -মা মা -া -পা II
ছি • • লে • ◦

II পা -া | -া পা -া -া I পমা -পা | -মা জ্ঞা -া -মা I I না -া | -র্সা র্সা -া -া I না -া |
ম • ন্ য • • সে • • মো • র সু • • বে ◦ ◦ ত •

| -র্রা র্সা -া -া I ণা -া | -ধা ণা -া -া I ধা -া | -র্সা র্সণা -া -া I
• খ ন • আ • • মা • র বা ◦ ◦ থা • র

I ধা -পা | -ধা পা -া -ধা I···I মগা -া | -মা মা -া -া I
সু • • রে • ◦ ছি • • লে • •

I মা -পা | পমা -া জ্ঞা -রা I জ্ঞা -া | জ্ঞা -রা মজ্ঞা -রা I সা -া |
আ • মা র ধা • থা ◦ স্ব • প ন মা •

| -র্রা র্রা -পা -া I···I ন্া -া | -সা সা -া -া I···
• লা • • ছি ◦ • লে ◦ •

I রা -া | -া পা -া -া I···I পা -া | -া পা -া -া I মা -া |
চ • • লে • • প • ◦ রং • • আ •

| -পা মজ্ঞা -া -মা I পা -া | -না না -া -া I না -া | -র্সা র্সা -া -া I···
• লো • য় বা • • দ ন • মে • • দে • ◦

I না -া | র্সা র্সা -া -া I না -া | -র্রা র্সা -া -া I ণা -া | -ধা ণা -া -া I
লে • ◦ গে • • এ • ই শ্যা • • ম • • লে • •

I ধা -া | -র্সা র্সণা -া -া I ধা পা | -ধা পা -া -ধা I···I মগা -া |
এ ০ ০ নী ০ ০ লি ০ ০ মা ০ য় ছি ০

| -মা মা -া -া I···জ্ঞা -রা I জ্ঞা -া জ্ঞা -রা মজ্ঞা -রা I সা -া |
০ লে ০ ০ গা ০ খা ০ স্ব ০ প ন্ মা ০

I -রা রা পা -া
০ লা ০

২. এবার দুঃখ আমার অসীম পাথার

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

[না -া না | ধ]
স্বরলিপি-সূচনা : II মা -া ধা | পা পা -া I
দুঃ ০ ০ খা মা ০

৪. হার মানালে গো, ভাঙিলে অভিমান

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

I গা -মা রা -া | গা -রা সা -া I
গো ০ লো ০ পা ন খা ন

৮. আমার নয়ন তোমার নয়নতলে

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি

সা সা II রা -া -পা | -মপা -ধপা -া I পধা -া -রা | · ·
আ মার ন ০ ০ ০০ ০০ ০ য় ০ ০

১০. একটুকু ছোঁওয়া লাগে, একটুকু কথা শুনি

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

I র্সা -া র্সা র্জ্ঞা র্ঋা -র্জ্ঞা I
ফা ব্ না কা পা য়্

১২. আজি সাঁঝের যমুনায় গো

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি

I র্রা -র্মা র্জ্ঞা র্জ্ঞর্রা | র্মজ্ঞা -া -র্ঋা -র্সা I র্ঋা -া সা -া | র্ঋা -া র্সা -া I
সা ০ রি গা নে ০ ০ ০ নি ০ দা য় স্মৃ ০ তি ০

I পা -ধা -া পা | না ধা না -া I র্সা র্গা র্গর্রা -না | র্সা…
গ ন্ • ধ রে খে বা য়্ ম ধু রা • রে

I ধা না র্সা -র্সনা | ধপা -া -া -া I র্সা না ধপা -া | হ্মা ধা পা -া I
ছা য়ে ছা • য়ে • • • ধ র ণী • শি হ রা য়্

I মা মা মা -া | মা -া -া -া I মা মা মা -া | মা -া মা মা I
পা য়ে পা • য়ে • • • ক ল সে • ক ঙ্ ক নে

I মা মা মা -গা | পা -া - -া I সা সা রা রা | গা রা পা গা I
কি নি কি • নি • • • কি নি কি নি কি নি কি নি

I মা -া মা -পা | মপা পা মা -া I সমা মা মা -গা | পা -া -ধা -না II
আ • মা • ম ন ক য়্ চি নি চি • নি • • •

II সা -া সা -া | রা রা গা গা I মা -ধা পা গা | মা -া -া -া I…
পা • রু ল্ গু ধা ই ল কে • তু মি গো • • •

I ধা -র্সা র্সা না | ধনা -া ধা পা I পা -া ধা পা | না ধা না -া I
কে • তু মি কে • তু মি কা • মি নী ফু ল কু ল্

I র্সা র্গা র্গর্রা -না | র্সা … I নধা না র্সা -নর্সনা | ধপা -া -া -া I
ব র ষি • তে প র শি • • • ছে • • •

I সা না ধপা -া | হ্মা ধা পা পা I মা মা মা -া | মা -া -া -া I
আঁ ধা রে • তা রা গু লি হ র ষি • ছে • • •

I মা -া মা -া | মা মা মা মা I মা মা মা -গা | পা -া -া -া I…
ঝি ল্ লি • ঝ ন কি ছে ঝি নি ঝি • নি • • •

I মা -া পা -ধা | মপা পা মা -া I…
আ • মা র্ ম ন ক য়্

১৮. লিখন তোমার ধুলায় হয়েছে ধূলি

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

I -া গা -মা | গা গা -মা I পা পনা -া | ... I র্রা র্সা -না | ধনা ধপা -া II
• কো ন্ ভু লে • এ ল • আ খ র্ গু লি •

I -া -া পা | ধা ণা -র্রা I র্র্সা -া ধর্সা | র্সণা ণা ণা I ণা ধা পধা |
• • বি য় ে র্ কো ন্ ব্য থা ভ রা লি পি খা

| ধপা -া -া I সা রা গা | ...
নি • • মা ধ বী

২২. আমার প্রাণে গভীর গোপন মহা-আপন সে কি

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

অন্তরা ও আভোগ : I সা সা -া | রা -া | রা পা I পমা রা -া | -সা -া | -া -া II
ম হা • আ • প ন সে কি • • • • •

২৯. সকালবেলার আলোয় বাজে

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

সা -া -রা I জ্ঞা -া -ঋসা | সা সা -ঋা I জ্ঞা মা -পমা | মজ্ঞঋা -জ্ঞা ঋা I
বা • • জে • • • বি দা য়্ বা থা র ভৈ • র

I সা সা -দা | দা -া দা I দণা -া -া | -া -জ্ঞা -া I...
বাঁ আ ন্ বাঁ • শি তো • • • র্ •

৩০. মধুর, তোমার শেষ যে না পাই

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

I না -া -ধা | না -র্সা র্সনা I ধনা -পা -া | না -ধা -না I নর্সা -া -া |
গু ন্ • জ • রি ছে • • কো • • থা • •

I -পা -ধা -পা I -পধা -পা -র্সা | র্সা ণা -ধা I পমা -গা -া | -া -া -া II
• • • • • • য়্ নি রু • দ্দে শ্ • • •

৩১. তুমি উষার সোনার বিন্দু

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

| গা গা -রগা I গা মা -া | -া -া -দা I -া -া পা | দা পা দা I পা -া দা |
চু পে ◦ ◦ চু পে ◦ ◦ ◦ ◦ ◦ ◦ তু মি আ মার মু ক্ তি

| পা দা -পা I মা মপা -দা | দপা মা -গা I গা মা -া | -া -া -া I…
হ য়ে ◦ এ লে ◦ বাঁ ধ ন রূ পে ◦ ◦ ◦ ◦

৩৫. ছিন্নপাতায় সাজাই তরণী

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

I পা ধা ধপা মা | মা -গা রা সা II
ঝ রা নো বি কা ল বে লা

I ধা র্সা র্সণা -া | পধা -া পা -া I পা ণা ণা ধা | ণা -ধা ণা…
স ক লি ◦ হা ◦ রা য়্ চি র দি ন আ ◦ মি

৪৬. দেখা না-দেখায় মেশা হে বিদ্যুৎলতা

স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)। দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত স্বরলিপি :

স্বরলিপি ২।৪ মাত্রা-ছন্দে লিখিত।

পাঠভেদ

৩. আমার আঁধার ভালো

ওরা ডাকে আমায় পূজার ছলে
এসে দেখি দেউল তলে : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

ওদের সমারোহে ভুলিয়ে আনে,
এসে দেখি দেউল পানে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৬. রঙ লাগালে বনে বনে

আন্ বাঁশি— আন্ রে তোর
আন্ রে বাঁশি,
উঠল সুর উচ্ছ্বাসি ফাগুন-বাতাসে।
আজ দে ছড়িয়ে ছড়িয়ে
শেষ বেলাকার কান্না হাসি : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

আন্ বাঁশি তোর আন্‌রে,
লাগলো সুরের বান রে,
বাতাসে আজ দে ছড়িয়ে
শেষ বেলাকার গান রে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৭. ওরে প্রজাপতি, মায়া দিয়ে

ওরে প্রজাপতি, মায়া দিয়ে কে যে
পরশ করিল তোরে!
অস্ত রবির তুলিখানি চুরি ক'রে।
বাতাসের বুকে যে-চঞ্চলের বাসা
বনে বনে তুই বহিস্ তাহারি ভাষা,
অপ্সরীদের দোল-খেলা ফুল-রেণু
পাঠায় কে তোর দু-খানি পাখায় ভ'রে॥
যে-গুণী তাহার কীর্তি নাশার নেশায়
চিকন রেখার লিখন শূন্যে মেশায়,
সুর বাঁধে আর সুর যে হারায় ভুলে
গান গেয়ে চলে ভোলা রাগিণীর কূলে,
তা'র হারা সুর নাচের হাওয়ার বেগে
ডানাতে তোমার কখন পড়েছে ঝরে॥ : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৯. তুমি বাহির থেকে দিলে বিষম তাড়া

ঘুমের ঘোরেই আসে মনে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
কথার অংশ, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

ঘুমের ঘোরে আসে মনে : স্বরলিপি, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

১১. একটুকু ছোঁওয়া লাগে, একটুকু কথা শুনি

যেটুকু কাছেতে আসে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
কথার অংশ, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

যা কিছু কাছেতে আসে : স্বরলিপি, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

১২. আজি সাঁঝের যমুনায় গো

যায় যাবে সে, ফিরে ফিরে : গীতবিতান ২ (আশ্বিন ১৩৪৮)

যায় যদি যাক্‌, ফিরে ফিরে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

১৬. চপল তব নবীন আঁখি দুটি

স্বরবিতান তৃতীয় খণ্ডে মুদ্রিত কথার অংশের অতিরিক্ত নিম্নোদ্ধৃত ছত্রগুলি গীতবিতান তৃতীয় খণ্ডে (শ্রাবণ ১৩৩৯) আছে :

চপল তব নবীন আঁখি দুটি
যা কিছু মোর ভাবনা ছিল সকলি নিল লুটি।
সকল-ভোলা ডাকিয়া মোরে আনিল লীলাভরে
দুয়ার খোলো পুরাণো খেলাঘরে,
যেথায় ছিনু সবার কাছাকাছি
অজানা ভাবে অবুঝ গান যেথানে গাহিয়াছি।
প্রাণের মাঝে বানের মতো ক্ষ্যাপামি এল ছুটি
কাজের বাধা সকলি গেল টুটি।
চপল তব নবীন আঁখি দুটি
সে আঁখিপাতে আকাশ উঠে ফুলের মতো ফুটি।

ইসারা তার চমক দেয় চিতে
অশোক বন বাজিয়া উঠে রঙীন রাগিণীতে।
অলস হাওয়া আধেক জেগে জেগে
গগন পটে কী ছেলেখেলা খেলায় মেঘে মেঘে।
কমল কলি বুলায় বুকে কোমল কচি মুঠি,
পরাণে মনে নিখিলে জেগে উঠি॥

১৮. লিখন তোমার ধুলায় হয়েছে ধূলি
পুন বুঝি দিল দেখা…
তোমার পুরানো আখরগুলি…
মনে দিল আজি আনি
বিরহের কোন্ ব্যথাভরা লিপিখানি…
তোমার পুরানো আখরগুলি : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

মনে হয় কেন পুন বুঝি দিল দেখা…
তোমার আখরগুলি…
দখিন পবনে মনে দিল আজি আনি,
বিরহব্যথার প্রথম পত্রখানি…
তোমার আখরগুলি : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

২০. সেই ভালো সেই ভালো
আমারে না হয় না জানো : স্বরলিপি, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)
আমায় না হয় না জান : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
কথার অংশ, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

২২. আমার প্রাণে গভীর গোপন
নয়ন যায় গো ঠেকি : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
নয়ন যায় যে ঠেকি : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

তাহার ভেরি বাজে : স্বরলিপি, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)
তাহারি ভেরী বাজে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
কথার অংশ, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

২৬. সে কোন্ পাগল যায়
সে কোন্ পাগল যায় পথে তোর : গীতবিতান ২ (আশ্বিন ১৩৫৮)
সে কোন্ পাগল যায় পথে তার : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
কথার অংশ, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

সুদূর দেশের বাণী ও যে
যায় বলে, হায়, কে তা বোঝে : গীতবিতান ২ (আশ্বিন ১৩৫৮)
গান ফেরে তার গগন খুঁজে
কোন্ বেদনায় কেই তা বুঝে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
সুদূর দেশের বাণী ওযে
যায় চলে হায় কে তা বোঝে : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

কী সুর বাজায় একতারাতে : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)
ঘুম-ভাঙা তার একতারাতে
কোন্ বাণী কয় একলা রাতে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

বৃথাই কেন আসন পাতো : স্বরলিপি, স্বরবিতান ৩ (বৈ াখ ১৩৪৫)
মিথ্যা তাহার আসন পাতো : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
কথার অংশ, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

২৭. ছুটির বাঁশি বাজল যে ওই
কানন জুড়ি উঠ্‌ছে দুলি : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
কথার অংশ, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

কানন জুড়ি উঠল দুলি : স্বরলিপি, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

৩১. তুমি উষার সোনার বিন্দু
'প্রতিপদে চাঁদের স্বপন শুভ্র মেঘে ছোঁওয়া' ছত্রটি গীতবিতানে (তৃতীয় খণ্ড : শ্রাবণ ১৩৩৯) নাই।

৩৩. বাঁশি আমি বাজাই নি কি
কাটিয়ে দিয়ে যাওগো নিয়ে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
শেষ করিয়ে যাওগো নিয়ে : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

৩৫. ছিন্নপাতার সাজাই তরণী
লক্ষ্যবিহীন স্রোতের ধারায় : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
লক্ষ্যবিহীন পথের ধারায় : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

৩৮. আরো একটু বসো তুমি, আরো একটু বলো
তার কিছু কি আভাস পেলে : স্বরলিপি, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)
তার কি কিছু আভাস পেলে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
কথার অংশ, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

৪০. পথে চলে যেতে যেতে

তোমার পরশ আসে কখন কে জানে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

তোমার পরশ আসে কোথায় কে জানে : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

সহসা দারুণ দুখতাপে : গীতবিতান ১ (জ্যৈষ্ঠ ১৩৫৮)

সহসা দারুণ দুঃখতাপে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

৪১. দিনশেষে বসন্ত যা প্রাণে গেল বলে

তুমি তারি উপবনে : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

সেদিনেরি উপবনে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

৪৭. দূর রজনীর স্বপন লাগে

আমরা খেলা খেলেছিলাম
আমরাও গান গেয়েছি : গীতবিতান ২ (আশ্বিন ১৩৫৮)

আমরাও খেলা খেলেছিলাম
আমরাও গান গেয়েছি : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

আমরাও পাল মেলেছিলেম
আমরা তরী বেয়েছি : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)

আমরাও পাল মেলেছিলেম,
আমরাও তরী বেয়েছি : স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

৪৮. সুনীল সাগরের শ্যামল কিনারে

ঝরিবে শ্রাবণের বাদলসিচনে : গীতবিতান ২ (আশ্বিন ১৩৫৮)

ঝরিবে বাদলের শ্রাবণ-সিচনে : গীতবিতান ৩ (শ্রাবণ ১৩৩৯)
স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

চকিতে ক্ষণে ক্ষণে পাব যে তাহারে : স্বরলিপি, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

চকিতে ক্ষণে ক্ষণে পাব রে তাহারে : গীতবিতান (শ্রাবণ ১৩৩৯)
কথার অংশ, স্বরবিতান ৩ (বৈশাখ ১৩৪৫)

রচনাকাল/প্রকাশকাল

গান	রচনা		প্রকাশ	স্বরলিপি	
	তারিখ/স্থান	তারিখ-প্রাপ্তিস্থান		সাময়িক পত্র/গ্রন্থ	স্বরলিপিকার
অরূপ, তোমার বাণী	২১ নবেম্বর [১৯২৬] বুখারেস্ট্	পাণ্ডুলিপি			
আজি সাঁঝের যমুনায়			'বিজলী ৭।১৩৩০' ভারতী ৮।১৩৩০		
আনমনা, আনমনা	১৯ অক্টোবর ১৯২৪ ষ্টীমার এণ্ডিস্	প্রবাসী ১১।১৩৩১	প্রবাসী ১১।১৩৩১		
আপনারে দিয়ে রচিলি	১ বৈশাখ ১৩৩৩ শান্তিনিকেতন	পাণ্ডুলিপি	শান্তিনিকেতন পত্রিকা ১।১৩৩৩		
আমার আঁধার ভালো			'উপাসনা, ভাদ্র' প্রবাসী ৭।১৩৩০	বিচিত্রা ৩।১৩৪১	শ্রীমতী সাহানা দেবী
আমার ঢালা গানের			প্রবাহিণী		
আমার নয়ন তোমার			পরিত্রাণ		
আমার প্রাণে গভীর			প্রবাসী ৪।১৩৩৩		
আয় আমাদের অঙ্গনে	২ শ্রাবণ ১৩৩৬ শান্তিনিকেতন	পাণ্ডুলিপি	প্রবাসী ৫।১৩৩৬		
আরো একটু বসো					
একটুকু ছোঁওয়া লাগে	২ ফাল্গুন ১৩৩৪	পাণ্ডুলিপি			
এবার দুঃখ আমার			প্রবাহিণী		
ওরে, ঝড় নেবে আয়	৩ শ্রাবণ ১৩৩৬ শান্তিনিকেতন	পাণ্ডুলিপি	প্রবাসী ৫।১৩৩৬		
ওরে প্রজাপতি, মায়া	২৭ ফাল্গুন ১৩৩৩	পাণ্ডুলিপি	নটরাজ		
কেন রে এতই যাবার	১ এপ্রিল ১৯২৬ সকাল	পাণ্ডুলিপি	প্রবাসী ৫।১৩৩৩		
ক্ষত যত ক্ষতি যত	২৫ নবেম্বর [১৯২৬] সিরিউস্	পাণ্ডুলিপি			
খরবায়ু বয় বেগে	১৮ অক্টোবর ১৯২৭ O & E hotel পিনাঙ	পাণ্ডুলিপি	'মানসী ও মর্মবাণী ১১।১৩৩৪' প্রবাসী ১২।১৩৩৪		

গান	রচনা		প্রকাশ	স্বরলিপি	
	তারিখ/স্থান	তারিখ-প্রাপ্তিস্থান		সাময়িক পত্র/গ্রন্থ	স্বরলিপিকার
চপল তব নবীন	১২ চৈত্র ১৩৩২	পাণ্ডুলিপি	প্রবাসী ৩।১৩৩৩		
ছিন্নপাতার সাজাই	২১ ফাল্গুন ১৩৩৩	পাণ্ডুলিপি		পাঠান্তর : স বি-প্র ২।১৩৩৯	অনাদিকুমার দস্তিদার
ছুটির বাঁশি বাজল	১৭ সেপ্টেম্বর [১৯২৬]	পাণ্ডুলিপি			
জানি তোমার প্রেমে	৩ মাঘ ১৩৩৪	পাণ্ডুলিপি			
তপস্বিনী হে ধরণী			প্রবাসী ৪।১৩৩৩		
তুমি আমায় ডেকেছিলে	২২ কার্তিক ১৩৩৪ শান্তিনিকেতন	পাণ্ডুলিপি			
তুমি উষার সোনার	২৪ সেপ্টেম্বর ১৯২৬ কল্যোন্	পাণ্ডুলিপি			
তুমি বাহির থেকে			পরিত্রাণ		
তোমার বীণা আমার	[২ চৈত্র ১৩৩২]	পাণ্ডুলিপি			
দিনশেষে বসন্ত	২৮ মাঘ ১৩৩৪	পাণ্ডুলিপি			
দিয়ে গেনু বসন্তের	৩০ মাঘ [১৩৩৪]	পাণ্ডুলিপি			
দূর রজনীর স্বপন	৩০ বৈশাখ ১৩৩৪ শিলঙ	পাণ্ডুলিপি			
দে পড়ে দে আমায়					
দেখা না-দেখায় মেশা					
নাই নাই ভয় হবে	১৮ সেপ্টেম্বর ১৯২৬ ম্যুনিক্	পাণ্ডুলিপি			
নীল অঞ্জনঘন পুঞ্জছায়ায়	২৬ শ্রাবণ [১৩৩৬]	পাণ্ডুলিপি	প্রবাসী ৫।১৩৩৬	স-বি-প্র ১০।১৩৩৬	দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর
নীলাঞ্জনছায়া				স-বি-প্র ৮।১৩৩৬	দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর

গান	রচনা		প্রকাশ	স্বরলিপি	
	তারিখ/স্থান	তারিখ-প্রাপ্তিস্থান		সাময়িক পত্র/গ্রন্থ	স্বরলিপিকার
নূপুর বেজে যায়	[চৈত্র-বৈশাখ ১৩৩২-৩৩]	পাণ্ডুলিপি	প্রবাসী ৩।১৩৩৩	স-বি-প্র ১।১৩৩৪	রমা মজুমদার
পথে চলে যেতে যেতে	৪ মাঘ ১৩৩৪	পাণ্ডুলিপি			
বাঁশি আমি বাজাই নি	২৪ নবেম্বর [১৯২৬] ডার্ডানেলিস্	পাণ্ডুলিপি			
মধুর, তোমার শেষ	২১ সেপ্টেম্বর ১৯২৬ স্টুটগার্ট্	পাণ্ডুলিপি	সবুজপত্র ৭-৮।১৩৩৩		
মরণসাগরপারে			প্রবাসী ৭।১৩৩৩		
রঙ লাগালে বনে বনে			নটরাজ		
লিখন তোমার	চৈত্র-বৈশাখ ১৩৩২-৩৩	পাণ্ডুলিপি	প্রবাসী ৫।১৩৩৩		
শিউলি ফুল, শিউলি	[২১-২৫ ফাল্গুন ১৩৩৬]	পাণ্ডুলিপি	নটরাজ		
সকাল বেলার কুঁড়ি	২০ সেপ্টেম্বর ১৯২৬ ন্যুর্নবর্গ	পাণ্ডুলিপি			
সুনীল সাগরের	৭ ফাল্গুন ১৩৩৬	পাণ্ডুলিপি			
সে কোন্ পাগল যায়	৮ সেপ্টেম্বর ১৯২৬ বল্টিক্	পাণ্ডুলিপি			
সে যে মনের মানুষ			উত্তরা ১০।১৩৩২		
সেই ভালো সেই ভালো			প্রবাসী ৫।১৩৩৩		
হার মানালে গো	২৭ চৈত্র ১৩৩২ সকাল	পাণ্ডুলিপি	প্রবাসী ৬।১৩৩৩		

স-বি-প্র — সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা পত্রিকা

তালিকায় উল্লিখিত গ্রন্থগুলির প্রকাশকাল :

প্রবাহিণী : অগ্রহায়ণ ১৩৩১ । পরিত্রাণ : জ্যৈষ্ঠ ১৩৩৬ । নটরাজ — নটরাজ ঋতুরঙ্গশালা : বিচিত্রা, আষাঢ় ১৩৩৪ ।

অধিকতর সুনির্দিষ্ট ও অধুনা বিশ্বভারতী-অনুসৃত
আকারমাত্রিক স্বরলিপি -পদ্ধতির সংক্ষিপ্ত ব্যাখ্যা

১ স র গ ম প ধ ন— সপ্তক। খাদ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের নীচে হসন্ত, যথা— প্‌, ধ্‌, এবং উচ্চ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের মাথায় রেফ, যথা— র্স, র্র।

২ কোমল র— ঋ, কোমল গ— জ্ঞ, কড়ি ম— হ্ম, কোমল ধ— দ এবং কোমল ন— ণ।

৩ ঋ১ =অতিকোমল ঋষভ। অতিকোমল ঋষভের স্থান স ও ঋ স্বরদ্বয়ের মধ্যবর্তী। জ্ঞ১, দ১, ণ১ =যথাক্রমে অতিকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ। ঋ২ =অণুকোমল ঋষভ। অণুকোমল ঋষভের স্থান ঋ ও র স্বরদ্বয়ের মধ্যবর্তী। জ্ঞ২, দ২, ণ২ =যথাক্রমে অণুকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিষাদ।

৪ একমাত্রা= ।। অর্ধমাত্রা= :। সিকিমাত্রা=॰। দুইটি অর্ধমাত্রা, যথা— সরা। চারিটি সিকিমাত্রা, যথা— সরগমা। দুইটি সিকিমাত্রা, যথা— সরঃ। একটি সিকিমাত্রা, যথা— স॰। একটি অর্ধমাত্রা ও দুইটি সিকিমাত্রা মিলিয়া একমাত্রা, যথা— সঃ গরঃ। একটি দেড়মাত্রা ও একটি অর্ধমাত্রা মিলিয়া দুই মাত্রা, যথা— রাঃ গঃ।

৫ কোনো আসল স্বরের পূর্বে যদি কোনো নিমেষকালস্থায়ী আনুষঙ্গিক স্বর একটু ছুঁইয়া যায় মাত্র, তাহা হইলে সেই স্বরটি ক্ষুদ্র অক্ষরে আসল স্বরের বাম পার্শ্বে লিখিত হয়, যথা— মরা মরা। আসল স্বরের পরে কখনো অন্য স্বরের ঈষৎ রেশ লাগে; তখন ঐ স্বর ক্ষুদ্র অক্ষরে দক্ষিণ পার্শ্বে লিখিত হয়, যথা— রাস।

৬ বিরামের চিহ্ন ও মাত্রাসমূহের চিহ্ন একই; হাইফেন-বর্জিত হইলে এবং স্বরাক্ষরের গায়ে সংলগ্ন না থাকিলেই সেই মাত্রা, বিরামের মাত্রা বলিয়া বুঝিতে হইবে। স্বরের ক্ষণিক স্তব্ধতাকে বিরাম বলে।

৭ তাল-বিভাগের চিহ্ন এক-একটি দাড়ি। সমে ও সম্ হইতে তালের এক ফেরা হইয়া গেলে দাড়ির স্থলে I এরূপ একটি 'দণ্ড' চিহ্ন বসে। প্রায় প্রত্যেক কলির আরম্ভে দুইটি দণ্ড বসে। যেখানে গান একেবারে শেষ হয় সেখানে চারিটি দণ্ড বসে।

৮ মাত্রাসমষ্টি ভিন্ন ভিন্ন গুচ্ছে বিভক্ত, প্রত্যেক গুচ্ছের প্রথম মাত্রার শিরোদেশে ১, ২, ৩, ৪, ০, ইত্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন তালাঙ্ক নির্দেশ করে। শূন্য-চিহ্নে (০) ফাঁক ও যে সংখ্যায় রেফ-চিহ্ন থাকে (১´) তাহাতেই সম্ বুঝিতে হইবে।

৯ আস্থায়ীতে প্রত্যাবর্তনের চিহ্নস্বরূপ দুইটি করিয়া দণ্ড বসে। কোনো কলির শেষে II এই যুগল দণ্ড এবং সব শেষে II II দুই জোড়া দণ্ড দেখিলেই

আস্থায়ীর প্রথমে যেখানে যুগল দণ্ড আছে সেইখান হইতে আবার আরম্ভ করিবে।

১০ আস্থায়ীর আরম্ভে, II এই যুগল দণ্ডের বাহিরে গানের অংশ গান ধরিবার সময় একবার মাত্র গাহিবে ; কারণ প্রত্যেক কলির শেষে এই অংশটুকু " " এরূপ উদ্‌ধৃতি-চিহ্নের মধ্যে পুনঃ পুনঃ লিখিত হইয়া থাকে।

১১ অবসানের চিহ্ন, শিরোদেশে যুগল দাঁড়ি, যথা— ॥
সা। হয় এইখানে একেবারে থামিবে ; নয় এইখানে থামিয়া গানের অন্য কলি ধরিবে।

১২ পুনরাবৃত্তির চিহ্ন { } এই গুম্ফবন্ধনী ; এবং পুনরাবৃত্তিকালে কতকগুলি স্বর বাদ দিয়া যাইবার চিহ্ন ( ) এই বক্র বন্ধনী, যথা— { সা রা (গা মা) }। মা পা।

১৩ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো স্বরের পরিবর্তন হইলে, শিরোদেশে [ ] এই সরল

[রা গা]
বন্ধনীচিহ্নের মধ্যে পরিবর্তিত স্বরগুলি স্থাপিত হয় ; যথা— { সা রা গা }। কলির শেষে যুগল দণ্ডের মধ্যে ও সব-শেষে দুই প্রস্থ যুগল দণ্ডের মধ্যে [ ] এই সরল বন্ধনী থাকিলে, যথা— I [ ] I, II [ ] II, আস্থায়ীতে ফিরিয়া পরিবর্তিত স্বর গাহিতে হয়।

১৪ কোনো এক স্বর যখন আর-এক স্বরে বিশেষরূপে গড়াইয়া যায়, তখন স্বরের নীচে ‿ এইরূপ মীড়-চিহ্ন থাকে, যথা— গা -পা।

১৫ যখন স্বরের নীচে গানের অক্ষর না থাকে, তখন সেই স্বর বা স্বরগুলির বাম পার্শ্বে হাইফেন (-) বসে এবং গানের পংক্তিতে শূন্য (০) দেওয়া হয় ; যথা— সা -া -া -া। অথবা— সা -রা -গা -মা। একই স্বর পৃথক
মা ০ ০ ০   মা ০ ০ ০
ঝোঁকে উচ্চারিত হইলে সেই স্বরের বাম পার্শ্বেও হাইফেন বসে ; যথা—
সা -সা -রা -রা। সা -সা -রা -রা।
মা ০ ০ ০   গা ০ ০ ন্

১৬ নীচে গানের অক্ষর স্বরান্ত না হইলে উপরে স্বরের বাম পার্শ্বে হাইফেন (-) বসে। যথা— সা -রা -গা -মা । সা -া -া -া ।
গা ০ ০ ন্   গা ০ ০ ন্

উচ্চারণ। স্বরলিপির ভিতরে প্রায় সব কথার বানান যথাসাধ্য উচ্চারণ-অনুযায়ী বিশ্লেষ করিয়া দেখাইতে যত্ন করা হইয়াছে। ে=এ এবং ে=অ্যা, যেরূপ বেদনা ও বেলা শব্দের প্রথম ব্যঞ্জনাশ্রিত একারের মুদ্রণে ইঙ্গিত করা হইয়াছে। তাহা ছাড়া 'অবেলায়' বিশ্লেষিত হইলে ছাপা হয়— অ বে লা য়। 'মনে'— ম নে।